

# NTA UGC- NET-JRF/SET विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा  
जूनियर रिसर्च फेलोशिप एवं लेक्चररशिप  
पात्रता हेतु

# भूगोल

## हल प्रश्न-पत्र

प्रधान संपादक

आनन्द कुमार महाजन

संपादन एवं संकलन

यू.जी.सी. भूगोल परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स

बालकृष्ण, चरन सिंह

संपादकीय कार्यालय

12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002

मो. : 9415650134

Email : yctap12@gmail.com

website : [www.yctbooks.com](http://www.yctbooks.com)/[www.yctfastbook.com](http://www.yctfastbook.com)/[www.yctbooksprime.com](http://www.yctbooksprime.com)

© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा

सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने E:Book by APP YCT BOOKS, से मुद्रित करवाकर,  
वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है

फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सहयोग और सुझाव सादर अपेक्षित है

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।



# यूजीसी NTA नेट भूगोल : नवीन पाठ्यक्रम

## इकाई I- भू-आकृति विज्ञान

महाद्विपीय प्रवाह, प्लेट विवर्तिनी, आंतरिक एवं बाह्य बल। अनाच्छादन एवं अपक्षय, भूआकृतिक चक्र (डेविस और पेंक), ढाल विकास का सिद्धांत और प्रक्रम, भू-संचलन (भूकंपनीयता, बलन, भ्रंश तथा ज्वालामुखीयता), स्थल निर्माण घटना और भू-आकृतिक संकट के कारण (भूकंप, ज्वालामुखी, भूस्खलन, हिमस्खलन)

## इकाई II- जलवायु विज्ञान

वायुमंडल की संरचना एवं संयोजन, सूर्यताप, पृथ्वी का ऊष्मा बजट, तापमान, वायुमण्डलीय दाब और पवनें, वायुमण्डलीय परिसंचरण (वायु-राशियाँ, वाताग्र तथा ऊपरी वायुमण्डलीय वायु संचलन, चक्रवात एवं प्रतिचक्रवात (उष्णकटिबंधीय एवं शीतोष्ण कटिबंधीय), कोपेन एवं थर्नवेत के जलवायु वर्गीकरण, ENSO घटनाएं (EL-NINO, LA NINA और दक्षिणी दोलन), मौसमी संकट और आपदाएं (चक्रवात, तड़ित ज्वाल, टोरनाडो, ओला वृष्टि, उष्ण एवं तरंगें, वृष्टि प्रस्फोट, हिम झील प्रस्फोटन (GLOF), जलवायु परिवर्तन विगत दशकों के जलवायु परिवर्तन के साक्ष्य एवं कारण, वैश्विक जलवायु पर मानव का प्रभाव।

## इकाई III- समुद्र विज्ञान

महासागरीय उच्चावच, संयोजन : तापमान, घनत्व और लवणता, संचरण गर्म एवं ठण्डी धाराएं, लहरें, ज्वार-भाटा, समुद्र स्तर परिवर्तन, संकट : सुनामी एवं चक्रवात

## इकाई IV- पर्यावरण भूगोल

**घटक :** पारिस्थितिकीय (भौगोलिक वर्गीकरण) और मानव पारिस्थितिकीय, **क्रियाएं :** पोषण स्तर, ऊर्जा प्रवाह, चक्रण (भू-रसायन, कार्बन, नाइट्रोजन एवं आक्सीजन) खाद्य श्रृंखला, खाद्य जाल और पारिस्थितिक पिरामिड, मानवीय पारस्परिक अंतर्संबंध और प्रभाव, पर्यावरणीय नैतिकता, गहन पारिस्थितिकी, पर्यावरणीय संकट और आपदाएं (वैश्विक तापन, नगरीय ऊष्ण द्वीप, वायुमण्डलीय नीति, अंतर्राष्ट्रीय समझौते, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं नीतियाँ (ब्रंटलैण्ड कमीशन, क्योटो प्रोटोकाल, कार्यसूची (एजेण्डा)-21, संधारणीय विकास एवं पेरिस सहमति)

## इकाई V- जनसंख्या एवं अधिवास भूगोल

### जनसंख्या :

जनसंख्या; आंकड़ों का स्रोत, जनगणना, प्रतिदर्श सर्वेक्षण (Sample survey) और जन्म-मरण सांख्यिकी, आंकड़ों की विश्वसनीयता और त्रुटि, विश्व जनसंख्या वितरण (मापन, प्रतिरूप और निर्धारक) विश्व जनसंख्या वृद्धि, (पूर्व ऐतिहासिक काल से आधुनिक काल तक), जनांकिकी संक्रमण, जनसंख्या वृद्धि का सिद्धांत (माल्थस, सडलर, और रिचार्डो), जन्मदर और मृत्युदर विश्लेषण (संकेतक, निर्धारक और विश्व प्रतिरूप), जनसंख्या प्रवास (प्रकार, कारण, परिणाम और प्रतिमान Models) जनसंख्या संरचना एवं विशेषताएं (आयु, लिंग,

नगरीय-ग्रामीण, व्यवसायिक संरचना एवं शैक्षिक स्तर), विकसित और विकासशील देशों में जनसंख्या नीतियाँ।

### अधिवास भूगोल :

ग्रामीण अधिवास (प्रकार, प्रतिरूप एवं वितरण), ग्रामीण अधिवासों की समाकालीन समस्याएं, ग्रामीण-नगरीय प्रवास, भूमि उपयोग में बदलाव, भूमि अधिग्रहण और संव्यवहार Transactions) नगरों की उत्पत्ति के सिद्धांत (गोरडन सिल्डे, हेरनि पिनेरी, साडलर, लेविस और ममफोर्ड) विकसित और विकासशील देशों में नगरीयकरण की विशेषता और प्रक्रिया (नगरों की वृद्धि के कारक, नगरीयकरण की प्रवृत्ति) आकार, संरचना और नगरीय क्षेत्र के कार्य) नगरीय पद्धतियाँ (प्राचीन नगरों के कानून, श्रेणी, आकार और नियम) केन्द्रीय स्थान सिद्धांत (क्रिस्टालर एवं लॉश) नगरों की आंतरिक संरचना, नगरीय भूमि उपयोग सिद्धांत (बर्गीज, हेरिस, उलमैन एवं हॉयट) नगरीय भूमि उपयोग मॉडल (बर्गीज, हॉयट हेरिस एवं उलमैन) महानगरीय संकल्पना, वैश्विक नगर और कोर नगर, नगर आकार परिवर्तन (पूर्व नगर क्षेत्र, ग्रामीण-नगर सीमांत, नगरोपांत, मुद्रिक व उपग्रही नगर) नगरों में सामाजिक विसंयोजन, नगरीय सामाजिक क्षेत्र विश्लेषण, नगरीय गरीबी की अभिव्यक्ति (मलीन बस्ती, अनियमित क्षेत्र की वृद्धि, अपराध और सामाजिक बहिष्कार)

## इकाई VI

### आर्थिक गतिविधि और क्षेत्रीय विकास का भूगोल

#### आर्थिक गतिविधि :

आर्थिक गतिविधियों की व्यवस्था को प्रभावित करने वाले स्थानीय कारक (प्राथमिक, द्वितीय, तृतीयक एवं चतुर्थक) प्राकृतिक संसाधन : (वर्गीकरण, वितरण एवं संबंधित समस्याएं) प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन; विश्व में विकसित एवं विकासशील देशों में ऊर्जा संकट।

#### कृषि भूगोल :

भूमि क्षमता वर्गीकरण एवं भूमि उपयोग नियोजन; शस्य प्रतिरूप, शस्य संशोधन विधि विधि क्षेत्र का निरूपण (बीबर, दोई तथा रफीउल्लहा), शस्य विविधिकरण, वॉन थ्यूनन का भूमि उपयोग नियोजन मॉडल; कृषि उत्पादकता के मापन एवं निर्धारक, कृषि उत्पादकता में क्षेत्रीय विभिन्नता, विश्व की कृषि पद्धतियाँ

#### औद्योगिक भूगोल :

उद्योगों का वर्गीकरण, औद्योगों के स्थाननिर्धारण के कारक, उद्योगों के स्थाननिर्धारण के सिद्धांत, (ए. वेबर, ई.एम. हूबर, ऑगस्ट लॉश, ए. प्रेड एवं डी.एम. स्मिथ), विश्व के औद्योगिक प्रदेश, अल्प विकसित देशों के विनिर्माण क्षेत्र पर वैश्विकरण का प्रभाव, पर्यटन औद्योग, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ICT एवं ज्ञान वृद्धि (शिक्षा एवं अनुसंधान विकास) उद्योग।

#### परिवहन एवं व्यापार भूगोल :

स्थानीय पारस्परिक अन्वोन्यक्रिया (Interaction) के सिद्धांत और मॉडल (एडवर्ड उलमैन, एम. ई. हर्स्ट) संबद्धतांक और अभिगम्यता सूचकांक मापन, स्थानीय प्रवाह मॉडल, गुरुत्वाकर्षण मॉडल और

इसकी भिन्नता, विश्व व्यापार संगठन, वैश्विकरण और उदारीकरण की विश्व व्यापार पद्धति, अंतः एवं अंतराप्रदेशिक सहयोग एवं व्यापार की संभावनाएं एवं समस्याएं।

#### प्रादेशिक विकास :

प्रारूप विज्ञान प्रदेश, औपचारिक और कार्यात्मक प्रदेश, विश्व प्रादेशिक विविधता, प्रादेशिक विविधता के सिद्धांत, प्रादेशिक विकास के सिद्धांत (अलवर्ट ओ हर्शमैन, गार्नर, मर्यडल, जौन फाईमैन), अल्पविकसित अधीन राष्ट्र का सिद्धांत, वैश्विक आर्थिक खण्ड, भारत में प्रादेशिक विकास और सामाजिक आन्दोलन।

### इकाई VII

#### सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राजनीतिक भूगोल

##### सांस्कृतिक, सामाजिक :

संस्कृति की संकल्पना, सांस्कृतिक जटिलताएं, क्षेत्र एवं प्रदेश, सांस्कृतिक विरासत, सांस्कृतिक पारिस्थितिकी, सांस्कृतिक अभिसरण, सामाजिक संरचना एवं प्रक्रम, सामाजिक कल्याण और जीवन की गुणवत्ता, सामाजिक आपवर्जन, भारत में सामाजिक समूहों का स्थानीय वितरण (जनजाति, जाति, धर्म एवं भाषाएँ), पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य, रुग्णता पारिस्थितिकी, पोषणता की स्थिति (निदान की स्थिति, वर्गीकरण और स्थानीय एवं मौसमी वितरण का प्रतिरूप विशेषतः भारत के संदर्भ में) भारत में सुरक्षा की योजना और नीति, भारत में स्वास्थ्य पर्यटन।

##### राजनीतिक भूगोल :

परिसीमाएं एवं सरहद की संकल्पना (विशेषकर भारत के संदर्भ में) हर्टलैण्ड एवं रिमलैण्ड सिद्धांत। राजनीतिक भूगोल की प्रवृत्ति और विकास, संघवाद का भूगोल, भारत में निर्वाचक सुधार, निर्वाचन व्यवहार के निर्धारक, जलवायु परिवर्तन की भू-राजनीति, विश्व संसाधनों की भू-राजनीति, भारत की हिन्द-महासागरीय भू-राजनीति, प्रादेशिक सहयोग के संगठन (SAARC, ASEAN, OPEC, EU) विश्व संसाधनों की नवराजनीति।

### इकाई VIII- भौगोलिक चिंतन

भौगोलिक ज्ञान में ग्रीक, रोमन अरब, चाइनीज एवं भारतीय भूगोल वेत्ताओं का योगदान, भूगोल वेत्ताओं का योगदान (वरेनियस, ईमान्यून कांट, ऐक्जेंडर, हम्बोल्ट, कार्ल रिट्जर, शीफर और हर्टशोर्न) भौगोलिक चिंतन पर डार्विन का प्रभाव। भारतीय भूगोल की समकालीन प्रवृत्ति : भूगोल में कार्टोग्राफी और थिमेटिक विधियों का योगदान। प्रमुख भौगोलिक परम्पराएं (भू-विज्ञान, मानव पर्यावरण अंतर्संबंध, क्षेत्र अध्ययन और स्थानीय विश्लेषण), भौगोलिक अध्ययन में द्वैतवाद (भौतिक बनाम मानव, प्रादेशिक बनाम सुव्यवस्थित, निश्चयवाद बनाम संभववाद, गुणात्मक बनाम मात्रात्मक, स्वरूपी बनाम नियमावेषी), प्रतिमान विस्थापन, भौगोलिक परिदृश्य (प्रत्यक्षवाद, व्यवहारिकवाद, संरचनावाद नियमान्वेषी उपागम एवं आधुनिकवाद)।

### इकाई IX- भौगोलिक तकनिकियाँ

भौगोलिक सूचना एवं आंकड़ों के स्रोत (स्थानीय एवं गैर स्थानीय) मानचित्र के प्रकार, मानचित्र निर्माण की विध (कोरोप्लेथ, समघनत्व (Isarithmic), वर्णमात्री (Dasymetric), प्रवाह मानचित्र), मानचित्र पर आंकड़ों का निरूपण (पाई, आरेख, दण्डारेख, रेखा आरेख, GIS आंकड़ा आधार (चित्ररेखापुंज और सदिश आंकड़ा प्रारूप एवं आरोपण आंकड़ा प्रारूप), भौगोलिक सूचना तंत्र के कार्य (रूपांतरण, संपादन और विश्लेषण), अंकीय उत्थान मॉडल (DEM), भूसंदर्भ (समन्वय पद्धति मानचित्र प्रक्षेप और आंकड़ा), भौगोलिक सूचना तंत्र का उपयोग (विषयात्मक मानचित्रकला, स्थानिक निर्णय समर्थन पद्धति), आधारभूत सुदूर संवेदन (वैद्युत चुंबकीय स्पेक्ट्रम, संवेदक एवं प्लेटफार्म, वियोजन एवं वियोजन के प्रकार, वयाव छायाचित्र (फोटो) के तत्त्व, उपग्रह प्रतिबिंब की विवेचना, फोटोगाममिति) वायव फोटोग्राफ की किस्में, अंकीय प्रतिबिंब प्रक्रमण, सुदूर संवेदन की तकनीकी का विकास, वृहद आंकड़ों का आदान प्रदान और इसका भारत के प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन में उपयोग। GPS घटक एवं उपयोग (आंतरिक्ष, भूतल नियंत्रण एवं अभिग्राही सूचकांक), केन्द्रीय प्रवृत्ति मापन का उपयोग, परिक्षेपण और असमताएं, प्रतिचयन, प्रतिचयन कार्यविधि और परिकल्पना परीक्षण (Chi square test, t test ANOVA) समय श्रेणी विश्लेषण, सहसंबंध और समाश्रयण (regression) विश्लेषण, सूचकांको का मापन, सूचकांका मापनी का निर्माण, संयुक्त सूचकों को संगणना, प्रधान घटक विश्लेषण और समूह विश्लेषण, आकारमिति विश्लेषण : सरिताओं का क्रमीकरण, विभाजन अनुपात, अपवाह घनत्व एवं अपवाह आवृत्ति, बेसिन परिक्रामी अनुपात एवं द्रोणी रूप, परिच्छेदिकाएं, ढलान विश्लेषण, प्रवणता वक्र, उच्चतादर्शी वक्र, तुंगता बारंबारता आरेख।

### इकाई X- भारत का भूगोल

भारत के प्रमुख भू-आकृतिक क्षेत्र एवं उनकी विशेषताएं : अपवाह तंत्र, (हिमालय एवं प्रायद्वीप), जलवायु ऋत्तिक/मौसमी विशेषताएं, जलवायु विभाजन, भारतीय मानसून (रचनातंत्र एवं विशेषताएं) जेटधारा एवं हिमालय वाष्पहिमानि/क्रयोस्फेयर। प्राकृतिक संसाधनों के प्रकार एवं वितरण; मिट्टी, वनस्पति, जल, खनिज एवं महासागरीय संसाधन। जनसंख्या की विशेषताएं (स्थानीय प्रतिरूप एवं वितरण), वृद्धि एवं संरचना (ग्रामीण-नगरीय, आयु लिंग, व्यवसायिक, शिक्षा, मानवजातीय एवं धार्मिक)। जनसंख्या के निर्धारक, भारत में जनसंख्या नीति, कृषि (उत्पादन, उत्पादकता एवं प्रमुख खाद्य फसलों की उपज) प्रमुख फसल प्रदेश, कृषि विकास में प्रादेशिक विविधता, भारतीय कृषि को प्रभावित करने वाले तकनीकी एवं संस्थागत कारक; कृषि-जलवायु प्रदेश, हरित क्रांति, खाद्य सुरक्षा एवं भोजन का अधिकार। स्वतंत्रता प्राप्ति के अब तक परिवहन जल का विकास एवं प्रतिरूप (रेल, सड़क, जल मार्ग, वायु परिवहन एवं पाइपलाइन), आंतरिक एवं बाह्य व्यापार (प्रवृत्ति, संरचना एवं दिशा), भारत में प्रादेशिक विकास नियोजन। वैश्विकरण का भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, भारत में प्राकृतिक आपदाएं (भूकंप, सूखा, बाढ़, चक्रवात, सुनामी, हिमालय उच्चभूमि संकट और आपदाएं)।

# नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून- 2012

## भूगोल

### व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. अपरदन का सामान्य चक्र किससे संबन्धित है?

- (a) सागरीय अपरदन  
(b) पवन अपरदन  
(c) नदीय अपरदन  
(d) हिम नदीय अपरदन

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** नदी द्वारा अपरदन चक्र को अपरदन का सामान्य चक्र कहा जाता है। इसे सामान्य चक्र इसलिए कहा जाता है क्योंकि बहते हुए जल का कार्य अन्य अपरदन के साधनों से अधिक व्यापक तथा महत्वपूर्ण होता है। अपरदन के सामान्य चक्र का प्रारम्भ सागरतल से किसी भी स्थलखण्ड के उत्थान के साथ हो जाता है, जैसे ही स्थलखण्ड धरातल के ऊपर उठता है, उस नदी द्वारा अपरदन का कार्य प्रारम्भ हो जाता है, परन्तु प्रारम्भ में उत्थान की दर, अपरदन की दर से अधिक होती है। फलतः स्थलखण्ड की ऊँचाई तथा उच्चावच बढ़ते जाते हैं। कुछ समय बाद स्थल का उत्थान रुक जाता है तथा अपरदन सक्रिय हो जाता है। एक निश्चित अवधि के बाद अपरदन द्वारा उत्थित भाग कटकर अपने आधार तल को प्राप्त हो जाता है तथा अपरदन का एक सामान्य चक्र पूर्ण हो जाता है।

2. वेगनर के अनुसार, महाद्वीपीय विस्थापन के लिये निम्नांकित में से कौन सा बल/शक्ति उत्तरदायी है?

- (a) ज्वारीय बल (b) संवहन धारायें  
(c) तनाव बल (d) दबाव बल

उत्तर-(a)

**व्याख्या :** जलवायु भूगोलवेत्ता वेगनर ने अपना सिद्धान्त 1912 में प्रतिपादित किया लेकिन इस सिद्धान्त का विवेचन 1915 तथा 1920 ई. में हुआ। इस सिद्धान्त की विवेचना इन्होंने अपनी पुस्तक "Die, Entstehung Der Kontinente and Ozeane" (1929) में किया। वेगनर के अनुसार जब पैँजिया का विभाजन हुआ तो उसमें दो दिशा में प्रवाह हुआ- उत्तर या भूमध्य रेखा की ओर तथा पश्चिम की ओर। ये प्रवाह दो प्रकार के बलों द्वारा सम्भव हुए।

- (i) उत्तर या भूमध्य रेखा की ओर का प्रवाह गुरुत्व बल तथा प्लवनशीलत के बल (Force of buoyancy) के कारण हुआ।  
(ii) महाद्वीपों का पश्चिम की ओर प्रवाह का प्रमुख कारक वेगनर ने सूर्य तथा चन्द्रमा के 'ज्वारीय बल' को माना। चन्द्रमा की भ्रमण गति तीव्र होने पर यह बल अधिक प्रभावी हो जाता है। पृथ्वी पश्चिम से पूर्व दिशा में घूमती है। ज्वारीय रगड़ पृथ्वी की गति पर अवरोध का कार्य करता है फलस्वरूप महाद्वीपीय भाग परिभ्रमण में पृथ्वी का साथ नहीं दे पाते हैं तथा पीछे छूट जाते हैं। इस कारण स्थल भाग पश्चिम की ओर प्रभावित होने लगते हैं।

3. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिये और नीचे दिये कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिये :

#### सूची-I

- I. केटिल  
II. टार्न  
III. एस्कर  
IV. ड्रमलिन

#### सूची-II

1. सर्क पर निवास करने वाला लघु पर्वत-सरोवर  
2. निम्न विसर्पी हिमानी-जलोढ़ कटक  
3. हिम-गोलाशम मृत्तिका की अंडाकार या दीर्घवृत्ताकार पहाड़ी  
4. प्रायः हिमोढ़ पट्टी के साथ-साथ स्थित गहन गर्त

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	4	3	2	1
(b)	2	4	1	3
(c)	4	1	2	3
(d)	3	4	2	1

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार हैं-

#### सूची-I

- केटिल  
टार्न  
एस्कर  
ड्रमलिन

#### सूची-II

- प्रायः हिमोढ़ पट्टी के साथ-साथ स्थित गहन गर्त  
सर्क पर निवास करने वाला लघु पर्वत सरोवर  
निम्न विसर्पी हिमानी जलोढ़ कटक  
हिम-गोलाशम मृत्तिका की अण्डाकार या दीर्घ वृत्ताकार पहाड़ी

अतः विकल्प (c) सही सुमेलित है।

4. विश्व की स्थलाकृति का अधिकांश भाग निम्नलिखित युग का है :

- (a) कैम्ब्रियन-पूर्व महाकल्प (b) पुराजीवी महाकल्प  
(c) मध्यजीवी महाकल्प (d) नवजीव महाकल्प

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** विश्व की स्थलाकृतियों का अधिकांश भाग नवजीवी महाकल्प का है। 6.3 करोड़ वर्ष पहले से लेकर आज तक की सम्पूर्ण अवधि इस महाकल्प के अन्तर्गत आती है। कुछ विद्वान इसे नियोजोइक के नाम से भी सम्बोधित करते हैं। नवजीवी महाकल्प के दो प्रमुख कल्पों के नाम तथा उनके अन्तर्गत उत्पन्न प्रमुख स्थलाकृतियों का वर्णन निम्न है।

#### नवजीवी महाकल्प

1. टर्शियरी कल्प  
1. टर्शियरी कल्प- में हिमालय की उत्पत्ति हुई तथा आल्प्स, एटलस प्रमुख पर्वतों का निर्माण हुआ। भारतीय मानसून की उत्पत्ति हुई एवं थार के रेगिस्तान का निर्माण हुआ। गंगा सिन्धु के बेसिन का निर्माण हुआ।  
2. क्वाटरनरी कल्प- इसके अन्तर्गत गंगा व सिन्धु के मैदान का निर्माण हुआ।

5. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिये और नीचे दिये कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिये :

<b>सूची-I</b> ( नदी )	<b>सूची-II</b> ( सहायक नदियाँ )
A. कृष्णा	1. चम्बल
B. ब्रह्मपुत्र	2. इन्द्रावती
C. गोदावरी	3. तिस्ता
D. यमुना	4. भीमा

**कूट :**

	<b>(A)</b>	<b>(B)</b>	<b>(C)</b>	<b>(D)</b>
(a)	4	3	2	1
(b)	3	4	1	2
(c)	4	3	1	2
(d)	3	4	2	1

**उत्तर-(a)**

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार हैं -

<b>सूची-I</b> ( नदी )	<b>सूची-II</b> ( सहायक नदियाँ )
कृष्णा	भीमा
ब्रह्मपुत्र	तिस्ता
गोदावरी	इन्द्रावती
यमुना	चम्बल

अतः विकल्प (a) सही सुमेलित है।

6. क्षोभमंडल में वायु में गति ( संचलन ) निम्नलिखित के द्वारा होती है :

- |                      |                |
|----------------------|----------------|
| (a) सौर पवन          | (b) संवहन धारा |
| (c) गुरुत्वाकर्षण बल | (d) वायु-दाब   |
- उत्तर-(b)**

**व्याख्या :** क्षोभमण्डल में वायु की गति संवहन धारा द्वारा प्रभावित होती है। क्षोभमण्डल वायुमण्डल की सबसे सघन तथा निचली परत होती है। वर्षा, बिजली का चमकना, चक्रवात, तूफान, कुहरा तथा बादल निर्माण जैसी घटनाएँ इसी मण्डल में सम्पन्न होती है। इसी कारण इसे क्षोभमण्डल के नाम से जाना जाता है। क्षोभमण्डल में घटने वाली इन घटनाओं के लिए H<sub>2</sub>O की सर्वाधिक मात्रा उत्तरदायी है। इस भाग में वायु का गर्म तथा शीतल होने का कार्य विकिरण, संचालन तथा संवहन द्वारा होता है। इन क्रियाओं के माध्यम से क्षोभमण्डल में सूर्य से सर्वाधिक ऊष्मा की प्राप्ति होती है जिससे वायु को गति प्रदान होती है। क्षोभमण्डल की ऊँचाई विषुवत रेखा पर 18 किमी. तथा ध्रुवों पर 8 किमी. पर पायी जाती है।

7. वायु दाब के माप की इकाई है :

(a) डिग्री	(b) समदाब रेखा
(c) मीटर प्रति सेकण्ड	(d) हेक्सा-पास्कल

**उत्तर-(d)**

**व्याख्या :** वायुदाब के माप की इकाई 'हेक्सा पास्कल' है। सागरतल या धरातलीय सतह पर प्रति इकाई क्षेत्र (एक वर्ग इंच या गज) के ऊपर स्थित वायुमण्डल की समस्त परतों के पड़ने वाले भार को ही वायुदाब कहते हैं। सागरतल पर मानक वायुदाब 1013.25 मिलीबार होता है। जो कि 5 किमी. की ऊँचाई पर घटकर 540 मिलीबार हो जाता है, सागर तल पर समान वायुदाब वाले क्षेत्रों को मिलाने वाली रेखा को समदाब रेखा (Isobar) कहते हैं। वायुदाब मापने का यन्त्र बैरोमीटर है।

8. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिये तथा नीचे दिये गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

<b>सूची-I</b>	<b>सूची-II</b>
A. फेरल सेल	1. निर्वात प्रदेश
B. हेडली सेल	2. पूर्वी पवन
C. पोलर सेल	3. पश्चिमी पवन
D. अंतः उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र	4. व्यापारिक वायु

**कूट :**

	<b>A</b>	<b>B</b>	<b>C</b>	<b>D</b>
(a)	3	2	1	4
(b)	1	4	3	2
(c)	3	4	2	1
(d)	2	3	4	1

**उत्तर-(c)**

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार हैं-

<b>सूची-I</b>	<b>सूची-II</b>
फेरल सेल	पश्चिमी पवन
हेडली सेल	व्यापारिक पवन
पोलर सेल	पूर्वी पवन

अन्तःउष्ण कटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र- निर्वात प्रदेश  
अतः विकल्प (c) सही सुमेलित है।

9. ऊर्जा स्थानांतरण की निम्नलिखित में से कौन सी क्रियाविधि नहीं है?

- |            |             |
|------------|-------------|
| (a) चालन   | (b) अभिवहन  |
| (c) विकिरण | (d) अपक्षरण |
- उत्तर-(d)**

**व्याख्या :** ऊर्जा स्थानान्तरण में अपक्षरण की क्रियाविधि नहीं है।  
**चालन-** इस क्रिया के अन्तर्गत एक अणु स्पर्श द्वारा दूसरे अणु को उष्मा प्रदान करता है या ग्रहण करता है। यह तभी सम्भव होगा जब वस्तुओं के तापमान में भिन्नता होगी। यह क्रिया तब तक चलती रहती है, जब तक दोनों वस्तुओं का तापमान समान न हो जाय। इसी नियम के अनुसार दिन में पृथ्वी की ऊपरी सतह सौर्यिक विकिरण से उष्मा प्राप्त कर गर्म होकर सम्पर्क में आने वाली वायु को गर्म करती है।  
**विकिरण-** कोई भी वस्तु निश्चित तापमान पर विभिन्न प्रकार की उष्मा तरंगों प्रसारित करती है जिसे विकिरण कहते हैं। विकिरण लघु तथा दीर्घ तरंगों के रूप में होता है जो विकिरण करने वाली वस्तु के आकार तथा तापमान पर निर्भर करता है।

10. नीचे दो कथन दिये गये हैं एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) का नाम दिया गया है :

- अभिकथन (A) :** स्थिर वायु ऊर्ध्वाकार संचलन (गति) को रोकती है और अस्थिर वायु अपने स्वयं के उत्प्लावन के कारण अपने आप ही ऊपर चढ़ती है।
- कारण (R) :** जब स्थिर वायु पर ऊपर उठने के लिये जोर पड़ता है, तो जो बादल बनते हैं वे व्यापक होते हैं और उनकी ऊर्ध्वाधर मोटाई कम होती है।

उपर्युक्त दो कथनों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।  
 (b) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।  
 (c) (A) और (R) दोनों सही हैं।  
 (d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

उत्तर- (c)

**व्याख्या :** स्थिर वायु ऊर्ध्वाधर संचलन (गति) को रोकती है और अस्थिर वायु अपने स्वयं के उत्प्लावन के कारण अपने आप ऊपर चढ़ती है। जब स्थिर वायु ऊपर उठने के लिए जोर पड़ता है, तो जो बादल बनते हैं वे व्यापक होते हैं और उनकी ऊर्ध्वाधर मोटाई कम होती है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं।

11. चिली तथा पेरू के तट के सहारे चलने वाली शीत धारा का नाम है :

- (a) अगुलहास (b) एल - नीनो  
 (c) हम्बोल्ट (d) कैनारी

उत्तर- (c)

**व्याख्या :** प्रशान्त महासागर में दक्षिणी अमेरिका के पश्चिमी तट के सहारे अपवेलिंग से उत्पन्न दक्षिण से उत्तर की ओर प्रवाहित होने वाली ठण्डी धारा को पेरू धारा के नाम से जाना जाता है। प्रख्यात भूगोलविद हम्बोल्ट ने इस धारा की खोज की थी इसलिए इसे हम्बोल्ट धारा भी कहते हैं। इस धारा के प्रभाव के कारण दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी तट पर 'आटाकामा' मरूस्थल का विकास हुआ है। इस धारा में अपवेलिंग के कारण यहाँ पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व तथा ऑक्सीजन पानी में उपलब्ध होता है यही कारण है कि पेरू में मत्स्य व्यवसाय का विकास हुआ है।

12. उच्च ज्वार तथा निम्न ज्वार के बीच जल स्तर में औसत अन्तर को कहा जाता है :

- (a) ज्वारीय वेधन (b) ज्वारीय अवधि  
 (c) ज्वारीय रेन्ज (d) ज्वारीय लहर

उत्तर- (c)

**व्याख्या :** उच्च ज्वार तथा निम्न ज्वार के बीच जल स्तर में औसत अन्तर को ज्वारीय रेन्ज कहा जाता है।

**उच्च ज्वार-** जब सूर्य, पृथ्वी तथा चन्द्रमा एक सरल रेखा में होते हैं तो इस स्थिति को युति-वियुति कहते हैं। इनमें से जब सूर्य, चन्द्रमा तथा पृथ्वी क्रम में एक सीध में होते हैं अर्थात् जब सूर्य तथा चन्द्रमा दोनों पृथ्वी के एक ओर होते हैं तो उसे युति (सूर्य ग्रहण की स्थिति) कहते हैं और जब सूर्य तथा चन्द्रमा के बीच में पृथ्वी की स्थिति होती है तो उसे वियुति कहते हैं। उपर्युक्त दोनों ही स्थितियों में सूर्य तथा चन्द्रमा का बल एक साथ मिलकर कार्य करता है जिस कारण उच्च ज्वार आता है।

**निम्न ज्वार-** प्रत्येक मास के शुक्ल पक्ष तथा कृष्ण पक्ष की सप्तमी और अष्टमी को सूर्य, पृथ्वी तथा चन्द्रमा समकोणिक स्थिति में होते हैं अर्थात् ये मिलकर समकोण बनाते हैं परिणामस्वरूप सूर्य तथा चन्द्रमा के ज्वारोत्पादक बल एक दूसरे के विपरीत कार्य करते हैं जिस कारण निम्न ज्वार आता है।

13. पौधों एवं पशुओं का ग्राम्यन किस युग में प्रारम्भ हुआ?

- (a) पुरापाषाण काल (b) मध्यपाषाण काल  
 (c) नवपाषाण काल (d) पुरापाषाण-पूर्व काल

उत्तर- (c)

**व्याख्या :** पशुओं तथा मानव का ग्राम्यन नव पाषाण काल से प्रारम्भ हुआ। इस काल में पहिए का तथा छोटे-छोटे औजारों का आविष्कार हो चुका था। मानव ने नदियों के किनारे बसना शुरू कर दिया था और पशुपालन उसके मुख्य व्यवसाय के अन्तर्गत आ गया था।

14. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही सुमेलित नहीं है:

- (a) स्वपोषी : अजैव स्रोतों से ऊर्जा लेते हैं और उसे ऊर्जा सम्पन्न जैव मिश्रण में जमा देते हैं।  
 (b) विषमपोषी : जीवित जीवों से अपनी ऊर्जा प्राप्त करते हैं।  
 (c) शाकाहारी : वो जीव जो पौधे तथा पशुओं का भोग करते हैं।  
 (d) मृत भक्षी : मृत जीवों से अपनी ऊर्जा प्राप्त करते हैं।

उत्तर- (c)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार हैं-

- स्वपोषी : अजैव स्रोतों से ऊर्जा लेते हैं और उसे ऊर्जा सम्पन्न जैव मिश्रण में जमा देते हैं।  
 विषमपोषी : जीवित जीवों से अपनी ऊर्जा प्राप्त करते हैं।  
 शाकाहारी : वो जीव जो पौधे का भोग करते हैं।  
 मृत भक्षी : मृत जीवों से अपनी ऊर्जा प्राप्त करते हैं।

अतः विकल्प (c) सही सुमेलित नहीं है।

15. समुद्री टीला जिसका सपाट शिखर है किस नाम से जाना जाता है?

- (a) शोल (b) भित्ति  
 (c) निमग्न द्वीप (गुयाट) (d) किनारा

उत्तर- (c)

**व्याख्या :** समुद्री टीला जिसका सपाट शिखर होता है निमग्न द्वीप 'गुयाट' के नाम से जाना जाता है। इन्हें अन्तःसागरीय चबूतरों के नाम से भी जाना जाता है। प्रवाल के विकास के लिए ये अत्यन्त उपयोगी है। निमग्न दीप (गुयाट) चपटे शिखर वाले समुद्री टीले हैं। इन चपटे शिखर वाले जलमग्न पर्वतों के बनने की अवस्थाएँ क्रमिक अवतलन के साक्ष्यों द्वारा प्रदर्शित होती है।

16. निम्नलिखित में से कौन सा सही सुमेलित नहीं है?

- (a) पी. हैगेट : जियोग्राफी ए माडर्न सिनथीसिस  
 (b) पी.ई. जेम्स : ऑल पॉसिबल वर्ल्ड्स  
 (c) जी.पी. मार्श : एक्सप्लेनेशन इन जियोग्राफी  
 (d) एबलर, एडम्स : स्पेशियल ऑर्गनाइजेशन एवं गुल्ड

उत्तर- (c)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार हैं -

- पी. हैगेट - जियोग्राफी ए माडर्न सिनथीसिस  
 पी.ई. जेम्स - ऑल पॉसिबल वर्ल्ड्स  
 जी.पी. मार्श - मैन एण्ड नेचर  
 एबलर, एडम्स एवं गुल्ड - स्पेशियल आर्गनाइजेशन  
 डेविड हार्वे - एक्सप्लेनेशन इन जियोग्राफी  
 अतः विकल्प (c) सही सुमेलित नहीं है।

17. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

- (a) क्षेत्रीय विभेदन की अवधारणा वर्णनात्मक (इडिओग्राफिक) उपागम से सम्बन्धित है।  
 (b) क्षेत्रीय विभेदन की अवधारणा नॉमोथेटिक (विश्लेषणात्मक) उपागम से सम्बन्धित है।

- (c) क्षेत्रीय विभेदन की अवधारणा के प्रतिपादक रिचर्ड हार्टशोर्न थे।  
(d) क्षेत्रीय विभेदन की अवधारणा कोरोलॉजी से सम्बन्धित है।

उत्तर- (b)

**व्याख्या :** क्षेत्रीय विभेदन की अवधारणा नॉमोथेटिक उपागम से सम्बन्धित नहीं है। अमेरिकन भूगोलवेत्ता रिचर्ड हार्टशोर्न क्षेत्रीय विभेदन की अवधारणा के प्रतिपादक हैं। इन्होंने भूगोल में इडियोग्राफिक (idiographic) दृष्टिकोण का विकास किया। इस अवधारणा को इन्होंने 1939 ई. में 'द नेचर आफ ज्योग्राफी' पुस्तक में प्रकाशित किया। यह अवधारणा कोरोलॉजी से सम्बन्धित है। रिचर्ड हार्टशोर्न की अन्य पुस्तक है- पर्सपेक्टिव आन नेचर आफ ज्योग्राफी, 1959 (Perspectives on the nature of Geography)

18. 'एक ही प्रकार का वातावरण जीवनयापन या संस्कृति के भिन्न तरीकों के लोगों के लिये भिन्न अर्थ रखता है।' यह कथन निम्नलिखित की अवधारणा से सम्बन्धित है :  
(a) निश्चयवाद (b) रुको-और-जाओ निश्चयवाद  
(c) संभाव्यवाद (d) संभववाद

उत्तर- (d)

**व्याख्या :** 'एक ही प्रकार का वातावरण जीवनयापन या संस्कृति के भिन्न तरीकों के लोगों के लिए भिन्न अर्थ रखता है।' यह कथन संभववाद की अवधारणा से सम्बन्धित है। सम्भववाद विचारधारा के प्रतिपादक फ्रांसीसी भूगोलवेत्ता वाइडल -डि-ला-ब्लाश थे। ब्लाश ने 'एनाल्स-डी ज्योग्राफी' नामक पत्रिका का प्रकाशन 1891 ई. में किया। ब्लाश की प्रमुख पुस्तकें - मानव भूगोल के सिद्धांत 'टेबलॉ-डि-ला ज्योग्राफी -डि-ला -फ्रांस' है। फ्रांस में ब्लाश ने लघु स्वरूपीय क्षेत्रों को 'पेज' कहा। ब्लाश को फ्रांस का मानव भूगोल का पिता कहा जाता है।

19. निम्नलिखित में से किसने भूगोल में व्यवहारवादी वातावरण पर जोर दिया है?  
(a) बर्टन (b) ग्रेगरी  
(c) किर्क (d) जॉन्सटन

उत्तर- (c)

**व्याख्या :** विलियम किर्क ने भूगोल में व्यवहारवादी वातावरण पर जोर दिया है। व्यवहारवाद का मूल तत्व यह है कि किसी भी क्षेत्र के भौगोलिक स्वरूप को समझने के लिए वहाँ के निवासियों द्वारा प्रत्यक्षीकरण एवं पर्यावरण से उनकी अन्तर्क्रिया का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में विश्लेषण अनिवार्य है। इस प्रकार मानव के व्यवहार या आचरण को भूगोल के केन्द्रीय विषय के रूप में रखकर व्यवहारवाद का अध्ययन किया जाता है।

ब्रिटिश भूगोलवेत्ता ग्रेगरी क्रान्तिकारी भूगोलवेत्ता थे। इनकी प्रमुख पुस्तकें निम्न हैं - 'आइडियोलॉजी साइन्स एण्ड ह्यूमन ज्याग्राफी।'

20. भूगोल को मानव पारिस्थितिकी विज्ञान के रूप में किसने परिभाषित किया है?  
(a) शेफ़र (b) हार्टशोर्न  
(c) रिचथोफेन (d) वैरोज़

उत्तर- (d)

**व्याख्या :** प्रसिद्ध अमेरिकी भूगोलवेत्ता बैरोज़ को 'मानव पारिस्थितिकी संकल्पना का प्रतिपादक माना जाता है। उन्होंने कहा था कि 'भूगोल मानव परिस्थितिकी का अध्ययन है।' मानव पारिस्थितिकी का अध्ययन नियतिवादी सन्दर्भ में नहीं बल्कि प्रकृति

की व्यवस्था या जीवन के जाल में मानव के स्थान की व्याख्या के रूप में किया जाना चाहिए। हार्टशोर्न ने अपनी पुस्तक 'नेचर ऑफ जियोग्राफी' में लिखा है कि - 'भूगोल मानव गृह के रूप में पृथ्वी के एक स्थान से दूसरे स्थान पर पायी जाने वाली भिन्नता का वर्णन एवं व्याख्या करता है।' इस प्रकार हार्टशोर्न ने क्षेत्रीय विभेदीकरण की संकल्पना की पुष्टि की है।

21. 2011 की जनगणना के अनुसार निम्नलिखित महानगरों में से किसमें सबसे अधिक जनसंख्या दर्ज की गई?  
(a) चेन्नई (b) दिल्ली  
(c) कोलकाता (d) मुम्बई

उत्तर- (d)

**व्याख्या :** 2011 की जनगणना के अनुसार प्रश्नगत चारों महानगरों में मुम्बई की जनसंख्या सर्वाधिक है। प्रश्नगत चारों महानगरों की जनसंख्या निम्न है-

मुम्बई	-	18.41 मिलियन
दिल्ली	-	16.31 मिलियन
कोलकाता	-	14.11 मिलियन
चेन्नई	-	8.70 मिलियन

भारत के सर्वाधिक जनसंख्या वाले 5 राज्य 2011 के अनुसार-  
(राज्य) (जनसंख्या ( करोड़ में ))

उत्तर प्रदेश	-	19.981
महाराष्ट्र	-	11.237
बिहार	-	10.409
पश्चिम बंगाल	-	9.127
मध्य प्रदेश	-	8.458

22. भारत में निम्नलिखित में से कौन सा राज्य जनसांख्यिकीय संक्रमण की अवस्था से गुजर रहा है जिस दौरान निम्न प्रजनन और निम्न मृत्यु दर रहती है?  
(a) आसाम (b) हरियाणा  
(c) पंजाब (d) तमिलनाडु

उत्तर- (d)

**व्याख्या :** भारत में तमिलनाडु राज्य जनसांख्यिकीय संक्रमण की अवस्था से गुजर रहा है जिस दौरान निम्न प्रजनन और निम्न मृत्यु दर है। निम्न प्रजनन और निम्न मृत्यु दर जननांकिय संक्रमण की चतुर्थ अवस्था होती है। इस अवस्था में शिक्षा के विकास के कारण निम्न प्रजनन दर हो जाती है तथा चिकित्सा सुविधाओं के बेहतर विकास के कारण निम्न मृत्यु दर हो जाती है। इस अवस्था में विकसित देश तथा विकसित राज्य आते हैं। तमिलनाडु राज्य इस अवस्था को प्राप्त कर चुका है।

23. निम्नलिखित में से कौन सा भारत में ग्रामीण बहिर्प्रवास का महत्वपूर्ण कारक है?  
(a) कृषि अक्षमता (b) जनसंख्या वृद्धि  
(c) ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सेवाओं का अभाव  
(d) बेरोजगारी

उत्तर- (d)

**व्याख्या :** भारत में ग्रामीण बहिर्प्रवास का महत्वपूर्ण कारण बेरोजगारी है। ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योगों के अभाव के कारण तथा रोजगार का अभाव पाया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक क्रिया की प्रधानता पायी जाती है जबकि द्वितीयक, तृतीयक तथा चतुर्थक आर्थिक क्रियाओं का अभाव पाया जाता है, जिस कारण व्यक्ति बेहतर रोजगार हेतु गाँवों से प्रवास करते हैं।



24. 'वस्तु की विस्तार सीमा' किसका संकेत करती है?

- (a) वस्तु या सेवा खरीदने के लिये लोगों को जो अधिकतम दूरी तय करनी पड़ती है।  
 (b) बाजार में उपलब्ध वस्तुओं की विविधता  
 (c) सेवा या वस्तु को व्यवहारपरक बनाने के लिये अधिकतम माँग  
 (d) कार्य के निर्वहन के लिये आवश्यक अधिकतम जनसंख्या

उत्तर- (a)

**व्याख्या :** वस्तु की विस्तार सीमा से तात्पर्य वस्तु या सेवा खरीदने के लिए लोगों द्वारा तय की गयी अधिकतम दूरी से है। वस्तु की विस्तार सीमा का सम्बन्ध वान थ्यूनेन के कृषि अवस्थापना मॉडल से है। वान थ्यूनेन ने अपने मॉडल में यह माना कि वस्तुओं का परिवहन, व्यय उनके भार तथा उनके द्वारा तय की गयी दूरी के अनुपात में बढ़ता है।

25. क्रिस्टॉलर के 'केन्द्रीय स्थान सिद्धान्त' में 'प्रशासनिक नियम' क्या संकेत करता है?

- (a) K = 3 (b) K = 4  
 (c) K = 7 (d) K = 9

उत्तर- (c)

**व्याख्या :** जर्मन अर्थशास्त्री वाल्टर क्रिस्टॉलर ने 1933 ई. में 'केन्द्रीय स्थल सिद्धान्त' का प्रतिपादन किया। यद्यपि नगरों के लिए केन्द्रीय स्थान शब्द का प्रयोग मार्क जैफरसन ने 1931 में किया था। क्रिस्टॉलर अपने सिद्धान्त में प्रशासकीय नियम के लिए K=7 संकेत का प्रयोग किया। यह सिद्धान्त इस मान्यता पर आधारित है कि किसी भी षष्ठकोण के सभी सातों सेवा केन्द्र एक ही प्रशासकीय केन्द्र से नियन्त्रित होते हैं। अर्थात् एक स्थान का अपने सबसे अधिक सीमावर्ती 6 आश्रित स्थानों के साथ पूरा प्रशासकीय सम्बन्ध रहता है। अगर इनका पदानुक्रम बनाया जाय तो वह 7, 49 और 343 के क्रम में होगा। इसी प्रकार क्रिस्टॉलर ने अपने सिद्धान्त में बाजार सिद्धान्त के लिए k = 3 तथा परिवहन सिद्धान्त के लिए k = 4 संकेत का प्रयोग किया।

26. निम्नलिखित में से किसे स्वच्छन्द उद्योग के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है?

- (a) सीमेन्ट (b) जहाज निर्माण  
 (c) इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे (d) सूती वस्त्र

उत्तर- (c)

**व्याख्या :** स्वच्छन्द उद्योग के अन्तर्गत ऐसे उद्योग आते हैं जो माँग के अनुसार कहीं भी स्थापित हो सकते हैं। कच्चे माल की परिवहन लागत इन उद्योगों को प्रभावित नहीं करती है। जैसे- होजरी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग।

27. नेट बोया क्षेत्र द्वारा विभाजित सकल बोया क्षेत्र क्या कहलाता है?

- (a) कृषिक क्षमता (b) फसल विविधीकरण  
 (c) फसल केन्द्रीयकरण (d) फसल गहनता

उत्तर- (d)

**व्याख्या :** फसल गहनता या शस्य गहनता से आशय किसी निश्चित कृषि क्षेत्र में एक वर्ष में बोयी जाने वाली फसलों की आवृत्ति या संख्या से है। शस्य गहनता का निर्धारण शुद्ध बोये गये क्षेत्र और कुल कृषित क्षेत्र के अनुपात के द्वारा किया जाता है। एक कृषित

क्षेत्र पर एक वर्ष में जितनी अधिक फसलें उत्पन्न की जायेंगी, उसकी शस्य गहनता उतनी ही अधिक होगी।

$$\text{फसल (शस्य) गहनता} = \frac{\text{सकल (कुल) बोया गया क्षेत्र}}{\text{निवल (शुद्ध) बोया गया क्षेत्र}} \times 100$$

28. न्यूनतम लागत अवस्थिति के सिद्धान्त का प्रस्ताव किसने रखा था?

- (a) लॉश (b) आइसार्ड  
 (c) डाइसी (d) वेबर

उत्तर- (d)

**व्याख्या :** न्यूनतम लागत अवस्थिति सिद्धान्त को प्रतिपदित करने का प्रथम प्रयास जर्मन अर्थशास्त्री अल्फ्रेड वेबर ने 1909 ई. में किया। 1929 में फ्रेडरिच द्वारा इसका अंग्रेजी अनुवाद 'थ्योरी आफ लोकेशन आफ इन्डस्ट्री' के नाम से प्रकाशित हुआ। वेबर की परिकल्पना इस मान्यता पर आधारित है कि न्यूनतम परिवहन लागत ही न्यूनतम उत्पादन लागत की जगह लेगा तथा उद्योग की अवस्थिति में 3 कारक विशेष प्रभाव डालते हैं- परिवहन लागत, श्रम लागत तथा समूहीकरण। लाश ने उद्योगों के स्थानीयकरण के न्यूनतम लागत सिद्धान्त का खण्डन करते हुये बताया कि उद्योग उस स्थान पर स्थापित होगा जहाँ कुल लागत तथा कुल आय का अन्तर अधिकतम हो न कि न्यूनतम लागत वाले स्थान पर होगा।

29. स.रा. अमेरिका में नगरों के उपान्त में सब्जियों, फलों तथा फूलों की गहन खेती कहलाती है :

- (a) ट्रक फार्मिंग (b) फैक्टरी फार्मिंग  
 (c) मार्केट गार्डनिंग (d) एग्री - फार्मिंग

उत्तर- (a)

**व्याख्या :** संयुक्त राज्य अमेरिका में नगरों के उपान्त में सब्जियों, फलों तथा फूलों की गहन खेती ट्रक फार्मिंग कहलाती है। ट्रक फार्मिंग के अन्तर्गत शीघ्र खराब होने वाली वस्तुओं को बाजार क्षेत्रों में ट्रक द्वारा शीघ्रताशीघ्र पहुँचाने की व्यवस्था है। जिसके अन्तर्गत फल-फूल, सब्जियाँ, दूध इत्यादि उत्पाद आते हैं।

30. जापान में इस्पात मिलें तटीय स्थानों की ओर क्यों स्थापित की जाती हैं?

- (a) लौह अयस्क भंडारों की समीपता  
 (b) स्थानीय बाजारों की समीपता  
 (c) सस्ते श्रम की उपलब्धता  
 (d) आयातित कच्चे माल तथा इस्पात निर्यातों की परिवहन लागत न्यूनतम करना

उत्तर- (d)

**व्याख्या :** जापान में इस्पात मिलें तटीय स्थानों की ओर स्थापित की जाती हैं क्योंकि जापान इस्पात मिल में उपयोग होने वाला सम्पूर्ण लौह अयस्क का आयात करता है। तटीय क्षेत्रों में इस्पात मिलें स्थापित करने से आयातित कच्चे माल तथा इस्पात निर्यातों की परिवहन लागत न्यूनतम हो जाती है।

31. मानव प्रजातियों के वर्गीकरण के लिये निम्नलिखित में किस कसौटी का उपयोग नहीं किया जाता है?

- (a) नेत्र (b) नासिका  
 (c) कान (d) केश

उत्तर- (c)

**व्याख्या :** मानव प्रजातियों के वर्गीकरण में कान को आधार नहीं बनाया गया है। मानव प्रजातियों के वर्गीकरण में शारीरिक कद, सिर की आकृति, त्वचा के रंग, बाल, नाक की आकृति, नेत्र-वर्ण, शरीर की हड्डी के ढांचे की नाप, कपाल की ऊँचाई, नासिका सूचकांक आदि को सम्मिलित किया गया है। भारत की मानव प्रजातियों का वर्गीकरण करने में निम्न भूगोलवेत्ताओं ने योगदान दिया-रिशले, हैडन, जे.एच. हर्टन, वॉन एक्सटैट, बी.एस. गुहा आदि।

32. निम्नलिखित जनजातियों और उनके पर्यावास को सुमेलित कीजिए :

- |            |                   |
|------------|-------------------|
| A. खिरगिज  | 1. सेन्ट्रल एशिया |
| B. याकूत   | 2. साइबेरिया      |
| C. लैप्स   | 3. स्कैंडिनेविया  |
| D. एस्किमो | 4. कनाडा          |

**कूट :**

	A	B	C	D
(a)	1	3	2	4
(b)	4	2	3	1
(c)	2	1	3	4
(d)	1	2	3	4

**उत्तर-(d)**

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार हैं-

खिरगिज	-	सेन्ट्रल एशिया
याकूत	-	साइबेरिया
लैप्स	-	स्कैंडिनेविया
एस्किमो	-	कनाडा

अतः विकल्प (d) सही सुमेलित है।

33. निम्नलिखित में से कौन सा कथन राज्य के बारे में सत्य नहीं है?

- (a) उसका प्रादेशिक आधार है  
 (b) उसका हमेशा सामाजिक या सांस्कृतिक आधार होता है।  
 (c) वह आंतरिक प्रभुसत्ता सम्पन्न होता है।  
 (d) वह बाह्य सम्बन्धों में प्रभुसत्ता सम्पन्न होता है।

**उत्तर-(b)**

**व्याख्या :** राज्य का हमेशा सामाजिक या सांस्कृतिक आधार नहीं होता है। राज्य का प्रादेशिक आधार है। वह आन्तरिक प्रभुसत्ता सम्पन्न होता है तथा वाह्य सम्बन्धों में प्रभुसत्ता सम्पन्न होता है। किसी भी राज्य में सामान्यतः निम्न विशेषताएँ पायी जाती हैं-

- क्षेत्रफल
- जनसंख्या
- राजधानी
- प्रभुसत्ता
- आन्तरिक संरचना
- संचार एवं परिवहन तन्त्र

उपर्युक्त में क्षेत्रफल, जनसंख्या, सरकार, प्रभुसत्ता राज्य के अनिवार्य तत्व हैं जिसके अभाव में राज्य की कल्पना नहीं की जा सकती है।

34. निम्नलिखित में से कौन सी भाषा द्रविड़ कुल की नहीं है?

- (a) सिंहली (b) ब्राहुई  
 (c) कन्नड़ (d) मलयालम

**उत्तर-(a)**

**व्याख्या :** सिंहली द्रविड़ कुल की भाषा नहीं है। भारत में द्रविड़ प्रजाति के लोग पश्चिम से आए जो भूमध्य सागरीय मानव प्रजाति से सम्बन्धित थे। सिन्धु घाटी सभ्यता का निर्माता द्रविड़ों को ही माना जाता है, जो आर्यों से पराजित होकर पूर्वी, मध्य तथा दक्षिणी भारत की तरफ पलायित हो गए।

वर्तमान समय में द्रविड़ परिवार की भाषाएँ मुख्यतः दक्षिण भारत में संकेन्द्रित हैं। तमिल, तेलगू, ब्राहुई, कन्नड़, मलयालम, माल्टो, कुरुख आदि द्रविड़ भाषा परिवार की प्रमुख भाषाएँ हैं। द्रविड़ परिवार की भाषाएँ 20 प्रतिशत भारतीयों द्वारा बोली जाती हैं।

35. टोडा जनजाति का आवास है :

- (a) अरावली श्रेणी (b) शिवालिक श्रेणी  
 (c) कैमूर श्रेणी (d) नीलगिरी श्रेणी

**उत्तर-(d)**

**व्याख्या :** टोडा जनजाति के लोग नीलगिरी की पहाड़ियों पर निवास करते हैं। नीलगिरी पहाड़ियों पर निवास करने वाली अन्य आदिम जातियाँ वडागा, कोटा, इरूला व कुरुम्बा हैं।

शारीरिक लक्षण- टोडा नर-नारी सुन्दर आकृति के, सुगठित शरीर वाले तथा लम्बे कद के होते हैं।

**भोजन-** ये शाकाहारी होते हैं। ये केवल पूजा, उत्सवों, त्योहारों आदि के समय देवताओं को प्रसन्न करने के लिए दी गयी पशु बलि के पश्चात कर्म-काण्ड के रूप में माँस भक्षण करते हैं।

**वस्त्र-** ये लोग धोती बाँधते हैं और कंधे से लेकर नीचे तक एक सूती चोगा पहनते हैं।

**जीवन निर्वाह-** जीवन निर्वाह का मुख्य साधन पशुपालन तथा जंगल से कन्दमूल फल, शहद, गोंद इत्यादि इकट्ठा करना है।

36. देश का आर्थिक विकास मापने के लिये निम्नलिखित में से किस सूचक का सर्वाधिक उपयोग किया जाता है?

- (a) शिशु मृत्यु-दर  
 (b) पेय जल की उपलब्धता  
 (c) महिला साक्षरता  
 (d) प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय उत्पाद

**उत्तर-(d)**

**व्याख्या :** देश का आर्थिक विकास मापने के लिए प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय उत्पाद सर्वाधिक उपयोगी सूचक है।

37. निम्नलिखित में से कौन सा सही सुमेलित नहीं है?

- (a) मिडल : संचयी कार्यकारण मॉडल  
 (b) फ्रीडमैन : सारभाग-परिधि (या उपान्त) मॉडल  
 (c) बूढ़विल : परिवहन मॉडल  
 (d) फ्रैंक : पराश्रयता मॉडल

**उत्तर-(c)**

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार हैं-

मिडल	-	संचयी कार्यकारण मॉडल
फ्रीडमैन	-	सारभाग - परिधि (या उपान्त) मॉडल
टाफे	-	परिवहन मॉडल
फ्रैंक	-	पराश्रयता मॉडल

अतः विकल्प (c) सही सुमेलित नहीं है।

38. निम्नलिखित में से किसने इस अवधारणा को औपचारिक रूप दिया कि स्थानिक संगठन तथा राष्ट्रीय विकास के बीच सम्बन्ध विद्यमान है?

- (a) ल्यूटन (b) डिकेन्स  
(c) कुकलिंग्स्की (d) फ्रीडमैन

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** फ्रीडमैन ने स्थानिक संगठन तथा राष्ट्रीय विकास के बीच सम्बन्ध की अवधारणा को औपचारिक रूप दिया। फ्रीडमैन ने बताया कि केन्द्र परिधि मॉडल में केन्द्र तथा परिधि के सम्बन्ध इस तरह के होते हैं कि केन्द्र अमीर होता जाता है तथा परिधि गरीब।

39. रोस्टोव के मॉडल के अनुसार आर्थिक संवृद्धि की अवस्थाओं का कौन सा अनुक्रम निम्नलिखित में सही है?

- (a) पारम्परिक समाज, परिपक्वता की ओर, उत्प्रस्थान, अधिक जन उपभोग  
(b) पारम्परिक समाज, उत्प्रस्थान, परिपक्वता की ओर, अधिक जन उपभोग  
(c) पारम्परिक समाज, उत्प्रस्थान, अधिक जन उपभोग, परिपक्वता की ओर  
(d) पारम्परिक समाज, परिपक्वता की ओर, अधिक जन उपभोग, उत्प्रस्थान

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** अमेरिका के विख्यात विद्वान डब्ल्यू. डब्ल्यू. रोस्टोव ने अपना आर्थिक वृद्धि अवस्था मॉडल 1960 में प्रस्तुत किया। इनके अनुसार प्रत्येक देश विकास की किसी न किसी अवस्था से गुजर रहा है। इन्होंने अपने मॉडल में आर्थिक विकास की पाँच अवस्थाएँ बतायी हैं, जिनसे प्रत्येक देश को गुजरना पड़ता है। रोस्टोव के अनुसार एक आदिम समाज के आधुनिक समाज में विकसित होने से सम्बन्धित पाँच अवस्थाएँ निम्नलिखित हैं-

1. पारम्परिक समाज की अवस्था
2. उत्थान से पूर्व की दशाएँ
3. उत्थान अवस्था (उत्प्रस्थान)
4. परिपक्वता की ओर प्रस्थान
5. व्यापक उपभोग की अवस्था

40. निम्नलिखित में से कौन सा क्षेत्र 'आकारी' (सामांगी) क्षेत्र है?

- (a) दिल्ली महानगर क्षेत्र  
(b) हैदराबाद-सिकन्दराबाद क्षेत्र  
(c) दिल्ली-जयपुर-आगरा त्रिकोण  
(d) आसाम-घाटी

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** आसाम-घाटी का क्षेत्र 'आकारी' (सामांगी) क्षेत्र का उदाहरण है। दिल्ली महानगर क्षेत्र नगरीय क्षेत्र बताता है जबकि हैदराबाद - सिकन्दराबाद क्षेत्र अनुषंगी नगर को बताता है और दिल्ली - जयपुर - आगरा त्रिकोण परिवहन नेटवर्क को बताता है।

41. 2001 से 2011 के बीच, लिंग - अनुपात ( प्रति हजार पुरुष स्त्रियाँ ) में :

- (a) 5 से 10 की वृद्धि हुई (b) 5 से 10 की कमी आई  
(c) स्थिर रहा (d) 5 से कम की वृद्धि हुई

उत्तर-(a)

**व्याख्या:** जनगणना 2011 के अन्तिम आँकड़ों के अनुसार देश में लिंगानुपात (प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या) 943 है जबकि 2001 की जनगणना के अनुसार लिंगानुपात 933 था। जनगणना 2001 से 2011 के बीच, लिंग अनुपात में 10 की वृद्धि हुई है।

**जनगणना 2011 के अनुसार सर्वाधिक लिंगानुपात वाले 5**

**राज्य इस प्रकार हैं-**

1. केरल	-	1084
2. तमिलनाडु	-	996
3. आन्ध्र प्रदेश	-	993
4. छत्तीसगढ़	-	991
5. मेघालय	-	989

42. सूची-I तथा सूची-II को सुमेलित कीजिये तथा निम्नलिखित कूटों से सही उत्तर चुनिये :

सूची-I (खनिज)	सूची-II (खनिज क्षेत्र)
A. ताँबा	1. कुद्रेमुख
B. लौह अयस्क	2. बालाघाट
C. मैंगनीज	3. कोडर्मा
D. अभ्रक	4. खेतड़ी

**कूट :**

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	1	2	4	3
(b)	3	2	1	4
(c)	4	1	3	2
(d)	4	1	2	3

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार हैं -

सूची-I ( खनिज )	सूची-II ( खनिज क्षेत्र )
ताँबा	खेतड़ी (राजस्थान)
लौह अयस्क	कुद्रेमुख (कर्नाटक)
मैंगनीज	बालाघाट (म.प्र.)
अभ्रक	कोडर्मा (झारखण्ड)

अतः विकल्प (d) सही सुमेलित है।

43. भारत में मैंग्रोव निम्नांकित में से किसका सर्वाधिक महत्वपूर्ण वृक्ष है?

- (a) उष्ण-कटिबंधीय आर्द्र पतझड़ी वन  
(b) ज्वारीय वन  
(c) उष्णकटिबंधीय शुष्क पतझड़ी वन  
(d) उपोष्ण आर्द्र वन

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** मैंग्रोव ज्वारीय वनों के सर्वाधिक महत्वपूर्ण वृक्ष है। इस प्रकार के वन नदियों के डेल्टाई क्षेत्रों में पाए जाते हैं अतः इन्हें डेल्टाई वन भी कहते हैं। समुद्र के खारे जल के प्रवाह से इन वनों की लकड़ी तथा छाल क्षारीय हो जाती है। इनकी लकड़ी का उपयोग नाव बनाने तथा छाल का प्रयोग चमड़ा पकाने तथा रंगने में किया जाता है। ये वन गंगा, ब्रह्मपुत्र, महानदी, कृष्णा तथा कावेरी के डेल्टाई क्षेत्रों में पाये जाते हैं। इन वनों की निम्न विशेषताएँ हैं-

1. कठोर लकड़ी व क्षारीय छाल
2. दुर्गम वन
3. सीमित उपयोग

44. निम्नलिखित में से कौन सा सही सुमेलित नहीं है?

- (a) विशाखापट्टनम : जहाज निर्माण  
 (b) टीटागढ़ : रेलवे उपकरण  
 (c) भद्रावती : लौह एवं इस्पात  
 (d) पिंजौर : मशीन औजार

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार हैं -  
 विशाखापट्टनम - जहाज निर्माण  
 टीटागढ़ - कागज उद्योग  
 भद्रावती - लौह एवं इस्पात  
 पिंजौर - मशीन औजार  
 कपूरथला - रेलवे उपकरण  
 अतः विकल्प (b) सही सुमेलित नहीं है।

45. अधिकतम प्रतिशत की दशकीय वृद्धि किस दशक में हुई?

- (a) 1951-61 (b) 1961-71  
 (c) 1971-81 (d) 1981-91

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** अधिकतम प्रतिशत की दशकीय वृद्धि 1961-71 में हुई। इस अवधि में मृत्युदर लगातार तेजी से घटी तथा जन्म दर में लगभग स्थिरता की स्थिति बनी रही जिस कारण जनसंख्या तेजी से बढ़ी।

वर्ष	दशकीय वृद्धि दर
1951-61	21.51%
1961-71	24.80%
1971-81	24.66%
1981-91	23.87%

46. आवृत्ति वितरण दर्शाने के लिये सर्वाधिक उपयुक्त निम्नलिखित में से कौन सा है?

- (a) दंड आरेख (b) आयत चित्र  
 (c) पाई आरेख (d) रेखा ग्राफ

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** आवृत्ति वितरण दर्शाने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त आयत चित्र है। **दण्ड आरेख-** इस आरेख में भिन्न-भिन्न मूल्यों को उर्ध्वाधर अथवा क्षैतिज स्तंभों के द्वारा प्रदर्शित किया जाता है इस आरेख को स्तम्भी आरेख कहते हैं।

**सरल दण्ड आरेख** द्वारा पदमाला में दिये गये मूल्यों के किसी गुण को प्रदर्शित किया जाता है।

**पाई आरेख-** इस आरेख में संख्या का कुल योग प्रकट करने वाले किसी वृत्त के क्षेत्रफल को उस संख्या के विभिन्न उपविभागों या घटकों के मूल्यों के अनुपात में बाँट देते हैं। अतः इस आरेख को विभाजित वृत्त आरेख भी कहा जाता है।

47. नदीय उन्मोचन के औसत मान की परिगणना करने के लिये निम्नलिखित में से किसका सामान्यतया उपयोग किया जाता है?

- (a) गणितीय माध्य (b) ज्यामितीय माध्य  
 (c) हरात्मक माध्य (d) भारित माध्य

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** नदीय उन्मोचन के औसत मान की परिगणना करने के लिए ज्यामितीय माध्य सामान्यतया उपयोग किया जाता है। **गणितीय माध्य-** इस माध्य का प्रयोग जनसंख्या वृद्धि तथा किसी

वस्तु के उत्पादन, उपभोग, आयात व निर्यात आदि मूल्यों में होने वाले प्रतिशत परिवर्तनों की औसत दर ज्ञात करने के लिए किया जाता है।

**हरात्मक माध्य** - प्रति घण्टा औसत वेग ज्ञात करने के लिए यह माध्य परम उपयोगी है।

48. निम्नलिखित  $R_n$  मूल्यों में से कौन सा बिन्दु वितरण का यादृच्छिक प्रतिरूप दर्शाता है?

- (a) 0 (b) 1.0  
 (c) 1.35 (d) 2.14

उत्तर-(b)

**व्याख्या :**  $R_n$  मूल्य में 1.0 बिन्दु वितरण का यादृच्छिक प्रतिरूप दर्शाता है।  $R_n$  तालिका में सूचकांक का मान .0 से 2.15 तक होता है।

**$R_n$  तालिका**

0.00-0.09	पूर्ण संकेन्द्रण
0.10-0.50	उच्च संकेन्द्रण
0.51- 0.99	गुच्छेदार क्रम
1.00-1.19	द्वैत प्रतिप/यादृच्छिक
1.20-1.49	उपागामीय प्रवृत्ति
1.50-2.14	परिक्षेपित क्रम
2.1491-2.15	पूर्ण षटकोणीय

49. विविध भौगोलिक विशेषताओं से युक्त क्षेत्र के प्रतिनिधि गावों के चयन हेतु सर्वाधिक उपयुक्त प्रतिचयन तकनीक कौन सी है?

- (a) व्यवस्थित (b) स्तरित-यादृच्छिक  
 (c) यादृच्छिक (d) गुच्छित

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** स्तरित यादृच्छिक, विविध भौगोलिक विशेषताओं से युक्त क्षेत्र के प्रतिनिधि गावों के चयन हेतु सर्वाधिक उपयुक्त प्रतिचयन की तकनीक है।

50. निम्नलिखित पद्धतियों में से किसमें अन्तर्वेशन का उपयोग किया जाता है?

- (a) वर्णप्रतीकी (कोरोस्कैमैटिक)  
 (b) वर्णवर्णकता (कोरोक्रोमैटिक)  
 (c) सममान  
 (d) वर्णमात्री

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** सममान में अन्तर्वेशन का उपयोग किया जाता है। वर्णप्रतीकी - प्रतीकों या चिह्नों की सहायता से वितरण प्रदर्शित करने की विधि को वर्ण प्रतीकी या प्रतीक विधि कहते हैं।

**वर्णवर्णकता (कोरोक्रोमैटिक)** - इसे रंगरेख विधि भी कहते हैं। इस मानचित्र में भिन्न-भिन्न तत्वों या वस्तुओं के वितरण - क्षेत्रों को रंग भरकर स्पष्ट किया जाता है। प्राकृतिक प्रदेशों, राजनैतिक व प्रशासनिक क्षेत्रों, भूमि उपयोग के प्रकारों, भूवैज्ञानिक क्षेत्रों तथा प्राकृतिक वनस्पति व मिट्टियों के प्रकारों को प्रदर्शित करने के लिए इस विधि का प्रयोग करते हैं।

वर्णमात्री- वर्णमात्री मानचित्र में भिन्न-भिन्न घनत्व वाली छायाओं के द्वारा किसी वस्तु की प्रति इकाई क्षेत्र, औसत संख्या या प्रतिशत मूल्य जैसे जनसंख्या का प्रतिवर्ग किमी. घनत्व, विभिन्न राज्यों में प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय अथवा किसी फसल का भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में प्रति हेक्टेयर उत्पादन आदि प्रदर्शित किया जाता है।

# यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून- 2012

## भूगोल

### व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

1. जो घाटियाँ प्रारम्भिक अनुवर्ती अपवाह की दिशा में ही प्रवाहित होती हैं किन्तु निम्नतर स्थलाकृतिक स्तरों पर होती हैं और नूतन आधार स्तरों के संदर्भ में विकसित हुई हैं, वे कहलाती है।

- (a) नवानुवर्ती (b) प्रत्यानुवर्ती  
(c) अक्रमवर्ती (d) परवर्ती

उत्तर (a)

**व्याख्या :** जो घाटियाँ प्रारम्भिक अनुवर्ती अपवाह की दिशा में ही प्रवाहित होती हैं किन्तु निम्नतर स्थलाकृतिक स्तरों पर होती हैं और नूतन आधार स्तरों के संदर्भ में विकसित हुई हैं, वे नवानुवर्ती कहलाती हैं।

**प्रत्यानुवर्ती** - प्रधान अनुवर्ती सरिता की प्रवाह दिशा के विपरीत दिशा में प्रवाहित होने वाली सरिता को प्रत्यानुवर्ती कहा जाता है।

**परवर्ती**- अनुवर्ती सरिताओं के बाद उत्पन्न अपनतियों या कटकों के अक्षों का अनुसरण करने वाली सरिताओं को परवर्ती सरिता कहते हैं। देहरादून घाटी में गंगा तथा यमुना नदियाँ प्रमुख अनुवर्ती हैं, जबकि यमुना की सहायक आसन नदी तथा गंगा की सहायक सांग नदी परवर्ती नदियों के उदाहरण हैं।

**अक्रमवर्ती**- जो नदियाँ प्रादेशिक ढाल के अनुरूप न होकर प्रतिकूल दिशा तथा भौमिकीय संरचना के आर-पार प्रवाहित होती है।

2. निम्नतम (आधार) अपरदन तल की अवधारणा का प्रस्ताव प्रस्तुत किया था

- (a) डेविस (b) मलॉट  
(c) जॉनसन (d) पॉवेल

उत्तर (d)

**व्याख्या :** प्रत्येक नदी के निम्नवर्ती अपरदन की अन्तिम सीमा होती है जिसके बाद पुनः अपरदन सम्भव नहीं हो सकता है। इस सीमा को नदी का आधार तल कहते हैं। आधार तल, वास्तव में नदी के लम्बवत अपरदन की अन्तिम सीमा होती है आधार तल की संकल्पना को पॉवेल प्रस्तुत किया था। पॉवेल के अनुसार समुद्र तल मुख्य आधारतल है जिसके नीचे कोई भी नदी अपरदन नहीं कर सकती है।

3. नीचे दो कथन दिये गये हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) का नाम दिया गया है

**अभिकथन(A)** : गतिमान बर्फ का वेग क्षेत्र की ढलान की प्रवणता तथा हिमानी बर्फ की मोटाई के साथ बढ़ जाता है।

**कारण (R)** : निचले तल तथा बर्फ की कम गहराई तथा घाटी की भित्तियों के साथ घर्षण के कारण वेग कम हो जाता है।

उपरोक्त दो कथनों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।  
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।  
(c) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।  
(d) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (b)

**व्याख्या :** गतिमान बर्फ का वेग क्षेत्र की ढलान की प्रवणता तथा हिमानी बर्फ की मोटाई के साथ बढ़ जाता है। निचले तल तथा बर्फ की कम गहराई तथा घाटी की भित्तियों के साथ घर्षण के कारण वेग कम हो जाता है। अतः (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

4. सामान्य अपरदन चक्र सम्बन्धित है

- (a) समुद्री अपरदन (b) वायु अपरदन  
(c) नदी अपरदन (d) हिमनदीय अपरदन

उत्तर (c)

**व्याख्या :** नदी द्वारा अपरदन चक्र को सामान्य अपरदनचक्र कहा जाता है। इसे सामान्य चक्र इसलिए कहा जाता है कि बहते हुये जल का कार्य अन्य अपरदन के साधनों से अधिक व्यापक तथा महत्वपूर्ण होता है। इसकी व्यापकता का पता इसी बात से चल जाता है कि पवन तथा हिमानी के कार्यों में भी जल का आंशिक हाथ रहता है।

5. विद्वानों के निम्नलिखित समूहों में से किसने पेडिमेंट्स के निर्माण में धाराओं द्वारा पार्श्विक अपरदन की भूमिका पर जोर दिया है?

- (a) मैगी, पेगा, ब्लैकवेल्डर  
(b) मैगी, ब्लैकवेल्डर, जॉनसन  
(c) पेगा, ब्लैकवेल्डर, जॉनसन  
(d) पेगा, जॉनसन, लॉसन

उत्तर (c)

**व्याख्या :** पेगा, ब्लैकवेल्डर और जॉनसन नामक विद्वानों ने पेडिमेंट्स के निर्माण में धाराओं द्वारा पार्श्विक अपरदन की भूमिका पर जोर दिया है। पेडीमेंट के निर्माण के विषय में सर्वप्रथम गिलबर्ट महोदय ने पार्श्विक (क्षैतिज) अपरदन को सर्वाधिक महत्वपूर्ण बताया। इनके बाद अनेक विद्वानों ने सरिता द्वारा क्षैतिज अपरदन के कारण मरूस्थलीय भागों में पेडिमेंट के निर्माण की प्रक्रिया को अंगीकृत किया है। इनमें से प्रमुख हैं, पेगा, बर्की, मोरिस, ब्लैकवेल्डर तथा डगलस जॉनसन।

6. निम्नलिखित में से कौन भू-आकृति में पुनर्युवन का स्थलाकृतिक प्रमाण (या साक्ष्य) नहीं है?

- (a) कटे - फटे विसर्प (b) संरचनात्मक बेंच  
(c) युग्मित घाटी वेदिकाएँ (d) बहु - चक्रीय घाटी

उत्तर (b)

**व्याख्या :** संरचनात्मक बेंच पुनर्युवन का स्थलाकृतिक प्रमाण नहीं है जबकि कटे-फटे विसर्प, युग्मित घाटी वेदिकाएँ, बहु चक्रीय घाटी, मिश्र घाटी, द्विचक्रीय घाटी आदि पुनर्युवन स्थलाकृति का प्रमाण है। जलीय प्रक्रमों (सरिता) के अपरदन की शक्ति में अपरदन के आधार तल में ऋणात्मक परिवर्तन के फलस्वरूप त्वरित गति से वृद्धि को नवोन्मेष (पुनर्युवन) कहते हैं। पुनर्युवन के कारण नदियाँ अपनी घाटी को निम्नवर्ती अपरदन द्वारा पुनः गहरा करने लगती हैं।

7. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें -

<b>सूची-I</b>	<b>सूची-II</b>
(A) लोएस	(i). नदीय निक्षेप
(B) हिमोढ़	(ii). हिमानी निक्षेप
(C) बजर	(iii). वायु निक्षेप
(D) सिल्ट (गाद)	(iv). समुद्री निक्षेप

कूट :

	<b>A</b>	<b>B</b>	<b>C</b>	<b>D</b>
(a)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(b)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(c)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(d)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

उत्तर (b)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार है-

<b>सूची- I</b>	<b>सूची- II</b>
लोएस	वायु निक्षेप
हिमोढ़	हिमानी निक्षेप
बंजर	समुद्री निक्षेप
सिल्ट (गाद)	नदीय निक्षेप

अतः विकल्प (b) सही सुमेलित है।

8. नीचे दो कथन दिये गये हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) का नाम दिया गया है

**अभिकथन (A) :** ओजोन छिद्र दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र के ऊपर दिखाई पड़ता है।

**कारण(R) :** ओजोन नष्ट करने वाली गैसों पूरे समताप मंडल में उपस्थित रहती हैं।

उपरोक्त दो कथनों के संदर्भ में नीचे दिये कूटों में से सही उत्तर का चयन करें :

- (a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं  
 (b) (A) सत्य है, परन्तु (R) गलत है।  
 (c) (A) और (R) दोनों गलत हैं।  
 (d) (A) गलत है, परन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (\*)

**व्याख्या :** ओजोन गैस समताप मण्डल के निचले भाग में 15 से 35 किमी. के मध्य पायी जाती है। यह पूरे समताप मण्डल में नहीं पायी जाती है। यह गैस सूर्य से निकलने वाली परबैंगनी किरणों को पृथ्वी पर आने में अवरोधक का काम करती है। ओजोन छिद्र दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र के ऊपर दिखाई पड़ता है। इस तथ्य की जानकारी वर्ष 1970 के सितम्बर-अक्टूबर के महीने में हुई थी। वर्ष 1996 के अगस्त तथा सितम्बर के महीनों में ओजोन का दक्षिणी ध्रुव (अंटार्कटिका महाद्वीप) से सबसे बड़ा ओजोन छिद्र रिकॉर्ड किया गया था। वास्तव में 1996 में ओजोन छिद्र का आकार लगभग अंटार्कटिका महाद्वीप के क्षेत्रफल के बराबर था।

**नोट-** यूजीसी ने इस प्रश्न को विलोपित कर सभी छात्रों को समान अंक प्रदान किया है।

9. निम्नलिखित प्रकार के मेघों में से कौन से आकाश में उच्चतम स्तर में दिखाई पड़ते हैं?

- (a) मध्य - कपासी (b) पक्षाभ - कपासी  
 (c) कपासी - वर्षा (d) स्तरी - कपासी

उत्तर (b)

**व्याख्या :** प्रश्नगत दिये गये विकल्पों में पक्षाभ कपासी मेघ

सर्वाधिक ऊँचाई पर पाये जाते हैं ये लगभग  $7\frac{1}{2}$  किमी. की ऊँचाई तक निर्मित होते हैं। छोटे-छोटे गोलाकार लहरदार रूपों में इनका विकास होता है ये साफ मौसम के सूचक होते हैं। अत्यधिक ऊँचाई पर होने के कारण ये छायाहीन होते हैं। कपासी वर्षा बादल अत्याधिक विस्तृत तथा गहरे बादल होते हैं। इनके साथ वर्षा, ओला तथा तड़ित झंझा की अधिक संभावना रहती है।

10. क्षोभमंडल में ऊँचाई के साथ वायुमंडलीय तापमान घटता है क्योंकि

- (a) उच्चतर ऊँचाई पर वायु कम घनी होती है।  
 (b) उच्चतर स्तर पर सौर विकिरण कम होती है।  
 (c) उच्चतर ऊँचाई पर वायुमंडलीय गैसों ज्यादा होती है।  
 (d) वायुमंडल धरातल से विकिरण के द्वारा गर्म होता है।

उत्तर (d)

**व्याख्या :** क्षोभमण्डल वायुमण्डल की सबसे सघन व निचली परत

है। वर्षा, बिजली चमकना, चक्रवात, तूफान, कुहरा तथा बादल निर्माण जैसी वायुमण्डलीय घटनायें इसी मण्डल में सम्पन्न होती हैं। इसी कारण इसे क्षोभमण्डल के नाम से जाना जाता है। इस मण्डल को अधिकांश उष्मा की प्राप्ति पृथ्वी द्वारा विकिरण से होती है। वायुमण्डल पार्थिव विकिरण के द्वारा गर्म होता है। धरातल से ऊँचाई की ओर जाने पर तापमान एवं दाब दोनों क्रमशः घटता जाता है। धरातल के आस-पास पार्थिव विकिरण का प्रभाव रहता है जबकि ऊपर जाने पर पार्थिक विकिरण अन्तरिक्ष में चली जाती है जिसके कारण वहाँ तापमान सामान्य रहता है।

11. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही तरह से मेलित नहीं है

- (a) फॉन : उष्ण शुष्क हवाओं का ऐल्प पर नीचे की ओर बढ़ना  
 (b) मिस्ट्रल : आलप्स से फ्रांस के ऊपर शीत हवा का बहना  
 (c) सांताआना : उष्ण शुष्क वायु का अप्लेशियन पर नीचे की ओर बहना  
 (d) बोरा : एड्रियाटिक सागर के पूर्वी तट के सहारे अनुभव किया जाती शीतलपवन

उत्तर (c)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार है-

फॉन	: उष्ण शुष्क हवाओं का अल्प पर नीचे की ओर बढ़ना
मिस्ट्रल	: अल्प से फ्रांस के ऊपर शीत हवा का बहना
सांताआना	: संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया की घाटी में चलने वाली गर्म एवं शुष्क पवन
बोरा	: एड्रियाटिक सागर के पूर्वी तट के सहारे अनुभव किया जाती शीतलपवन

अतः विकल्प (c) सही सुमेलित नहीं है।

12. निम्नलिखित गैसों में से कौन सी वायुमंडल का प्राकृतिक घटक नहीं है?

- (a) क्लोरोफ्लोरो कार्बन (b) आर्गन  
(c) क्लोरोफ्लोरो कार्बन (d) जल कण

उत्तर (c)

**व्याख्या :** क्लोरोफ्लोरो कार्बन वायुमण्डल का प्राकृतिक घटक नहीं है। यह मानव जनित घटक है। यह रेफ्रिजरेटर एवं कंडीशनर में प्रशीतक के रूप में उपयोग किया जाता है। क्लोरोफ्लोरो कार्बन समूह की गैसों विकिरण की दृष्टि से अत्यधिक सक्रिय होने के कारण ग्रीन हाउस प्रभाव में वृद्धि करती हैं। क्रेप्टान, आर्गन, जल कण आदि गैसों वायुमण्डल का प्राकृतिक घटक है। जलवाष्प (जल कण) अधिकांशतः वायुमण्डल की निचली परतों तक सीमित रहती है। ऊँचाई में वृद्धि के साथ जलवाष्प की मात्रा में कमी होती है। वायुमण्डल के सम्पूर्ण जलवाष्प का 90% भाग 8 किमी. की ऊँचाई तक सीमित है।

13. कोपेन के जलवायु वर्गीकरण में Aw चिह्न किसका संकेत करता है?

- (a) उष्णकटिबंधीय सवाना जलवायु  
(b) मानसूनी जलवायु  
(c) उष्णकटिबंधीय आर्द्र वन जलवायु  
(d) स्टेपी जलवायु

उत्तर (a)

**व्याख्या :** कोपेन के जलवायु वर्गीकरण में Aw चिह्न उष्ण कटिबंधीय सवाना जलवायु का संकेत करता है। कोपेन के जलवायु वर्गीकरण में Aw उष्ण कटिबंधीय आर्द्र तथा शुष्क जलवायु प्रदेश आते हैं जिसमें शीतकाल शुष्क होता है। कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार 'Am' को मानसूनी जलवायु, 'Af' को उष्णकटिबंधीय आर्द्र वन जलवायु तथा 'BSh' को उपोष्ण कटिबंधीय स्टेपी जलवायु से इंगित करते हैं।

14. हरिकेन में बलवती हवाएँ कहाँ पाई जाती हैं?

- (a) हरिकेन की आँख में  
(b) तड़ित झंझा की सर्पिल पट्टियों में  
(c) हरिकेन की अक्षि-परिधि में  
(d) पुरवा लहरों में

उत्तर (c)

**व्याख्या :** हरिकेन में बलवती हवाएँ हरिकेन की अक्षि परिधि में पायी जाती है। इसमें केन्द्र तथा परिधि की समदाब रेखाओं के मान में 10 से 55 mb का अन्तर होने से दाब प्रवणता अधिक हो जाती है, जिस कारण परिधि से हवाएँ केन्द्र की ओर तेजी से चलती हैं। हरिकेन के केन्द्र में 6 से 48 किमी. का ऐसा क्षेत्र होता है जहाँ पर हवाएँ शांत होती हैं तथा वर्षा नहीं होती है। इसे हरिकेन का चक्षु (आँख) कहते हैं। हरिकेन प्रति घण्टे 120 किमी. की गति से चलते हैं। हरिकेन प्रायः संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिणी तथा दक्षिणी पूर्वी तटवर्ती भागों को प्रभावित करते हैं। खाड़ी तटीय प्रदेश (लूसियाना, टेक्सास, अलबामा, फ्लोरिडा) हरिकेन से सर्वाधिक पीड़ित क्षेत्र है।

15. निम्नलिखित में से झीलमाला (पैटर-नॉस्टर) की कौन सी विशेषता है?

- (a) ज्वारमुखी उद्भव की झील  
(b) समुद्र से पृथक्कृत जल का छिछला भाग

(c) नदीय विसर्प के छाड़न के फलस्वरूप निर्मित अर्द्धचन्द्राकार झील

(d) हिमनदीय सोपानों पर बनी झील

उत्तर (d)

**व्याख्या :** हिमसोपानों में क्लिफ के पास उत्पाटन क्रिया की अधिकता के कारण गहरे गर्त बन जाते हैं। जिसमें हिम के पिघलने से जल एकत्र हो जाता है तथा छोटी-छोटी झीलों का निर्माण हो जाता है इन्ही झीलों को पैटनस्टर झील कहते हैं। ये झीलें भी इन सोपानों के साथ सीढ़ीनुमा होती है। इन्हें देखने में ऐसा लगता है कि ये झिल्लें किसी माला में पिरोई गयी हैं।

16. थॉर्नथ्वेट का संशोधित जलवायु वर्गीकरण निम्नलिखित की अवधारणा पर आधारित है:

- (a) प्रभावी तापमान (b) वर्षण सूचक  
(c) संभावी वाष्पन पारश्वसन (d) संभावी वर्षण

उत्तर (c)

**व्याख्या :** थॉर्नथ्वेट का संशोधित जलवायु वर्गीकरण संभावी वाष्पोसर्जन (वाष्पन पारश्वसन) की अवधारणा पर आधारित है। थॉर्नथ्वेट सर्वप्रथम अपना वर्गीकरण 1931 में प्रस्तुत किया तत्पश्चात उसमें कुछ परमार्जन करके 1933 में प्रस्तुत किये। पुनः इन्होंने 1948 में अपने वर्गीकरण का संशोधित रूप प्रस्तुत किया। इन्होंने अपने वर्गीकरण में वर्षण प्रभाविता तथा तापीय दक्षता को महत्व दिया।

17. सेल्वा वन हैं :

- (a) पृथुपर्णी सदाबहार वन (b) पृथुपर्णी पतझड़ी वन  
(c) शंकुधारी सदाबहार वन (d) शंकुधारी पतझड़ी वन

उत्तर (a)

**व्याख्या :** सेल्वा वन पृथुपर्णी सदाबहार वन हैं। ये वन उष्ण कटिबंध के ऐसे क्षेत्रों में मिलते हैं जहाँ 200 सेमी. से अधिक वार्षिक वर्षा हो इन वनों का सबसे अधिक विस्तार भूमध्य रेखा से 5° उत्तर तथा 5° दक्षिण अक्षांशों के बीच है। इन वनों को कई नामों से पुकारा जाता है जैसे- उष्ण कटिबंधीय आर्द्रवन, उष्ण कटिबंधीय चौड़ी पत्ती वाले वन, अमेजन की घाटी में इनको सेल्वा कहते हैं। ये वन दक्षिण अमेरिका की अमेजन नदी की घाटी अफ्रीका के जायरे बेसिन तथा गिनी के तट दक्षिणी पूर्वी एशिया में मलेशिया न्यूमिनी, इंडो-चीन, म्यांमार के निचले प्रदेश थाइलैंड तथा भारत के पश्चिमी घाट में पाए जाते हैं।

18. पारिस्थितिकीय व्यवस्था में जीव का विशिष्ट स्थान क्या कहलाता है?

- (a) गर्तस्थ (निश) (b) स्वपोषी  
(c) पोषणज स्तर (ट्रॉफिक लेवल) (d) खाद्य पिरामिड

उत्तर (a)

**व्याख्या :** पारिस्थितिकीय व्यवस्था में जीव का विशिष्ट स्थान गर्तस्थ 'निश' कहलाता है। एक जीव पारितंत्र गर्तस्थ (निश) में वे सभी भौतिक रासायनिक और जैव दशाएँ शामिल होती हैं जो कि प्राकृतिक वास में रहने के लिए जरूरी होती हैं। वे स्तर जिनसे होकर आहार, ऊर्जा का एक वर्ग के जीवों से दूसरे वर्ग के जीवों में स्थानान्तरण या गमन होता है, को पोषण स्तर कहते हैं। पोषण स्तरों की यह शृंखला आहार शृंखला कहलाती है।

19. निम्नलिखित में से किसे समुद्री परिस्थितिकी में उत्पादक के रूप में जाना जाता है?

- (a) छोटी मछली (b) फुँद मछली  
(c) प्राणीप्लवक (d) पादपप्लवक

उत्तर (d)

**व्याख्या:** पादक प्लवक को समुद्री पारिस्थितिकी में उत्पादक के रूप में जाना जाता है। पादपप्लवक (फाइटोप्लैंटन) प्राथमिक उत्पादक तथा स्वपोषी होते हैं जिनके ऊपर समस्त सागरीय जीव निर्भर करते हैं। शैवाल तथा डायटम इस समुदाय के सर्वप्रमुख पौधे हैं। प्राणीप्लवक (जूप्लैंटन) का आकार एक मिली मीटर से कई मीटर तक होती है। इसके तीन प्रकार होते हैं- शाकाहारी जन्तु, मांसाहारी जन्तु तथा अवसाद पोषित जन्तु।

20. लोनी मिट्टी किसका परिणाम होती है?

- (a) मिट्टी का निक्षालन तथा बहुत अधिक अवक्षेपण  
(b) उच्च दर का वाष्पीकरण और मिट्टी का बहुत थोड़ा निक्षालन  
(c) उच्च अवक्षेपण तथा मिट्टी का बहुत कम निक्षालन  
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (b)

**व्याख्या :** उच्च दर का वाष्पीकरण और मिट्टी के बहुत थोड़ा निक्षालन से लोनी मिट्टी का निर्माण होता है। इसमें कोशिका क्रिया द्वारा सोडियम, कैल्सियम एवं मैग्नीशियम के लवण धरातल पर एक सफेद परत के रूप में दिखाई पड़ने लगते हैं। इन अनुपजाऊ क्षेत्रों को रेह कल्लर, ऊसर, राकर, धुर, कर्ल एवं चोपन आदि नामों से जाना जाता है। ये मिट्टी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, पंजाब एवं महाराष्ट्र राज्यों के शुष्क क्षेत्रों पर फैली है।

21. "वनस्पति के लिये कोई अवकाश नहीं है- विकास तीव्र, अनवरत, और सतत होता है"- यह कथन किस पर लागू होता है?

- (a) टैंग क्षेत्र (b) मानसून क्षेत्र  
(c) भूमध्यसागरीय क्षेत्र (d) वृष्टिमय उष्णकटिबंध

उत्तर (d)

**व्याख्या :** 'वनस्पति के लिए कोई अवकाश नहीं है विकास तीव्र अनवरत, और सतत होता है।' यह कथन वृष्टिमय उष्णकटिबंधीय पर लागू होता है। वृष्टिमय उष्णकटिबंधीय प्रदेश का विस्तार विषुवत रेखा के उत्तर तथा दक्षिण 5° से 10° अक्षांश तक पाया जाता है। इस क्षेत्र में वर्ष भर उच्च वर्षा, तथा वर्ष भर उच्च तापमान पाया जाता है। इस प्रदेश का विस्तार दक्षिण अमेरिका के अमेजन बेसिन, अफ्रीका के कांगो बेसिन, गिनी तट, पूर्वी द्वीप समूह तथा पूर्वी मध्य अमेरिका के क्षेत्रों में पाया जाता है। इस क्षेत्र में औसत वार्षिक वर्षा 200 सेमी. से अधिक होती है। इस क्षेत्र में गटापार्च रबर, एबोनी, ताड़, बॉस, बेंट, महोगनी इत्यादि वृक्ष पाये जाते हैं।

22. पादपों एवं पशुओं का प्रचुरतम प्रकार निम्नलिखित में पाया जाता है :

- (a) शीतोष्ण वन (b) मानसून वन  
(c) उष्णकटिबंधीय वन  
(d) उष्णकटिबंधीय घास के मैदान

उत्तर (c)

**व्याख्या :** उष्ण कटिबंधीय वन में पादपों तथा पशुओं के प्रचुरतम प्रकार पाये जाते हैं। वर्ष भर उच्च तापमान एवं भारी वर्षा के कारण अनेक प्रजातियों के वृक्ष पाये जाते हैं। इन वनस्पतियों में लतायें, फर्न, आर्किड कार्ड तथा विभिन्न प्रजातियों के पौधे सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त इन वनों में एपीफाइट तथा लियाना जैसी लतायें पायी जाती हैं। इन वनों में अनेक प्रकार के पक्षी, स्तनपायी जीव, साँप जैसे रेगने वाले जन्तु तथा अपृष्ठ वंशी जीव निवास करते हैं।

23. लवणता के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

- (a) लवणता सीधे वर्षण से सम्बन्धित है।  
(b) वर्षण की दर तथा लवणता के बीच प्रत्यक्ष सम्बन्ध है।  
(c) नदी के मुहाने के समीप निम्न लवणता पाई जाती है।  
(d) उष्णकटिबंध में लवणता अधिकतम होती है और ध्रुव तथा भूमध्य रेखा की ओर कम हो जाती है।

उत्तर (a)

**व्याख्या :** जिन क्षेत्रों में वर्षा की मात्रा अधिक होती है उन क्षेत्रों में लवणता कम पायी जाती है तथा जिन क्षेत्रों में वर्षा की मात्रा कम होती है उन क्षेत्रों में लवणता अधिक पायी जाती है। अतः लवणता सीधे वर्षण से संबंधित नहीं है। वाष्पीकरण अधिक होने से महासागरों के जल में खारापन बढ़ जाता है क्योंकि वाष्पीकरण से समुद्रों का बहुत सा जल वाष्प बन कर उड़ जाता है जिससे शेष जल में लवणों की मात्रा अधिक रहती है। गर्म तथा शुष्क हवाओं के कारण वाष्पीकरण अधिक होता है अतः गर्म शुष्क हवाओं वाले सागरों में खारापन अधिक पाया जाता है। नदियों के मुहाने वाले स्थान पर लवणता कम पायी जाती है। अतः विकल्प (a) सही नहीं है।

24. सागरीय धाराओं का उद्भव किससे सम्बन्धित है?

- (a) गुरुत्वीय बल (b) हवाएँ  
(c) लवणता तथा घनत्व (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (d)

**व्याख्या :** महासागरीय धाराओं का उद्भव तापमान, गुरुत्वीय बल, लवणता, घनत्व, प्रचलित तथा सनातनी हवाएँ, वाष्पीकरण तथा वर्षा से सम्बन्धित है। सागरों में जल के निश्चित दिशा में प्रवाहित होने की गति को धाराएँ कहते हैं।

25. शेफर किसके पक्ष में थे?

- (a) अपवादवाद (b) भावचित्रण  
(c) क्षेत्रीय विभेदन (d) वैज्ञानिक सामान्यीकरण

उत्तर (d)

**व्याख्या :** शेफर वैज्ञानिक सामान्यीकरण के पक्ष में थे। अमेरिकन भूगोलवेत्ता फ्रेड शेफर के अनुसार भूगोल के अपने नियम सिद्धान्त होते हैं। शेफर ने कहा कि क्रमबद्ध विज्ञानों के विद्यार्थियों की भाँति भूगोल के अध्येताओं को भी सामान्यीकरण तथा सामान्य सिद्धान्तों के प्रतिपादन पर अधिक ध्यान देना चाहिए। अतः ये नियम प्रतिपादक भूगोलवेत्ता कहे जाते हैं। उनकी पुस्तक निम्न है।

26. निम्नलिखित में से कौन सा सिद्धान्त तार्किक प्रत्यक्षवाद से सम्बन्धित नहीं है?

- (a) कार्य-कारण का सिद्धान्त (b) संरचनावाद  
(c) व्यवहारवाद (d) प्रकार्यवाद

उत्तर (c)

**व्याख्या :** व्यवहारवाद का सिद्धान्त तार्किक प्रत्यक्षवाद से सम्बन्धित नहीं है। व्यवहारवाद का जन्म मात्रात्मक क्रान्ति तथा प्रत्यक्षवाद के प्रति असन्तोष के फलस्वरूप हुआ। व्यवहारवाद की संकल्पना का प्रादुर्भाव 1951 में ही विलियम किर्क ने किया था। कार्य-कारण का सिद्धान्त, संरचनावाद तथा प्रकार्यवाद का सम्बन्ध प्रत्यक्षवाद से है।

27. निम्नलिखित में से कौन सा सही सुमेलित नहीं है?

- | लेखक             | पुस्तक                                  |
|------------------|---|
| (a) विलियम बूंगी | : थियोरिटिकल जियोग्राफी                 |
| (b) डेविड हारवे  | : सोशल वेल बीइंग : ए स्पेशल पर्सपेक्टिव |
| (c) डेविड स्मिथ  | : ह्यूमेन जियोग्राफी ए वेलफेयर एप्रोच   |
| (c) आर. पीट      | : मॉडर्न जियोग्राफिकल थॉट               |

उत्तर (b)



**व्याख्या:** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार है-  
**(लेखक) (पुस्तक)**  
 विलियम बुंगी : थियोरिटिकल जियोग्राफी  
 पाल नाक्स : सोशल वेल बीइंग : ए स्पेशल पर्सपेक्टिव  
 डेविड स्मिथ : ह्यूमेन जियोग्राफी ए वेलफेयर एप्रोच  
 आर. पीट : मॉडर्न जियोग्राफिकल थॉट  
 डेविड हार्वे: एक्सप्लानेशन इन जिओग्राफी  
 अतः विकल्प (b) सही सुमेलित नहीं है।

28. "मिश्र नील नदी का उपहार है" यह कथन किसका माना जाता है?

- (a) अरस्तू (b) हेरोडोटस (c) स्ट्राबो (d) सेनेका  
 उत्तर (b)

**व्याख्या :** हेरोडोटस ने मिश्र को नील नदी का उपहार बताया। इन्होंने सर्वप्रथम डेल्टा शब्द को दिया। इन्होंने इतिहास का पिता कहा जाता है। हेरोडोटस विश्व भूखण्ड को तीन महाद्वीपों यूरोप एशिया तथा लीबिया में विभाजित किया।

29. निम्नलिखित में से किसने यह दलील दी है कि इतिहास का भौगोलिक रूप से अध्ययन किया जाए और भूगोल को ऐतिहासिक रूप से पढ़ा जाए?

- (a) होमर (b) थेल्स (c) हिकेटियस (d) हेरोडोटस  
 उत्तर (d)

**व्याख्या :** हेरोडोटस ने यह दलील दी है कि इतिहास का भौगोलिक रूप से अध्ययन किया जाए और भूगोल को ऐतिहासिक रूप से पढ़ा जाए। यूनानी भूगोलवेत्ता होमर ने 900 ई. पूर्व में इलियड तथा ओडिसी नामक महाकाव्य लिखे। होमर ने चार दिशाओं से आने वाली पवनों का उल्लेख किया जिनका निम्न नाम है- बोरस, नोट्स, ह्यूरस तथा जैफरस।

**थेल्स** को गणितिय भूगोल का संस्थापक माना जाता है।  
**हिकेटियस** की प्रमुख पुस्तक जस पीरियोडस है इनको भूगोल का पिता कहा जाता है।

30. निम्नलिखित अरबी विद्वानों में से किसने टॉलमी की पुस्तक में सुधार किए हैं?

- (a) अल - मसूदी (b) अल - इद्रिसी  
 (c) इब्न - खलदून (d) इब्न - बतूता  
 उत्तर (b)

**व्याख्या :** अल-इद्रिसी ने टॉलमी की पुस्तक में सुधार किया। इन्होंने एक पुस्तक लिखी जिसका शीर्षक था- 'विश्व भ्रमण के इच्छुकों के लिए मनोरंजन'। इन्होंने विश्व का मानचित्र भी बनाया था। अल-मसूदी ने विश्व को 14 जलवायु प्रदेशों में विभक्त किया था। इनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'किताब- मुराज-अल-दहाब' है। इब्नबतूता 'रिहलाह' नामक पुस्तक लिखी थी जिसमें अनेक इस्लामिक (मुस्लिम) देशों की मिट्टियों, कृषि अर्थव्यवस्था, राजनीतिक इतिहास आदि का वर्णन किया गया है।

31. मात्रात्मक क्रांति का दार्शनिक आधार निम्नलिखित में से क्या है?

- (a) अस्तित्ववाद (b) आदर्शवाद  
 (c) घटनाक्रम वर्णन (d) प्रत्यक्षवाद  
 उत्तर (d)

**व्याख्या :** मात्रात्मक क्रांति का दार्शनिक आधार प्रत्यक्षवाद है। 1820 के दशक में फ्रांसीसी दार्शनिक आगस्त काम्टे ने प्रत्यक्षवाद का प्रतिपादन किया था। इसके अनुसार वास्तविक ज्ञान वैज्ञानिक होता है तथा तथ्यों एवं अनुभव पर आधारित होता है। जिसे दृष्ट तथ्यों एवं वैज्ञानिक रूप से सत्यापित तथ्यों के द्वारा पूर्णतः प्रदर्शित किया जा सकता है। मात्रात्मक क्रांति के परिणाम स्वरूप भौगोलिक अध्ययनों में यथार्थपरक एवं वस्तुनिष्ठ वर्णन तथा विश्लेषण का व्यापक रूप से प्रयोग किया जाने लगा।

32. प्रतिमान (पैराडाइम) की अवधारण का प्रतिपादन किसने किया है?

- (a) कांट (b) पीट (c) कुहन (d) हैगेट  
 उत्तर (c)

**व्याख्या :** प्रतिमान (पैराडाइम) की अवधारणा का प्रतिपादन कुहन ने किया है। चिन्तनफलक या प्रतिमान (पैराडाइम) शब्दावली सामाजिक विज्ञानों के लिए नयी नहीं है किन्तु एक गतिशील संकल्पना के रूप में इसको विकसित करने का श्रेय थामस कुहन को जाता है जिन्होंने 1962 में प्रकाशित अपनी प्रतिष्ठित पुस्तक 'वैज्ञानिक क्रान्तियों की संरचना' में इसकी विस्तृत व्याख्या की है। कुहन ने इस पुस्तक के द्वितीय संस्करण (1970) में पैराडाइम को इस प्रकार परिभाषित किया है - "पैराडाइम विश्वासों, मूल्यों, तकनीकों आदि का पूर्ण पुंज है जिसमें किसी प्रदत्त समुदाय के सदस्यों की भागीदारी होती है।"

33. निम्नलिखित में से कौन ज्ञान के सभी पहलुओं को समाविष्ट करने वाला 'सार्वभौमिक विज्ञान' विकसित करना चाहते थे?

- (a) हम्बोल्ट (b) रिडर (c) रेक्लूस (d) गुयॉट  
 उत्तर (a)

**व्याख्या :** ज्ञान के सभी पहलुओं को समाविष्ट करने वाला सार्वभौमिक विज्ञान हम्बोल्ट विकसित करना चाहते थे। हम्बोल्ट की मृत्यु के पश्चात 1862 ई. में कासमॉस का प्रकाशन किया जिसमें उनकी यात्राओं का विस्तृत वर्णन है। कार्ल रिटर जर्मनी के महान भूगोलवेत्ता और हम्बोल्ट के समकालीन थे। हम्बोल्ट के साथ कार्ल रिटर को भी आधुनिक भूगोल का संस्थापक माना जाता है। इनकी प्रसिद्ध पुस्तक अर्डकुण्डे (Erdkunde) है।

34. निम्नलिखित भूगोलवेत्ताओं में से किसने मानव केन्द्रित भूगोल पर बल दिया?

- (a) डब्लू. एच. डेविस (b) जैफरसन  
 (c) सेम्पुल (d) हंटिंगटन  
 उत्तर (b)

**व्याख्या :** जैफरसन ने मानव केन्द्रित भूगोल पर बल दिया। उन्होंने भौगोलिक चिन्तन का केन्द्र 'मानव और पृथ्वी' नहीं बल्कि 'पृथ्वी पर मानव' होना चाहिए। उनका मानना था, कि भूगोल का अध्ययन मानव केन्द्रित होना चाहिए न कि प्रकृति केन्द्रित। जैफरसन सम्भववादी विचार धारा के समर्थक थे।

**एलेन चर्चिल सेम्पुल (1863-1932)** निश्चयवादी विचार धारा की समर्थक थी। इनकी प्रमुख पुस्तकें निम्न हैं-1. अमेरिका का इतिहास तथा इसकी भौगोलिक दशाएँ

2. भौगोलिक वातावरण के प्रभाव

3. भूमध्यसागरीय प्रदेश का भूगोल : इसका प्राचीन इतिहास से संबंध

35. मानसिक मानचित्र की अवधारणा किसने प्रतिपादित की है?

- (a) डाऊनस एवं स्टी (b) गोल्ड एवं व्हाइट  
(c) सारिनेन (d) बोर्लिंग एवं हैगर स्ट्रैंड  
उत्तर (b)

**व्याख्या :** मानसिक मानचित्र की अवधारणा गोल्ड तथा व्हाइट ने दी थी। गोल्ड के अनुसार मानव का स्थानिक व्यवहार उसके मानसिक मानचित्र के द्वारा क्रियात्मक रूप में होता है। जिसे वह निर्मित करता है। पृथ्वी पर उपलब्ध सभी स्थलरूपों, प्रक्रियाओं इत्यादि के लिए मानव द्वारा निर्मित मानसिक मानचित्र ही उत्तरदायी है।

36. द्वितीय जनसांख्यिकीय संक्रमण की अवधारणा किसने प्रारम्भ की ?

- (a) वेन डी का (b) लेसथैघ  
(c) कोलमैन (d) फिट्जजेराल्ड  
उत्तर (a)

**व्याख्या :** द्वितीय जनसांख्यिकीय संक्रमण की अवधारणा वेन डी का ने प्रारम्भ की। जनांकिकीय संक्रमण संकल्पना का मूल रूप में प्रतिपादन डब्ल्यू एस. थामसन (1929) एवं एम.डब्ल्यू. नोटस्टीन (1945) द्वारा किया गया था। इस सिद्धांत में प्रत्येक देश की जनसंख्या में वृद्धि क्रमिक चरणों में होती है और सभी को चार अवस्थाओं से गुजरना पड़ता है। प्रथम अवस्था में जन्मदर और मृत्युदर दोनों ही उच्च अवस्था में पायी जाती है जबकि द्वितीय अवस्था में जन्मदर उच्च तथा मृत्युदर कम हो जाती है।

37. आयु-विशेष प्रजननदर किस आयु-समूह में अधिकतम होती है:

- (a) 20-24 वर्ष (b) 25-29 वर्ष  
(c) 30-34 वर्ष (d) 35-39 वर्ष  
उत्तर (a)

**व्याख्या :** आयु विशेष प्रजनन दर 20-24 वर्ष आयु समूह में अधिकतम होती है। 1971 के बाद प्रजनन आयु वर्ग में पुरुषों तथा स्त्रियों का प्रतिशत संख्या में काफी वृद्धि हुयी है। प्रजननशीलता का अभिप्राय किसी स्त्री या उनके समूह के द्वारा किसी निश्चित समयवधि में कुल सजीव जन्में बच्चों की वास्तविक संख्या से है।

38. भारत में ग्रामीण से नगर प्रवास के लिये निम्नलिखित में से मुख्य कारण क्या है?

- (a) विवाह (b) शिक्षा  
(c) परिवार स्थानांतरण (d) रोजगार  
उत्तर (d)

**व्याख्या :** ग्राम से नगर प्रवास के लिए रोजगार प्रमुख कारक है। उच्च शिक्षा तथा तकनीकी प्रशिक्षण के लिए बड़ी संख्या में विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्रों से नगर के लिए प्रति वर्ष प्रवास करते हैं। इसी प्रकार शिक्षित तथा प्रशिक्षित युवक ही नहीं बल्कि अकुशल व्यक्ति भी रोजगार की खोज में नगर को जाते हैं।

39. किसने दलील दी कि बहु केन्द्र या केन्द्र (नाभिक) नगरीय विकास के लिये जिम्मेदार थे?

- (a) हैरिस एवं उलमान (b) होयट  
(c) पार्क एवं बर्गेंस (d) नेलसन  
उत्तर (a)

**व्याख्या :** बहुकेन्द्र या केन्द्र के लिए हैरिस तथा उलमान जिम्मेदार थे। जिन्होंने 1945 के अपने सम्मिलित लेख 'द नेचर आफ सिटीज' में इस सिद्धान्त को प्रस्तुत किया। होयट ने खण्डीय सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। होयट के अनुसार आवासीय भू उपयोग आवागमन मार्गों के सहारे नगर के केन्द्र से सभी दिशाओं की तरफ फैलते हुए खण्डों के रूप में विकसित होते हैं।

40. राज्य में वाणिज्यिक, औद्योगिक, शैक्षिक तथा राजनीतिक गतिविधियों के सम्बन्ध में सबसे बड़ा तथा सर्वाधिक प्रभावी नगर जाना जाता है:

- (a) नगर क्षेत्र (b) नगरीय क्षेत्र  
(c) प्रमुख नगर (d) नेक्रोपोलिस  
उत्तर (c)

**व्याख्या :** राज्य में वाणिज्यिक, औद्योगिक, शैक्षिक तथा राजनीतिक गतिविधियों के सम्बन्ध में सबसे बड़ा तथा सर्वाधिक प्रभावी नगर के तौर पर प्रमुख नगर को जाना जाता है। प्रमुख नगर का नियम मार्क जैफरसन ने 1939 में प्रस्तुत किया। इन्होंने Low of the primate city नामक अपने अध्ययन में 51 चयनित देशों के प्रमुख नगरों तथा द्वितीय वर्ग के नगरों के बीच उपस्थित सम्बन्धों का परीक्षण किया।

41. बर्गेंस मॉडल में भूमि उपयोग के निम्नलिखित अनुक्रमों में से कौन सा सही है?

- (a) केन्द्रीय व्यापार क्षेत्र, कर्मकार आवास क्षेत्र, कम्प्यूटर (अभिगमक) क्षेत्र, बेहतर आवास क्षेत्र  
(b) केन्द्रीय व्यापार क्षेत्र, बेहतर आवास क्षेत्र, कर्मकार आवास क्षेत्र, कम्प्यूटर क्षेत्र  
(c) केन्द्रीय व्यापार क्षेत्र, कर्मकार आवास क्षेत्र, बेहतर आवास क्षेत्र, कम्प्यूटर क्षेत्र  
(d) केन्द्रीय व्यापार क्षेत्र, बेहतर आवास क्षेत्र, कम्प्यूटर क्षेत्र, कर्मकार गृह क्षेत्र  
उत्तर (c)

**व्याख्या :** शिकागो के समाजशास्त्रीय बर्गेंस ने 1925 में संकेन्द्रीय पेटी सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। बर्गेंस ने अपने सिद्धान्त में नगर की अन्तरिक संरचना को निम्न पाँच संकेन्द्रीय पेटियों के रूप में विकसित किया-

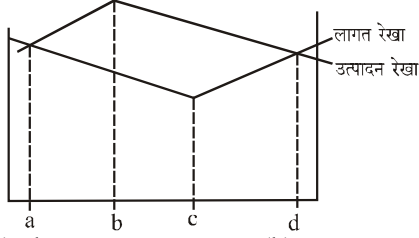
1. केन्द्रीय व्यापार क्षेत्र यह नगर के केन्द्र का प्रमुख वाणिज्य यातायात और सामाजिक जीवन केन्द्र है।
2. संक्रमणीय पेटी केन्द्रीय व्यापारिक क्षेत्र को घेरते हुए बाहर की ओर आवासीय गिरावट का क्षेत्र
3. स्वतन्त्र कार्यशील व्यक्तियों के आवास के गृहपेटी इनमें नगर की फैक्ट्री आदि में काम करने वालों के निवास होते हैं।
4. अच्छे आवासों की पेटी इनमें रहने वाले छोटे व्यापारी, पेशेवर लोग, क्लर्क आदि रहते हैं।
5. अधिगमनकर्ताओं की पेटी यह उपनगरीय कस्बे एवं अर्द्धनगरीय दोनों की पेटी।

42. यदि 1 से.मी. त्रिज्या का वृत्त एक लाख जनसंख्या निरूपित करता है, तो 4 लाख जनसंख्या निरूपित करने वाले वृत्त की त्रिज्या क्या होगी ?

- (a) 1 cm (b) 2 cm (c) 4 cm (d) 16 cm  
उत्तर (b)

**व्याख्या:** यदि 1 सेमी. त्रिज्या का वृत्त एक लाख जनसंख्या निरूपित करता है, तो 4 लाख जनसंख्या निरूपित करने वाले वृत्त की त्रिज्या 2 सेमी होगी।

43. औद्योगिक भूदृश्य के नीचे दिये गये रेखाचित्र में कौन सी बाजार अवस्थिति इष्टतम है?



- (a) b (b) c  
(c) a (d) d

उत्तर (b)

**व्याख्या :** औद्योगिक भूदृश्य के नीचे दिये गये रेखाचित्र में लागत रेखा (c) की बाजार अवस्थिति इष्टतम होगी।

44. स्थानांतरी खेती की अनिवार्य विशेषता क्या है?

- (a) फसलों की सघनता (b) खेतों का चक्र  
(c) एकल फसल (d) दोहारी फसल

उत्तर (b)

**व्याख्या :** स्थानांतरी खेती (कृषि) में किसान अपने खेतों का चक्रण तथा निवास स्थान को बराबर बदलता रहता है। मक्का, ज्वार, बाजरा, धान इसकी प्रमुख खाद्य फसलें हैं। इसमें किसान वनों को साफ करके खेत बनाते हैं तथा कुछ दिनों बाद उस स्थान को छोड़कर दूसरी जगह यही करते हैं इस कृषि में उपज बहुत कम होती है अतः किसान आखेट, वन तथा संग्रहण आदि के माध्यम से जीवन यापन करते हैं।

45. स्वतन्त्र उद्योग वह होते हैं जिनके लिये

- (a) परिवहन लागत तुलनात्मक रूप से महत्वहीन होती है।  
(b) परिवहन लागत बहुत महत्वपूर्ण है।  
(c) आस-पास कच्चे माल की उपस्थिति आवश्यक है।  
(d) उपर्युक्त सभी आवश्यक हैं।

उत्तर (a)

**व्याख्या :** स्वतन्त्र उद्योग वह होते हैं जिनके लिए परिवहन लागत तुलनात्मक रूप से महत्वहीन होती है। स्वतंत्र उद्योग व्यापक विविधता वाले स्थानों में स्थित होते हैं। यह किसी विशिष्ट कच्चे माल जिनके भार में कमी हो रही है अथवा नहीं, पर निर्भर नहीं रहते हैं। यह उद्योग संघटक पुरजों पर निर्भर रहते हैं जो कहीं से भी प्राप्त किए जा सकते हैं। इसमें उत्पादन कम मात्रा में होता है, एवं श्रमिकों की भी कम आवश्यकता होती है।

46. सूची- I को सूची- II के साथ सुमेलित कीजिये और नीचे दिये कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिये:

सही उत्तर का चयन कीजिये:

सूची- I	सूची- II
(A) मलेशिया	(1). कॉफी
(B) ब्राजील	(2). चीनी
(C) क्यूबा	(3). अनानास
(D) हवाई	(4). रबड़

कूट :

A	B	C	D
(a) (2)	(3)	(4)	(1)
(b) (1)	(2)	(3)	(4)
(c) (4)	(1)	(3)	(2)
(d) (4)	(3)	(2)	(1)

उत्तर (c)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार है-

सूची- I	सूची- II
मलेशिया -	रबड़
ब्राजील -	कॉफी
क्यूबा -	चीनी
हवाई -	अनानास

अतः विकल्प (c) सही सुमेलित है।

47. कुल्टी, बर्नपुर तथा हीरापुर में लौह एवं इस्पात संयंत्रों को एक में सुमेलित किया गया है

जिसका नाम है:

- (a) टाटा लौह एवं इस्पात कम्पनी  
(b) भारतीय लौह एवं इस्पात कम्पनी  
(c) बंगाल आयरन वर्क्स  
(d) मैसूर आयरन वर्क्स

उत्तर (b)

**व्याख्या :** बंगाल में हीरापुर, कुल्टी व बर्नपुर भारतीय लौह इस्पात कम्पनी के अधीन तीन संयंत्र हैं। हीरापुर में पिग आयरन, कच्चा लोहा, कुल्टी में इस्पात तथा बर्नपुर में चादरें बनाने का संयंत्र स्थापित है। भारतीय लौह एवं इस्पात कम्पनी को झरिया से कोयला व दामोदर घाटी निगम से जल विद्युत की प्राप्ति होती है। लोहा अयस्क सिंहभूम जिले के गुआ की खानों से तथा मैगनीज ओडिशा की खानों से प्राप्त होता है।

48. धान का उत्पादन करने वाले क्षेत्रों सम्बन्धित है:

- (a) अल्प जनसंख्या घनत्व से  
(b) सामान्य जनसंख्या घनत्व से  
(c) अधिक जनसंख्या घनत्व से  
(d) उपर्युक्त में से किसी से भी नहीं

उत्तर (c)

**व्याख्या :** धान का उत्पादन अधिक जनसंख्या घनत्व से सम्बन्धित है। चावल (धान) एक उष्ण आर्द्र कटिबंधीय फसल है जो विभिन्न जलवायु प्रदेशों में उगाई जाती है। जिसे उगाने के लिए उच्च तापमान (25°C से ऊपर) और अधिक आर्द्रता (100 सेमी. से अधिक वर्षा) की आवश्यकता होती है। कम वर्षा वाले क्षेत्रों में इसे सिंचाई करके उगाया जाता है। अन्तर्राष्ट्रीय चावल अनुसन्धान केन्द्र मनीला (फिलीपीन्स) में है।

49. सूची I को सूची II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें -

सूची-I	सूची-II
(नगरीकरण की अवस्था)	(स्पष्टीकरण)
(A) नगरीकरण	(i) कुछ अधिवास आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की लागत पर विकसित होते हैं।

- (B) उपनगरीकरण (ii) अभिगमक (कम्प्यूटर) पट्टी नगरी मूल (या सारभाग) की लागत पर विकसित हाती है।
- (C) विनगरीकरण (iii) सारभाग में जनसंख्या हानि की दर क्रमशः कम होती है या सारभाग में जनसंख्या बढ़ने लगती है।
- (D) पुनर्नगरीकरण (iv) नगरी सारभाग में जनसंख्या हानि कम्प्यूटर पट्टी के जनसंख्या लाभ से अधिक होती है।

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

उत्तर (b)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार है-

सूची -I	सूची -II
नगरीकरण की अवस्था नगरीकरण	स्पष्टीकरण कुछ अधिवास आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों की लागत पर विकसित होते हैं।
उपनगरीकरण	अभिगमन (कम्प्यूटर पट्टी नगरीय मूल (या सारभाग) की लागत पर विकसित होती है।
विनगरीकरण	नगरीय सारभाग में जनसंख्या हानि कम्प्यूटर पट्टी के जनसंख्या लाभ से अधिक होती है।
पुनर्नगरीकरण	सारभाग में जनसंख्या हानि की दर क्रमशः कम होती है या सारभाग में जनसंख्या बढ़ने लगती है।

अतः विकल्प (b) सही सुमेलित है।

50. प्रवास के परिणामों के बारे में कौन सा कथन सही है?

- (a) प्रवास के फलस्वरूप, प्रवास की प्रक्रिया से जुड़े दो क्षेत्रों का जनसंख्या-संसाधन सम्बन्ध काफी बदल जाता है।
- (b) ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय औद्योगिक क्षेत्रों को प्रवासित करने वाले लोग खुली जगह, ताजी हवा और उत्तम आवासगृह के अभाव में कष्ट भोगते हैं।
- (c) नव क्षेत्रों में उत्प्रावासियों की आहार आदतें भी बदल जाती हैं।
- (d) उपर्युक्त सभी ।

उत्तर (d)

**व्याख्या :** प्रवास के फलस्वरूप, प्रवास की प्रक्रिया से जुड़े दो क्षेत्रों का जनसंख्या-संसाधन संबंध काफी बदल जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय औद्योगिक क्षेत्रों को प्रवासित करने वाले लोग खुली जगह, ताजी हवा और उत्तम आवासगृह के अभाव में कष्ट भोगते हैं।

नव क्षेत्रों में उत्प्रावासियों की आहार आदतें भी बदल जाती हैं। प्राणी प्रवास, एक स्थान से दूसरे स्थान को चले जाने से अर्थ लगाया जाता है। जैसे गाँव से शहर को प्रवास करना। उपर्युक्त प्रवास के परिणामों के बारे में सभी कथन सही हैं।

51. अर्थव्यवस्था के अनौपचारिक खण्ड निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है?

- (a) पूँजीवादी प्रकार की अर्थव्यवस्था
- (b) बाजार किस्म की अर्थव्यवस्था
- (c) गतिमान तथा टिकाऊ (या स्थाई) आय
- (d) स्थाई तथा उत्पादक प्रतिष्ठान

उत्तर (b)

**व्याख्या :** अर्थव्यवस्था के अनौपचारिक खण्ड बाजार किस्म की अर्थव्यवस्था से सम्बन्धित है। ध्यातव्य है कि अनौपचारिक अर्थव्यवस्था के आशय ऐसी अर्थव्यवस्था से है जिसमें पूरे असंगठित क्षेत्र के उद्यम, कृषि, स्वरोजगार, ग्रामीण मजदूर, कारीगर विभिन्न पेशेवर कर्मी अनगिनत अनियत काम करने वाले लोग आते हैं।

52. निम्नलिखित में से क्या अर्थव्यवस्था के अनौपचारिक क्षेत्र से सम्बन्धित नहीं है?

- (a) अर्थव्यवस्था का बाजार प्रकार
- (b) अकुशल/अर्द्ध कुशल श्रम शक्ति
- (c) अस्थायी तथा अस्थिर आय
- (d) पूँजीवादी अर्थव्यवस्था

उत्तर (d)

**व्याख्या :** पूँजीवादी अर्थव्यवस्था अनौपचारिक क्षेत्र से सम्बन्धित नहीं है जबकि अर्थव्यवस्था का बाजार प्रकार, अकुशल/ अर्द्ध कुशल श्रम शक्ति, अस्थायी तथा अस्थिर आय अर्थव्यवस्था के अनौपचारिक क्षेत्र से संबंधित है। अनौपचारिक अर्थव्यवस्था का क्षेत्र बहुत व्यापक है जिसमें कृषि मजदूर से लेकर पटरी पर बैठने वाले व्यवसायी, घरेलू नौकर, साइकिल व पैदल फेरी लगाने वाले तक सभी सम्मिलित हैं।

53. नगरीय विकास के संदर्भ में प्राथमिकता का सिद्धान्त उन देशों के लिये सर्वाधिक प्रासंगिक है जिसका:

- (a) तुलनात्मक रूप से सरल अर्थव्यवस्था और स्थानिक ढाँचा सरल है।
- (b) जटिल अर्थव्यवस्था है।
- (c) एकीकृत-स्थानिक ढाँचा है।
- (d) परिपक्व अर्थव्यवस्था है।

उत्तर (a)

**व्याख्या :** नगरीय विकास के संदर्भ में प्राथमिकता का सिद्धान्त उन देशों के लिए सर्वाधिक प्रासंगिक है जिनकी तुलनात्मक रूप से सरल अर्थव्यवस्था और सरल स्थानिक ढाँचा है। नगरीय विकास एक चक्रीय प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत नगर उत्पत्ति से लेकर आगामी समयों में विभिन्न अवस्थाओं से गुर्ता हुआ अपनी अंतिम स्थिति को प्राप्त करता है।

54. गोंडों का मुख्य- व्यवसाय है:

- (a) भोजन एकत्र करना
- (b) वानिकी
- (c) आखेट
- (d) खेती

उत्तर (d)

**व्याख्या:** गोंडों का मुख्य व्यवसाय कृषि है। पहले गोंडों का मुख्य व्यवसाय आखेट करना और मछली पकड़ना था किन्तु वन्य जीव के संरक्षण के लिए कानून लागू हो जाने तथा वनों को संरक्षित और आरक्षित कर दिये जाने के बाद गोंड लोग मुख्यतः कृषि करके जीवन यापन करते हैं। गोंड बड़ी संख्या में खेती में मजदूरी तथा खानों एवं सरकारी निर्माण कार्यों में काम करने लगे हैं। अधिकांश गोंडों का प्रमुख व्यवसाय कृषि है। ये लोग स्थानांतरणशील और स्थायी दोनों प्रकार की कृषि करते हैं। गोंड कृषि के साथ ही पशुपालन भी करते हैं।

**निवास स्थान-** मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा।

**उद्यम-** कृषि, आखेट, पशुचरण

**उपकरण-** औजार बहुत ही साधारण तथा भदे किस्म के होते हैं।

**पशु बलियाँ-** ये लोग देवी देवताओं को प्रसन्न करने के लिए भेड़ बकरियों की बलियाँ देते हैं। ऐसा करने से ये लोग समझते हैं कि खेत की पैदावार कई गुना होगी।

55. क्षेत्रीय विस्तार की दृष्टि से कौन सबसे बड़ा है?

- (a) सांस्कृतिक परिमण्डल (b) सांस्कृतिक क्षेत्र  
(c) सांस्कृतिक भू-आकृति (d) सांस्कृतिक बिन्दु  
उत्तर (a)

**व्याख्या :** क्षेत्रीय विस्तार की दृष्टि से सांस्कृतिक परिमण्डल सबसे बड़ा है। परिमण्डल शब्द आंग्ल भाषा के 'Realm' शब्द का हिन्दी रूपान्तर है जिनका शाब्दिक अर्थ प्रभाव क्षेत्र (Domain), क्षेत्र (Province), और राज्य (Kingdom)। इस प्रकार प्रधान सांस्कृतिक केन्द्र के चारों ओर व्याप्त वह क्षेत्र जिसके अन्तर्गत किसी एक या एक से अधिक सांस्कृतिक तत्वों की स्थूल समांगता पायी जाती है, सांस्कृतिक परिमण्डल कहलाता है।

56. नूतन सीमा अधिकांश स्थितियों के अंतर्गत जिन तीन अवस्थाओं के माध्यम से निर्धारित होती है उसका सही अनुक्रम बताइये :

- (a) परिसीमन, सीमांकन, नियतन  
(b) नियतन, परिसीमन, सीमांकन  
(c) सीमांकन, परिसीमन, नियतन  
(d) नियतनय, य सीमांकन, परिसीमन  
उत्तर (b)

**व्याख्या :** नूतन सीमा अधिकांश स्थितियों के अन्तर्गत नियतन परिसीमन और सीमांकन की अवस्थाओं के माध्यम से निर्धारित होती है।

57. निम्नलिखित में से कौन सामान्यतया सामाजिक कल्याण का सूचक नहीं माना जाता है?

- (a) शिशु मृत्युता (b) महिला साक्षरता  
(c) शुद्ध पेय जल की उपलब्धता  
(d) अपराध  
उत्तर (d)

**व्याख्या :** अपराध सामाजिक कल्याण का सूचक नहीं है। जबकि शिशु मृत्युता, महिला साक्षरता, शुद्ध पेय जल की उपलब्धता सामाजिक कल्याण का सूचक माना जाता है।

58. निर्यात आधारित मॉडल के समर्थक कौन थे?

- (a) अलोंसी (b) कुकलिंस्की (c) पैरू (d) नॉर्थ  
उत्तर (d)

**व्याख्या :** निर्यात आधारित मॉडल के समर्थक डगलस सी. नार्थ हैं।

59. कश्मीर की घाटी हिमालय में एक मात्र समतल पट्टी है। इस समतल मैदान को निर्मित करने के लिये किस नदी ने अपने निक्षेप जमा किये:

- (a) रावी (b) सतलुज (c) ब्यास (d) झेलम  
उत्तर (d)

**व्याख्या :** कश्मीर की घाटी हिमालय में एक मात्र समतल पट्टी है। इस समतल मैदान को निर्मित करने के लिए झेलम नदी ने अपने निक्षेप जमा किए हैं। झेलम नदी बेरीनाग से स्थित शेषनाग झील से निकलकर वूलर झील में मिल जाती है। पुनः हिमालय तथा पीरपंजाल के बीच से प्रवाहित होते हुए पाकिस्तान में चेनाब में संगम करती है। कश्मीर में इस नदी के माध्यम से परिवहन तथा व्यापार होता है।

60. भारत के किस राज्य में स्त्रियों की संख्या पुरुषों से अधिक है?

- (a) उत्तरप्रदेश (b) कर्नाटक  
(c) हरियाणा (d) केरल  
उत्तर (d)

**व्याख्या-** भारत के केरल राज्य में स्त्रियों की संख्या पुरुषों से अधिक है। 2011 की अंतिम जनगणना के अनुसार भारत के शीर्ष पाँच लिंगानुपात वाले राज्य निम्नलिखित इस प्रकार हैं-

( राज्य )	( लिंगानुपात )
केरल	1084
तमिलनाडु	996
आन्ध्रप्रदेश	993
छत्तीसगढ़	991
मेघालय	989

61. जनगणना-2011 के अनुसार भारत के कौन से राज्य में जनसंख्या का निम्नतम घनत्व दर्ज किया गया है?

- (a) अरुणाचल प्रदेश (b) मेघालय  
(c) त्रिपुरा (d) मणिपुर  
उत्तर (a)

**व्याख्या:** : जनगणना-2011 के अनुसार भारत के अरुणाचल प्रदेश में जनसंख्या का निम्नतम घनत्व दर्ज किया गया है। 2011 की जनसंख्या के अनुसार भारत में न्यूनतम पाँच जनघनत्व वाले राज्य निम्नलिखित प्रकार हैं-

( राज्य )	( जनघनत्व प्रतिवर्ग किमी. )
अरुणाचल प्रदेश	17
मिजोरम	52
सिक्किम	86
नागालैण्ड	119
हिमाचल प्रदेश	123

62. भारत में लौह-अयस्क के कुल उत्पादन का 85 प्रतिशत किन राज्यों से आता है?

- (a) झारखंड एवं ओडिशा  
(b) कर्नाटक एवं ओडिशा  
(c) बिहार एवं मध्य प्रदेश  
(d) कर्नाटक एवं आन्ध्र प्रदेश  
उत्तर (b)

**व्याख्या:** प्रश्न काल के दौरान भारत में लौह अयस्क का 85% कर्नाटक तथा ओडिशा राज्यों से प्राप्त होता था। जबकि वर्तमान में (2021-22 के अनुसार) कर्नाटक (16.90%) तथा ओडिशा (51.17%) है जो दोनों राज्यों के कुल लौह अयस्क उत्पादन का 68.07% है। कर्नाटक राज्य के प्रमुख लौह अयस्क उत्पादक क्षेत्र-बेल्लारी, चित्रदुर्ग, चिकमंगलूर, बीजापुर, धारवाड़ तथा दक्षिण कन्नड़ जनपदों से प्राप्त होता है। इनमें बेल्लारी-हास्पेट तथा कुद्रेमुख क्षेत्र विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इसमें केम्मानमुंडी के लौह अयस्क को विजयनगर के इस्पात संयंत्र में इस्तेमाल किया जाता है। ओडिशा- राज्य के प्रमुख लौह अयस्क उत्पादक क्षेत्र- मयूरभंज, गुरुमहिसानी, सुलेपात तथा बादाम पहाड़ प्रमुख क्षेत्र है।

63. 'स्वैच्छिक बन्ध्याकरण जनसंख्या नीति' किस पंचवर्षीय योजना में लागू की गई थी?

- (a) प्रथम पंचवर्षीय योजना (b) द्वितीय पंचवर्षीय योजना  
(c) तृतीय पंचवर्षीय योजना (d) चतुर्थ पंचवर्षीय योजना  
उत्तर (\*)

**व्याख्या :** जनसंख्या नियोजन संबंधित नीतियों का क्रियान्वयन तृतीय पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत किया गया। जिसके अन्तर्गत बन्ध्याकरण जनसंख्या नीति को शामिल किया गया था। पहली पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत भी जनसंख्या नियोजन का प्रयास किया गया था। 1975-77 में आपात काल में पहली बार भारत में परिवार नियोजन का बन्ध्याकारी उपागम अपनाया गया जो सर्वथा असफल रहा।

**नोट:** यूजीसी ने इस प्रश्न को विलोपित करते हुए छात्रों में समान अंक प्रदान किया है।

64. भारत के उपमहाद्वीप में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों द्वारा प्रायः प्रभावित क्षेत्र है :

- (a) गुजरात तट (b) कोरोमंडल तट  
(c) कोंकण तट (d) मलाबार तट  
उत्तर (b)

**व्याख्या :** भारत के उपमहाद्वीप द्वारा प्रायः प्रभावित क्षेत्र कोरोमंडल तट है। अयनवर्ती क्षेत्रों (30°उ.- 30°दक्षिणी आक्षांश) में उत्पन्न चक्रवातों को उष्ण कटिबंधी चक्रवात कहते हैं। ये निम्न वायुदाब वाले अभिसरणीय परिसंचरण तन्त्र होते हैं। जिनकी औसत व्यास 640 किमी. तक होती है। इनकी वायु संचरण की दिशा उत्तरी गोलार्द्ध में घड़ी के सूइयों के प्रतिकूल तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में घड़ी के सूइयों के अनुकूल होती है। ये चक्रवात कोरोमंडल तट पर भयानक विनाश उत्पन्न करते हैं।

65. निम्नलिखित में से कौन क्षेत्र अरब सागर शाखा की मानसून द्वारा प्रभावित नहीं होता है?

- (a) पश्चिमी घाट (b) दक्षिण पठार  
(c) मध्य प्रदेश (d) पंजाब का मैदान  
उत्तर (d)

**व्याख्या :** पंजाब का मैदान क्षेत्र अरब सागर शाखा की मानसून द्वारा प्रभावित नहीं होता है, यह बंगाल की खाड़ी की शाखा से प्रभावित होता है जबकि पश्चिमी घाट, दक्षिण पठार एवं मध्य प्रदेश का क्षेत्र अरब सागर शाखा की मानसून द्वारा प्रभावित होता है। अरब सागर की मानसून की उत्पत्ति अरब सागर में होती है। जब ये भारत के तट पर पहुँचती है तो तीन शाखाओं में विभाजित हो जाती है-

(क) पहली शाखा पश्चिमी घाट से टकराकर पश्चिमी तटीय मैदान में 250 सेमी. से भी अधिक वर्षा करती है। पश्चिमी घाट को पार करने के बाद जब यह नीचे उतरती है तब इनका तापमान बढ़ जाता है और इसकी आर्द्रता में कमी आ जाती है। इससे दक्षिण पठार के वृष्टि छाया क्षेत्र में बहुत कम वर्षा होती है।

यही कारण है कि इस क्षेत्र में मंगलौर में 280 सेमी. वर्षा होती है जबकि बंगलूर में केवल 50 सेमी. वर्षा होती है।

(ख) इसकी दूसरी शाखा नर्मदा तथा ताप्ती की घाटियों से होकर भारत के मध्यवर्ती क्षेत्रों में प्रवेश करती है। तट के निकट कोई रूकावट ना होने के कारण ये आन्तरिक क्षेत्रों तक वर्षा करती है। छोटा नागपुर पठार में इन पवनों के द्वारा 15 सेमी. वर्षा होती है।

(ग) इसकी तीसरी शाखा उत्तर पूर्वी दिशा में अरावली पर्वत के समान्तर जाती है। तथा हिमालय की पहाड़ियों से टकराकर पर्याप्त वर्षा करती है।

66. स्थलाकृतिक मानचित्र विशिष्ट बिन्दुओं की ऊँचाई किसके द्वारा इंगित की जाती है?

- (a) केवल स्पॉट हाइट (b) केवल बेंचमार्क  
(c) केवल त्रिभुजीकरण बिंदु (d) उपर्युक्त सभी  
उत्तर (d)

**व्याख्या :** स्थलाकृति मानचित्र पर विशिष्ट बिन्दुओं की ऊँचाई स्पॉट हाइट, बेंचमार्क एवं त्रिभुजीकरण बिन्दु, तीनों के द्वारा इंगित किया जाता है। स्थलाकृतिक मानचित्र भी साधारणतः वृहत् मापनी पर बनते हैं। स्थलाकृतिक मानचित्र परिशुद्ध सर्वेक्षणों पर आधारित होते हैं तथा मानचित्रों के रूप में विश्व के लगभग सभी देशों की राष्ट्रीय मानचित्र एजेंसी के द्वारा तैयार किए जाते हैं।

67. हिमालय का ज्यादा चौड़ा हिस्सा स्थित है:

- (a) हिमालय प्रदेश में (b) अरूणाचल प्रदेश में  
(c) जम्मू-कश्मीर में (d) नागालैंड में  
उत्तर (c)

**व्याख्या :** जम्मू-कश्मीर राज्य में हिमालय का सर्वाधिक चौड़ा हिस्सा स्थित है। जटिल भू-गर्भिक संरचना, वलित पर्वत, पूर्वगामी जल प्रवाह तथा शीतोष्ण सघन वनस्पति हिमालय प्रदेश की विशेषता है। यह पर्वतमाला सिन्धु नदी के मोड़ से प्रारम्भ होकर ब्रह्मपुत्र नदी के मोड़ तक विस्तृत है। पूर्व से पश्चिम दिशा में इसकी लम्बाई 2500 किमी. तथा चौड़ाई 160 से 400 किमी. के बीच है। इसकी औसत ऊँचाई 6000 मी. के लगभग है। यह एक नवीन वलित पर्वत है। जिसकी उत्पत्ति यूरेशिया तथा भारतीय प्लेट के अभिसरण के फलस्वरूप हुई है। अत्यधिक सम्पीडन के कारण यहाँ परतदार चट्टानें अत्यन्त मुड़ी हुई तथा भ्रंशित अवस्था में मिलती हैं।

68. भारत के निम्नलिखित क्षेत्रों में से कौन सा आर्थिक रूप से सर्वाधिक विकसित है?

- (a) उत्तर-पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र (b) पूर्वी क्षेत्र  
(c) उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र (d) केन्द्रीय क्षेत्र  
उत्तर (\*)

**व्याख्या :** भारत का पश्चिमी क्षेत्र आर्थिक रूप से सर्वाधिक विकसित श्रेणी के अन्तर्गत आता है जबकि उत्तर पश्चिमी क्षेत्र तथा केन्द्रीय क्षेत्र मध्यम विकसित श्रेणी में शामिल किया जाता है। भारत का उत्तर-पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र तथा पूर्वी क्षेत्र आर्थिक रूप से निम्न विकसित क्षेत्र है।

**नोट-** U.G.C. ने इस प्रश्न को विलोपित करते हुए छात्रों में समान रूप से अंक प्रदान किया।

69. यदि बिन्दु A समुद्र तल से 230 मी. तथा बिन्दु B 570 मी. ऊँचा है और दोनों के बीच क्षैतिज तुल्यता 2.0 कि.मी है, तो इन दोनों बिन्दुओं के बीच निम्नलिखित प्रवणताओं में से कौन सा सही है?

- (a) 0.7 प्रतिशत (b) 7.0 प्रतिशत  
(c) 17.0 प्रतिशत (d) 27.0 प्रतिशत

उत्तर (c)

**व्याख्या :** यदि बिन्दु A समुद्र तल से 230 मी. तथा बिन्दु B 570 मी. ऊँचा है और दोनों के बीच क्षैतिज तुल्यता 2.0 किमी. है, तो इन दोनों बिन्दुओं के बीच 17% प्रवणता सही है।

70. सूची- I को सूची II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें:

सूची- I	सूची- II
(A) SPOT	(1). भारत
(B) GOES	(2). फ्रांस
(C) Meteor-3	(3). रशिया
(D) INSAT	(4). यू. एस. ए.

कूट :

A	B	C	D
(a) 2	4	3	1
(b) 2	4	1	3
(c) 4	2	3	1
(d) 4	2	1	3

उत्तर (a)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार है-

सूची -I (सेटेलाइट)	सूची -II (देश)
SPOT	फ्रांस
GOES	यू.एस.ए.
Meteor-3	रशिया
INSAT	भारत

अतः विकल्प (a) सही सुमेलित है।

71. मानचित्र पर नगरीय जनसंख्या दर्शाने के लिये कौन सी तकनीक उपयुक्त नहीं है?

- (a) वृत्त (b) विभाजित वृत्त  
(c) गोला (d) हैशयूर

उत्तर (d)

**व्याख्या :** मानचित्र पर नगरीय जनसंख्या दर्शाने के लिए हैशयूर तकनीकी उपयुक्त नहीं है। जबकि वृत्त, गोला तथा विभाजित वृत्त नगरीय जनसंख्या दर्शाने के लिए उपयुक्त तकनीकी है।

72. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

- (a) समोच्च रेखी मानचित्र सममान रेखा  
(b) सममान रेखा एक समान मान की रेखाएँ हैं।  
(c) सममान रेखा तकनीक प्रशासनिक सीमाओं को हमेशा ध्यान में रखती है।  
(d) सममान रेखा तकनीक सतत आँकड़ों के लिये उपयुक्त है।

उत्तर (c)

**व्याख्या:** सममान रेखा तकनीक प्रशासनिक सीमाओं को हमेशा ध्यान में रखती है। यह कथन सत्य नहीं है। सममान रेखा एक समान मान की रेखाएँ हैं। सममान रेखा तकनीक सतत आँकड़ों के लिए उपयुक्त है। समोच्च रेखी मानचित्र सममान रेखा है। उपर्युक्त तीनों कथन सही हैं। अतः विकल्प (c) सही नहीं है।

73. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

- (1) मरूस्थल, कच्छ तथा पहाड़ी क्षेत्र जनसंख्या के नकारात्मक क्षेत्रों के रूप में जाने जाते हैं।  
(2) जनसंख्या का वितरण दर्शाने के लिये बिन्दु पद्धति श्रेष्ठ पद्धति है।  
(3) बिन्दु पद्धति को आयु तथा लिंग अनुपात दर्शाने के लिये उपयोग किया जा सकता है।  
(4) बिन्दु मानचित्र को सममान रेखा मानचित्र में स्थानांतरित नहीं किया जा सकता है।

कूट :

- (a) सिर्फ 1 और 3 सही हैं। (b) 1, 2 और 3 सही हैं।  
(c) 1, 2 और 4 सही हैं। (d) 1, 2, 3 और 4 सही हैं।

उत्तर (c)

**व्याख्या :** मरूस्थल, कच्छ तथा पहाड़ी क्षेत्र जनसंख्या के नकारात्मक क्षेत्रों के रूप में जाने जाते हैं। जनसंख्या का विवरण दर्शाने के लिए बिन्दु पद्धति श्रेष्ठ पद्धति है। बिन्दु मानचित्र को सममान रेखा मानचित्र में स्थानांतरित नहीं किया जा सकता है।

बिन्दु तकनीकी को आयु तथा लिंग अनुपात दर्शाने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता है। बिन्दु तकनीक के माध्यम से बिन्दु विशिष्ट बिन्दुओं की ऊँचाई तथा जनसंख्या का वितरण सुविधाजनकपूर्ण दर्शाया जाता है। अतः कथन 1, 2 और 4 सही हैं।

74. वितरण में असमानता दर्शाने के लिये क्या सर्वाधिक उपयुक्त है?

- (a) लॉरेंज वक्र (b) दंड आलेख  
(c) वृत्त आरेख (d) सममान रेखा

उत्तर (a)

**व्याख्या :** वितरण में असमानता को दर्शाने के लिए लॉरेंज वक्र सर्वाधिक उपयुक्त है। मैक्स लॉरेंज नामक एक प्रसिद्ध विद्वान ने किसी समंक श्रेणी के अपकिरण को आलेखी विधि के द्वारा प्रदर्शित करने के लिए सबसे पहली बार एक विशेष प्रकार का संचयी प्रतिशत वक्र बनाया था जिसे उनके नाम पर लॉरेंज वक्र की संज्ञा देते हैं।

75. आंकड़ा समुच्चय: 0, 50, 100, 100, 150, 250, 450, 500 का सही ज्यामितीय माध्य क्या है?

- (a) 125 (b) 100 (c) 200 (d) 0

उत्तर (d)

**व्याख्या :** आंकड़ा समुच्चय: 0, 50, 100, 150, 250, 450, 500 का सही ज्यामितीय माध्य 0 है।

सूत्र  $((a_1 \times a_2 \times a_3 \dots a_n)^{\frac{1}{n}})$  से

ज्यामितीय माध्य  $(0 \times 50 \times 100 \times 150 \times 250 \times 450 \times 500)^{\frac{1}{7}} = 0$

# यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर- 2012

## भूगोल

### व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. भूस्खलन से सम्बन्धित है :

- व्यष्टिक शैल खंडों की ढलुवाँ गति जो कि सामान्यतः दृष्टिगोचर नहीं होती है।
- आधार शैल या भूमिज मलबे के तुलनात्मक रूप से शुष्क पुंज को द्रुत अवगम्य संचलन (या गति)।
- जल संतृप्त शैल मलबे को धीमे से बहुत तेज गति।
- जल से संतृप्त शैल मलबे के धीमे-प्रवाही ढलुवाँ पुंज।

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** अपशिष्ट शैल (Rockwaste) के स्थानान्तरण या द्रव्यमान संचलन के सभी प्रकार के (मृदा एवं हिम सहित) सामूहिक रूप को भूस्खलन कहते हैं। भूस्खलन की तीव्रता तथा आकार भूगर्भिक संरचना, भूमि का ढाल, चट्टानों के झुकाव का कोण, चट्टानों की प्रकृति तथा मानवीय हस्तक्षेप पर निर्भर करती है। आधार शैल या भूमिज मलबे के तुलनात्मक रूप से शुष्क पुंज के तेजी से संचलन, भूस्खलन से संबंधित है।

2. निम्नलिखित में से मरुस्थल तथा देश/महाद्वीप का कौन सा युग्म नहीं है?

- अटाकामा मरुस्थल - दक्षिण अमेरिका
- गोबी मरुस्थल - केंद्रीय एशिया
- सोनोरन मरुस्थल - पश्चिम एशिया
- ग्रेट विक्टोरियन मरुस्थल - ऑस्ट्रेलिया

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** सोनोरन मरुस्थल उत्तरी अमेरिका में स्थित है न कि पश्चिम एशिया में।

20°-30° अक्षांशों के बीच महाद्वीपों के पश्चिमी किनारों पर शुष्क मरुस्थल पाए जाते हैं, क्योंकि 30°-35° अक्षांशों के बीच दोनों गोलार्द्धों में उपोष्ण वायुदाब की स्थिति पाई जाती है। इस भाग में पवन के नीचे उतरने के कारण उपोष्ण कटिबंधी प्रतिचक्रवातों का आविर्भाव होता है, जिनके पूर्वी तथा पश्चिमी भागों में पर्याप्त अंतर होता है। पूर्वी भाग में हवा के उतरने तथा तापमान के प्रतिलोपन के कारण वायुदाब में स्थिरता तथा शुष्कता आ जाती है। इन प्रतिचक्रवातों का पूर्वी भाग महाद्वीपों के पश्चिमी तथा महासागरों के पूर्वी भाग के ऊपर होते हैं। अतः यहाँ मरुस्थल का विकास होता है।

विश्व के कुछ प्रमुख मरुस्थल निम्नलिखित हैं-

ऑस्ट्रेलिया - ग्रेट विक्टोरिया, सिम्पसन, गिब्सन, ग्रेट सैंडी।

मंगोलिया एवं चीन की सीमा पर - गोबी मरुस्थल

वोल्सवाना - कालाहारी मरुस्थल

चीन - तकला मकान मरुस्थल

उत्तरी चिली (द० अमेरिका) - अटाकामा मरुस्थल।

3. अंतःसमुद्री केनियन के उद्भव के पंकिल धारा सिद्धान्त के प्रतिपादकों में से एक निम्नलिखित थे :

- डैली
- डाना
- सैलिस
- ग्रेगरी

उत्तर-(a)

**व्याख्या :** अंतःसमुद्री केनियन के उद्भव के पंकिल धारा सिद्धान्त के प्रतिपादक डैली हैं। पंक तरंग सिद्धान्त (Turbidity Current Theory) के अनुसार तट की ओर चलने वाली तीव्र हवा के कारण तट के पास अपार जलराशि एकत्र हो जाती है, जिसमें पंक मिली होती है। तट के पास अत्यधिक जलराशि के कारण सागर की ओर अतःसागरीय तरंगें चलने लगती हैं। इस तरंग को पंक तरंग कहते हैं। इस तरंगों द्वारा ही अंतःसागरीय कंदराओं का निर्माण होता है। डेली के अनुसार हिमानीकरण के समय सागर तल में गिरावट के कारण मग्नतट के पदार्थों का सागरीय तरंगों द्वारा अपरदन होता है। परिणामस्वरूप सागरीय जल का गंदलापन बढ़ता जाता है तथा उनका घनत्व अधिक हो जाता है, जिस कारण सागरोन्मुख पंक तरंग का आविर्भाव होता है। ये तरंगें मग्नतट तथा मग्नढाल पर अपरदन द्वारा केनियन का निर्माण करती हैं।

प्रसिद्ध अमेरिकी विद्वान डेली ने सन् 1915 ई. में प्रवाल भित्ति से सम्बन्धित महाद्वीपीय फिसलन सिद्धान्त का प्रतिपादन किया।

4. 'पैनप्लेन' शब्द किसका संकेत करता है?

- नदीय चक्र के वृद्धावस्था में निर्मित समतल पृष्ठ
- पवन अपरदन द्वारा निर्मित समतल पृष्ठ
- समुद्री क्रिया द्वारा निर्मित समतल मैदान
- बाढ़कृत मैदानों के जुड़ने से निर्मित मैदान

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** पैनप्लेन शब्द क्रिकमें ने दिया। क्रिकमें के अनुसार पैनप्लेन पैनप्लनेशन चक्र का अन्तिम परिणाम है तथा इसका निर्माण कई बाढ़ के मैदानों के मिलने से होता है। इनका कहना है कि डेविस तथा उनके अनुगामियों ने क्षय जलविभाजकों दर तथा उनके स्थानान्तरण को आवश्यकता से अधिक महत्व दे डाला जबकि जलविभाजकों की क्षय दर बहुत कम होती है और अपरदन चक्र की अन्तिम अवस्था में तो और भी कम होती है।

डेविस के समप्राय मैदान की संकल्पना में संशोधन कर क्रिकमें ने समप्राय मैदान की संकल्पना का प्रतिपादन किया। इनके अनुसार समप्राय मैदान का निर्माण उस समय होता है जब नदी की अंतिम अवस्था में क्षैतिज अपरदन द्वारा सतह की असमानताएँ दूर हो जाती हैं। इस समय क्षैतिज अपरदन तथा निक्षेप दोनों मिलकर समप्राय मैदान का निर्माण करते हैं।

5. अपरदन की प्रक्रिया में, घोल द्वारा पदार्थ का अवनयन क्या कहलाता है?

- संनिघर्षण
- अपघर्षण
- संक्षारण
- अधः खनन

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** संक्षारण की प्रक्रिया के द्वारा नदी के बहते हुए जल के सम्पर्क में आने वाली चट्टानों के घुलनशील पदार्थ घुलकर शैल से अलग हो जाते हैं तथा जल के साथ मिल जाते हैं। कार्बोनेशन की क्रिया द्वारा चट्टान का अधिकांश घुलनशील तत्व उससे अलग होकर नदी में बहने लगता है। भूमिगत जल द्वारा भी चट्टान के



घुलनशील पदार्थ अलग हो जाते हैं तथा जलस्रोतों द्वारा ऊपर आकर सरिता में मिल जाते हैं। नदी के साथ कंकड़-पत्थर आदि भी नदी के भार के रूप में चलते हैं। इन पदार्थों के संपर्क में आने वाली चट्टानों के घर्षण तथा टूट-फूट की क्रिया को अपघर्षण की क्रिया कहते हैं। नदी के साथ चलने वाले कंकड़-पत्थर के टुकड़ों की आपस में रगड़ तथा घर्षण द्वारा टूटने की क्रिया को सन्निघर्षण कहते हैं।

6. सौर स्पेक्ट्रम को उसके तरंग दैर्घ्य के आरोही क्रम में व्यवस्थित करें :

- (a) पराबैंगनी (b) सूक्ष्म तरंगें  
(c) एक्स रे (d) टेलीविजन तरंगें

कूट :

- (a) (d), (c), (b), (a) (b) (a), (c), (d), (b)  
(c) (c), (a), (b), (d) (d) (b), (c), (a), (d)

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** सौर स्पेक्ट्रम में उनके तरंग दैर्घ्य का आरोही क्रम इस प्रकार है-एक्सरे, पराबैंगनी, सूक्ष्म तरंगे, टेलीविजन तरंगें। विद्युत चुंबकीय स्पेक्ट्रम का आवृत्ति के आधार पर घटता क्रम इस प्रकार है- गामा किरण, एक्स किरण, पराबैंगनी किरण, प्रकाश तरंग, अवरक्त प्रदेश, लघु तरंग एवं रेडियो तरंग। प्रकाश को प्रिज्म से गुजारने पर बहुवर्णीय पट्टी का विकास हो जाता है। इस पट्टी के एक लिए सिरे पर बैंगनी तथा दूसरे सिरे पर क्रमशः नीले, हरे, पीले व लाल रंग होते हैं।

7. वायुमंडल द्वारा परावर्तित ऊर्जा

- (a) वायुमंडल को गर्म नहीं करती है।  
(b) आने वाली ऊर्जा से उसका भिन्न तरंग दैर्घ्य होता है।  
(c) सामान्यतया दृश्यमान प्रकाश की तरह से लघु ऊर्जा होती है जो कि वायुमंडल को वेधती नहीं है।  
(d) अवशोषण के द्वारा वायुमंडल को गर्म करती है।

उत्तर-(\* )

**व्याख्या :** वायुमण्डल द्वारा परावर्तित ऊर्जा का तरंगदैर्घ्य आने वाली ऊर्जा से भिन्न होता है। यह अवशोषण के द्वारा वायुमंडल को गर्म करती है। वायुमण्डल की बाहरी सीमा पर सूर्य से प्रति मिनट प्रति वर्ग सेन्टीमीटर पर 1.94 कैलोरी ऊष्मा प्राप्त होती है।

सूर्य से विकीर्ण समस्त सूर्यातप का लगभग 35% भाग परावर्तन तथा प्रकीर्णन द्वारा आकाश में वापस लौटा दिया जाता है। इसका उपयोग वायुमंडल तथा पृथ्वी को गर्म करने में नहीं होता है। पृथ्वी की ऊष्मा का सर्वाधिक भाग सूर्य से ही प्राप्त होता है। सूर्य से जो ऊर्जा विकीर्ण होती है उसे लघु तरंग सौर्य की संज्ञा दी जाती है। वायुमंडल की अधिकांश ऊष्मा पृथ्वी से विकीर्ण ऊर्जा द्वारा प्राप्त होता है। पृथ्वी द्वारा होने वाला विकिरण दीर्घ तरंगों के रूप में होता है, जिसे दीर्घ तरंग धरातलीय (पार्थिव) विकिरण कहते हैं। सौर्यिक ऊर्जा का लगभग 35% भाग मौलिक रूप में शून्य में वापस लौटा दिया जाता है। इस 35% भाग का वायुमंडल तथा पृथ्वी को गर्म करने में कोई हाथ नहीं होता है।

**नोट-** U.G.C. ने इस प्रश्न को विलोपित करते हुए छात्रों में समान रूप से अंक प्रदान किया क्योंकि प्रश्न में एक से अधिक विकल्प सही हैं।

8. ध्रुवीय जेट धारा (पोलर जेट स्ट्रीम) के बारे में कौन सा कथन सत्य नहीं है?

- (a) ग्रीष्मकाल में यह उत्तर की ओर गतिमान होती है।  
(b) यह सतही तूफान के परिसंचरण को ऊर्जा देती है।

(c) इसकी अवस्थिति ध्रुवीय वाताग्र के अनुरूप होती है।

(d) इसका वेग ग्रीष्म काल में अधिक होता है।

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** ध्रुवीय जेट स्ट्रीम को समताप मण्डलीय उपध्रुवीय जेट स्ट्रीम भी कहते हैं। इसका निर्माण सागर तल से 30 किमी. की ऊँचाई पर क्षोभमण्डल के ऊपर अर्थात् समतापमण्डल में शीत ध्रुव के ऊपर तीव्र ताप प्रवणता के कारण शीत काल में होता है, जिस समय प्रबल पछुवा जेट स्ट्रीम का संचरण होता है। परन्तु ग्रीष्म काल में इसका वेग कम हो जाता है तथा दिशा पूर्व की ओर हो जाती है। ग्रीष्मकाल (उत्तरी गोलार्द्ध) में जेट स्ट्रीम का विस्तार कम होता है तथा उसका उत्तर की ओर खिसकाव हो जाता है, जबकि शीतकाल में इसका विस्तार अधिक होता है तथा यह 20° उत्तरी अक्षांश तक पहुँच जाती है। जब कभी मध्य अक्षांशीय चक्रवातों का मार्ग जेट स्ट्रीम के नीचे पड़ता है, तब उनकी प्रचंडता में वृद्धि हो जाती है तथा वृष्टि की मात्रा भी अधिक हो जाती है।

9. उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में वायु में जल के कणों का प्रतिशत कितना अधिक हो सकता है?

- (a) 4 प्रतिशत (b) 10 प्रतिशत  
(c) 30 प्रतिशत (d) 50 प्रतिशत

उत्तर-(a)

**व्याख्या :** उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में वायु में जल के कणों का प्रतिशत 4% से अधिक हो सकता है। जलवाष्प वायुमंडल में उपस्थित ऐसी परिवर्तनीय गैस है, जो ऊँचाई के साथ घटती जाती है। गर्म तथा आर्द्र उष्णकटिबंध में यह हवा के आयतन का 4 प्रतिशत होती है, जबकि ध्रुवों जैसे ठंडे तथा रेगिस्तानों जैसे शुष्क प्रदेशों में यह हवा के आयतन के 1 प्रतिशत से भी कम होती है। विषुवत वृत्त से ध्रुवों की तरफ जलवाष्प की मात्रा कम होती जाती है। यह सूर्य से निकलने वाले ताप के कुछ भाग को अवशोषित करती है तथा पृथ्वी से निकलने वाले ताप को संग्रहित करती है। इस प्रकार यह एक कंबल की तरह कार्य करती है तथा पृथ्वी को न तो अधिक गर्म तथा न ही अधिक ठंडा होने देती है।

10. प्रतिचक्रवात में ऊर्ध्वाकार वायु प्रवाह निम्नलिखित में फलीभूत होता है :

- (a) ऊपरी दिक्परिवर्तन  
(b) ऊपरी रूपान्तरण  
(c) ऊपरी तथा सतही दोनों दिक्परिवर्तन  
(d) सतह पर रूपान्तरण और ऊपरी दिक्परिवर्तन

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** प्रतिचक्रवात में ऊर्ध्वाकार वायु प्रवाह ऊपरी रूपान्तरण (Conversion aloft) में फलीभूत होता है। चक्रवात के विपरीत दशाओं एवं विशेषताओं वाले वायु परिसंचरण तन्त्र को 'प्रतिचक्रवात' कहते हैं। उच्च वायुदाब वाले केन्द्र से बाहर की ओर चारों दिशाओं में चलने वाले अपसारी (Divergent) वायु परिसंचरण के लिए Anticyclone शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम एफ. गाल्टन ने 1861 में किया था।

प्रतिचक्रवात वृत्ताकार समदाब रेखाओं द्वारा घिरा वायु का एक ऐसा क्रम होता है जिसके केन्द्र में वायु दाब उच्चतम होता है तथा बाहर की ओर घटता जाता है।

11. समुद्र में सर्वाधिक सर्वनिष्ठ लवण है :

- (a) कैल्शियम क्लोराइड (b) सोडियम नाइट्रेट  
(c) सोडियम क्लोराइड (d) कैल्शियम नाइट्रेट

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** समुद्र में सर्वाधिक सर्वनिष्ठ लवण सोडियम क्लोराइड पाया जाता है। समुद्र में सोडियम क्लोराइड की मात्रा प्रति 1000 ग्राम जल में 27.213 पायी जाती है, जो कुल लवणों का 77.8% है। सामान्य रूप में सागरीय लवणता को प्रति हजार ग्राम जल में स्थित लवण की मात्रा (%) के रूप में दर्शाया जाता है।

12. जल चक्र में वाष्पीकरण से एकदम पहले क्या आता है?

- (a) मेघ (b) अवक्षेपण  
(c) ताप (d) संघनन

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** सागरीय सतह से वायुमण्डल, वायुमण्डल से स्थलीय सतह (महाद्वीपीय भाग) तथा स्थलीय सतह से पुनः सागरीय भाग में जल के चक्रीय रूप से संचरण को जलीय चक्र कहते हैं। इस प्रकार जलीय चक्र में क्रियाओं का क्रम इस प्रकार है- वाष्पीकरण, वाष्पोत्सर्जन, वर्षण, अंतः स्पन्दन और धरातलीय प्रवाह। वाष्पीकरण तापमान पर निर्भर है। अतः स्पष्ट है कि जल चक्र में वाष्पीकरण से एकदम पहले 'ताप' आता है।

13. खाद्य श्रृंखला में पोषण स्तर I में निम्नलिखित में से कौन आता है?

- (a) बैक्टीरिया (b) मांसाहारी  
(c) मुख्य उपभोक्ता (d) पादप

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** वह स्तर जिनसे होकर आहार, ऊर्जा का एक वर्ग के जीवों से दूसरे वर्ग के जीवों में स्थानान्तरण या गमन होता है, पोषण स्तर कहलाता है। पोषण स्तर की यह श्रृंखला आहार श्रृंखला कहलाती है।

पोषण स्तर प्रथम में पादप आते हैं। इन्हें प्राथमिक उत्पादक भी कहा जाता है। इस स्तर पर पौधे प्रकाश ऊर्जा से प्रकाश संश्लेषण विधि से भोजन निर्मित करते हैं। पोषण स्तर-2 के प्राणी अपना भोजन स्वयं निर्मित नहीं करते, अपितु पौधों तथा अन्य प्राणियों पर निर्भर करते हैं। इसके अंतर्गत प्राथमिक उपभोक्ता तथा शाकभक्षी प्राणी आते हैं। जैसे-भेड़, बकरी, गाय आदि। पोषण स्तर-3 के अंतर्गत मांसाहारी जंतुओं को सम्मिलित किया जाता है। इन्हें द्वितीयक उपभोक्ता कहते हैं। जैसे-शेर, भालू, चील आदि। पोषण-स्तर-4 के अंतर्गत सर्वाहारी जंतु मनुष्य आते हैं।

14. निम्नलिखित में से कौन सा क्षेत्र ग्लोब के 'कार्बन सिंक' के रूप में जाना जाता है?

- (a) अंटार्कटिका (b) सवाना  
(c) उत्तर-पश्चिमी यूरोप (d) उष्णकटिबंधीय वर्षावन

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** उष्णकटिबंधीय वर्षा वन को ग्लोब के 'कार्बन सिंक' के रूप में जाना जाता है। कार्बन सिंक एक प्राकृतिक या कृत्रिम भंडार है, जो भौतिक और जैविक तंत्र के साथ वायुमंडल के कार्बन को अवशोषित और संग्रहीत करता है। पृथ्वी पर मौजूद प्रमुख कार्बन सिंक वन, वायुमंडल, महासागर और मिट्टी हैं।

15. पारिस्थितिकीय निक किसका संकेत करता है?

- (a) मनुष्य तथा पर्यावरण के बीच अंतःक्रिया  
(b) पारिस्थितिकीय व्यवस्था में जीव की कार्यात्मक भूमिका  
(c) मनुष्य तथा पौधे की अंतः निर्भरता  
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** पारिस्थितिकीय निक पारिस्थितिकीय व्यवस्था में जीव की कार्यात्मक भूमिका का संकेत देते हैं। पारिस्थितिकी में "आला (Niche)" शब्द एक समुदाय में एक जीव द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका का वर्णन करता है। "आला" शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग जोसेफ ग्रिनेल ने किया था। पारिस्थितिक आला भोजन और प्रतिस्पर्धाओं के वितरण के प्रति जीव की प्रतिक्रिया का वर्णन करता है।

पारिस्थितिकी वह विज्ञान है जिसके अन्तर्गत समस्त जीवों तथा भौतिक पर्यावरण के मध्य अन्तर्सम्बन्धों एवं विभिन्न जीवों के मध्य पारस्परिक अन्तर्सम्बन्धों का अध्ययन किया जाता है।

16. निम्नलिखित में से किसने यह अवधारणा कि "वर्तमान भूत की कुंजी है" प्रतिपादित की?

- (a) बप्फन (b) लेल (c) हर्टन (d) प्ले फेयर

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** "वर्तमान भूत की कुंजी है।" इस अवधारणा के प्रतिपादक 'जेम्स हर्टन' हैं। जेम्स हर्टन ने 1785ई. 'एकरूपतावाद' की संकल्पना का प्रतिपादन किया। इनके अनुसार 'वर्तमान समय में जो भूगर्भिक प्रक्रम तथा नियम कार्यरत हैं, वे ही समस्त भूगर्भिक इतिहास में कार्यरत थे परन्तु उनकी सक्रियता में अन्तर था।"

17. रिटर के अनुसार, इस उपागम को कि "कुछ भौगोलिक तथ्यों की वैज्ञानिक रूप से व्याख्या नहीं की जा सकती है" क्या कहते हैं?

- (a) पारिस्थितिकीय (b) क्षेत्रीय  
(c) उद्देश्यवादी (d) स्थानिक

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** रिटर के अनुसार, इस उपागम को कि "कुछ भौगोलिक तथ्यों की वैज्ञानिक रूप से व्याख्या नहीं की जा सकती है को उद्देश्यवादी कहते हैं।

उद्देश्यवाद के समर्थक समाज की व्यावहारिक समस्याओं के हल के लिए तथा भूगोल की यथार्थता को निश्चित करने के लिए मूल्य आधारित क्रिया पद्धति का प्रयोग करते हैं।

उद्देश्यवाद एक दर्शन है जिसके अनुसार अर्थ तथा ज्ञान की परिभाषा उसके अनुभव की भूमिका के सन्दर्भ में की जा सकती है।

18. होटशान के अनुसार, आधुनिक भूगोल के क्षेत्र तथा पद्धति पर किसके अग्रगामी कथन ने भविष्य के लिये भौगोलिक विचारधारा की दिशा निर्धारित की?

- (a) ब्लाश (b) श्लूटर (c) रैट्जेल (d) रिचथोफेन

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** हाटशान के अनुसार, रिचथोफेन के अग्रगामी कथन ने आधुनिक भूगोल के क्षेत्र तथा पद्धति पर भविष्य के लिए भौगोलिक विचारधारा की दिशा निर्धारित की। जर्मन भूवैज्ञानिक फर्डिनेण्ड वान रिचथोफेन की प्रमुख पुस्तकें निम्न हैं-

(1) चीन का भूगोल (2) सीलाकृति विज्ञान (3) आर्थिक एवं खनिज भूगोल

19. मानव जीवन में जलवायु की प्रमुख भूमिका पर किस भूगोलवेत्ता ने जोर दिया है?

- (a) गेडीस (b) जेफरसन (c) हंटिंगटन (d) ब्रूस

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** मानव जीवन में जलवायु की प्रमुख भूमिका पर हटिंग्टन ने जोर दिया। अमेरिकन भूगोलवेत्ता हटिंग्टन की प्रमुख पुस्तकें निम्न हैं-  
(i) Civilization and Climate  
(ii) Principles of Human Geography  
(iii) Pules of Asia  
(iv) Mainsprins of Civilization.

20. यह विचार कि ऐसा हिम युग था जिस दौरान अधिकांश उत्तरी यूरोप हिम या बर्फ की चादर से आच्छादित था की वैधता स्थापित करने का श्रेय सामान्यतया किसे दिया जाता है?  
(a) अगासिज (b) रामसे (c) ज्यूक्स (d) पेंक  
उत्तर-(a)

**व्याख्या :** अगासिज के अनुसार, हिमयुग के दौरान अधिकांश उत्तरी यूरोप हिम या बर्फ की चादर से आच्छादित था, की वैधता स्थापित करने का श्रेय अगासिज को जाता है। पेंक ने ढाल प्रतिस्थापन मॉडल तथा अपरदन चक्र से सम्बन्धित सिद्धान्त दिया था।

21. नीचे दो कथन दिये गये हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) का नाम दिया गया है। नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें :  
अभिकथन (A) : महानगरों में वयस्क पुरुष जनसंख्या की संख्या का अधिक वर्चस्व रहता है।  
कारण (R) : प्रवास आयु तथा लिंग चयनात्मक है।  
कूट :  
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।  
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।  
(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।  
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।  
उत्तर-(a)

**व्याख्या :** महानगरों में ग्रामीण क्षेत्रों से अधिकांशतः प्रवास होता है। ग्रामीण क्षेत्रों से नगरों को होने वाले प्रवास का मुख्य कारण रोजगार तथा शिक्षा होती है। अतः रोजगार हेतु अधिकांशतः वयस्क पुरुष ही आते हैं जिस कारण महानगरों में वयस्क पुरुष जनसंख्या की संख्या का अधिक वर्चस्व रहता है। प्रवास आयु तथा लिंग चयनात्मक होता है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

22. भारत में कुल जनसंख्या में बुजुर्गों (60+) की जनसंख्या का प्रतिशत निम्नलिखित के बीच पड़ता है :  
(a) 2-5 (b) 5-10 (c) 10-12 (d) 12-15  
उत्तर-(b)

**व्याख्या :** भारत में कुल जनसंख्या में बुजुर्गों की जनसंख्या का प्रतिशत 5-10 प्रतिशत के बीच में पड़ता है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या में बुजुर्गों (60+) की जनसंख्या का प्रतिशत 8.6 है। आयु समूह 0-4 वर्ष की जनसंख्या का प्रतिशत 9.3 तथा आयु समूह 15-59 वर्ष की जनसंख्या भारत की कुल जनसंख्या में 60.3% है।

23. निम्नलिखित में से कौन सी प्रवास धारा भारत में अधिकतम प्रवास का अनुभव करती है ?  
(a) ग्रामीण से ग्रामीण (b) ग्रामीण से नगरीय  
(c) नगरीय से नगरीय (d) नगरीय से ग्रामीण  
उत्तर-(a)

**व्याख्या :** ग्रामीण से ग्रामीण प्रवास धारा भारत में अधिकतम प्रवास का अनुभव करती है, जिसमें महिलाओं की संख्या सर्वाधिक होती है। इस प्रकार के प्रवास विकसित तथा विकासशील दोनों प्रकार के देशों में मिलते हैं और प्रायः दो कृषि प्रधान क्षेत्रों के मध्य पाये जाते हैं। जिस क्षेत्र में कृषि की कमी और जनसंख्या का घनत्व अधिक होता है वहाँ से कृषि आधारित जनसंख्या का प्रवास ऐसे क्षेत्रों के लिए होता है जहाँ पर्याप्त उपजाऊ कृषि भूमि उपलब्ध होती है और कृषि के विकास के लिए नवीन सम्भावनाएँ उपलब्ध होती है।

24. 21वीं शताब्दी के अंत तक प्रक्षेपित नगरीय विश्व या सार्वभौमिक शहर को निम्नलिखित में से कौन सा व्यक्त करता है  
(a) सन्नगर  
(b) नगर-क्षेत्र  
(c) विश्वनगरी (मेगालोपोलिस)  
(d) वास्य नगरी (एक्यूमेनोपोलिस)  
उत्तर-(d)

**व्याख्या :** 21वीं शताब्दी के अन्त तक प्रक्षेपित नगरीय विश्व या सार्वभौमिक शहर को वास्य नगरी (एक्यूमेनोपोलिस) व्यक्त करता है। सन्नगर शब्द का प्रयोग गिडिज ने किया जो विकसित नगरीय क्षेत्र होते हैं। मेगालोपोलिस शब्द का प्रयोग बड़े महानगर प्रदेश के लिए गोटमेन ने किया।

25. निम्नलिखित में से कौन सा अधिवास का 'यादृच्छिक' वितरण इंगित करता है?  
(a) 0.49 (b) 1.00 (c) 1.59 (d) 2.15  
उत्तर-(b)

**व्याख्या :** 1.00 अधिवास का यादृच्छिक वितरण इंगित करता है। निकटतम पड़ोसी विधि, अधिवास अंतरण के विश्लेषण की एक लोकप्रिय विधि है। इसके माध्यम से अधिवासों के प्रतिरूप को मुख्यतः गुच्छित, यादृच्छिक तथा नियमित (Regular) में वर्गीकृत किया जाता है। इस विधि में Rh का मान 0 से 2.149 के मध्य आता है। RH का मान 0 और 1.00 के बीच होने पर गुच्छित (Cluster) प्रतिरूप जबकि 1.00 होने पर यादृच्छिक (Random) प्रतिरूप को प्रकट करता है। वहीं, यदि मान 1 से 2.15 के मध्य होने पर अधिवासों का प्रतिरूप नियमित होगा।

26. संसाधन की तनन क्षमता क्या संकेत करती है?  
(a) समुचित प्रतिस्थापन खोजने की क्षमता  
(b) विनाश की संभाव्यता  
(c) अधिक उत्पादन की क्षमता  
(d) अनिः शेषणता  
उत्तर-(c)

**व्याख्या :** वह तत्व या स्रोत जो मानवीय उद्देश्यों तथा आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम है, संसाधन कहलाता है। संसाधन की तनन क्षमता अधिक उत्पादन की क्षमता का संकेत करती है। संसाधनों की तनन क्षमता (Stretching) का अर्थ है कि नए संसाधनों को खोजने के बजाय पहले से प्राप्त संसाधनों की अधिक उत्पादन क्षमता के रूप में विकसित करना है तथा उनका बेहतर प्रयोग सुनिश्चित करना है।

27. वॉन थ्यूनेन के मॉडल के अनुसार भूमि उपयोग के निम्नलिखित अनुक्रमों में से कौन सा सही है?

- (a) बाजार बागवानी एवं ताजा दूध, ईंधन एवं काष्ठ, गहन फसल खेती  
(b) ईंधन एवं काष्ठ, गहन फसल खेती, बाजार बागवानी एवं ताजा दूध  
(c) गहन फसल खेती, बाजार बागवानी एवं ताजा दूध, ईंधन एवं काष्ठ  
(d) बाजार बागवानी एवं ताजा दूध, गहन फसल खेती, ईंधन एवं काष्ठ

उत्तर-(a)

**व्याख्या :** प्रसिद्ध जर्मन अर्थशास्त्री वान थ्यूनेन ने सर्वप्रथम 1826 ई. में कृषि के स्थानीकरण के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया था। वान थ्यूनेन मॉडल के अनुसार विलग प्रदेश में केन्द्रीय नगर के चारों ओर कृषि भूमि उपयोग की विभिन्न संकेन्द्रीय पेटियाँ पायी जाती हैं जिनका क्रम नगर से बाहर की ओर निम्नवत है-

- (1) शाक सब्जी उत्पादन (2) काष्ठ उत्पादन (3) अन्न उत्पादन  
(4) चारागाह एवं परती के साथ शस्यावर्तन (5) त्रिक्षेत्र पद्धति  
(6) पशुपालन

28. संसाधन सृजन किसका परिणाम है?

- (a) प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक प्रक्रियाओं की अंतःक्रिया  
(b) विभिन्न प्राकृतिक प्रक्रियाओं की अंतःक्रिया  
(c) विभिन्न सामाजिक प्रक्रियाओं की अंतःक्रिया  
(d) विभिन्न आर्थिक प्रक्रियाओं की अंतःक्रिया

उत्तर-(a)

**व्याख्या :** संसाधन सृजन प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक प्रक्रियाओं की अन्तःक्रिया का परिणाम है। पर्यावरण में उपलब्ध प्रत्येक वस्तु जो हमारी आवश्यकताओं को पूरा करने में प्रयुक्त होती है और जिसको बनाने के लिए तकनीक उपलब्ध है तथा जो आर्थिक रूप से संभाव्य और सांस्कृतिक रूप से मान्य है, संसाधन कहलाता है।

29. ऊर्जा संसाधन उपयोग की प्रक्रिया में अन्तिम अवस्था है :

- (a) परिवहन (b) भंडारण  
(c) अवशिष्ट सामग्री का निपटान (d) रूपान्तरण

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** ऊर्जा संसाधन उपयोग की प्रक्रिया में अन्तिम अवस्था अपशिष्ट सामग्री का निपटान है। आज के वैज्ञानिक युग में किसी भी देश का आर्थिक विकास वहाँ पनपे हुए उद्योग-धन्धों पर निर्भर करता है। पेट्रोलियम उद्योग, चीनी मिल इत्यादि उद्योग धन्धों से अवशिष्ट सामग्री निकलती है।

30. निम्नलिखित में से किसने आनुक्रमिक विस्तारण परिवहन नेटवर्क मॉडल विकसित किया है?

- (a) डिसूजा एवं पॉर्टर  
(b) ब्राउन तथा ब्रेसी  
(c) मिर्डल, सियर्स तथा रोस्टोव  
(d) टाफे, मॉरिल तथा गूल्ड

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** परिवहन जाल भौगोलिक स्थितियों के वर्ग होते हैं जो विभिन्न भागों द्वारा अन्तरसंयोजित होते हैं।

● टाफे, मॉरिल तथा गूल्ड ने आनुक्रमिक विस्तारण परिवहन नेटवर्क मॉडल को विकसित किया।

31. इतिहास की भौगोलिक धुरों की अवधारणा का प्रस्ताव किसने रखा?

- (a) मैकिण्डर (b) मार्टिन (c) क्रोपोटकिन (d) रैट्जल  
उत्तर-(a)

**व्याख्या :** मैकिण्डर ने 1904 में अपने निबन्ध 'इतिहास की भौगोलिक धुरी' में हृदय स्थल की संकल्पना का प्रतिपादन किया। मैकिण्डर ने अपने अध्ययन के आधार पर बताया कि समुद्री शक्तियाँ क्षीण हो रही हैं और अन्तिम विजय महाद्वीपीय शक्तियों की ही होगी। उन्होंने विश्व के स्थलीय क्षेत्र को तीन स्तरों में व्यक्त किया जिसके नाम निम्न हैं-

- (1) हृदय स्थल (2) आन्तरिक अर्द्ध चन्द्राकार पेट्टी  
(3) बाह्य अर्द्ध चन्द्राकार पेट्टी

32. चिली अपनी आकृति के अनुसार किस वर्ग में पड़ता है?

- (a) खंडित (b) खंडित लम्बाकार  
(c) लम्बाकार (d) संहत-लम्बाकार

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** दक्षिण अमेरिका के पश्चिम तट पर स्थित, चिली अपनी आकृति के अनुसार खण्डित लम्बाकार वर्ग में पड़ता है। चिली में विश्व की सबसे लम्बी पर्वतमाला एण्डीज का अधिकांश भाग आता है।

33. वर्ष में प्रति हजार जीवित जन्में बच्चों के जन्म के प्रथम वर्ष में मरने वाले बच्चों की संख्या कहलाती है-

- (a) मृत्युदर (b) मानकीकृत मृत्युदर  
(c) शिशु मृत्यु दर (d) जीवन प्रत्याशा दर

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** वर्ष में प्रति हजार जीवित जन्में बच्चों के जन्म के प्रथम वर्ष में मरने वाले बच्चों की संख्या शिशु मृत्यु दर कहलाती है।

किसी निश्चित क्षेत्र एवं समयावधि में मृत्यु या मृतकों की संख्या को 'मृत्यु दर' कहते हैं। जीवन प्रत्याशा से एक व्यक्ति के औसत जीवनकाल का अनुमान है।

34. 2011 की जनगणना के अनुसार साक्षरता दरों के अवरोही क्रम को लेकर राज्यों की निम्नांकित व्यवस्थाओं में से कौन सा सही है?

- (a) केरल, मिजोरम, त्रिपुरा, गोआ  
(b) केरल, गोआ, मिजोरम, त्रिपुरा  
(c) गोआ, केरल, त्रिपुरा, मिजोरम  
(d) मिजोरम, त्रिपुरा, केरल, गोआ

उत्तर-(a)

**व्याख्या :** 2011 की जनगणना के अनुसार साक्षरता दरों के अवरोही क्रम को लेकर राज्यों का सही क्रम इस प्रकार है- केरल, मिजोरम, त्रिपुरा, गोआ।

सर्वाधिक साक्षरता वाले 3 राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश जनगणना 2011 के अनुसार-1. केरल 94%, 2. लक्षद्वीप 91.85%, 3. मिजोरम 91.33%

35. निम्नलिखित में से क्या जनजातीय अर्थव्यवस्था के साथ सम्बन्धित है?

- (a) गहन खेती (b) स्वच्छंद उद्योग  
(c) खनन तथा उत्खनन (d) स्थानांतरीय कृषि

उत्तर-(d)

**व्याख्या** स्थानांतरीय कृषि जनजातीय अर्थव्यवस्था से सम्बन्धित है। स्थानांतरीय कृषि के अन्तर्गत किसी एक क्षेत्र में 2 या 3 वर्ष खेती की जाती है, तत्पश्चात् उसकी उर्वरक क्षमता समाप्त होने पर यह भूमि परती छोड़ दी जाती है। स्वच्छंद उद्योग कच्चे माल पर निर्भर नहीं रहते हैं। ये उद्योग सामान्यतः प्रदूषण नहीं फैलाते हैं।

36. योजना आयोग द्वारा प्रस्तावित भारत के कृषि जलवायु क्षेत्रों का आधार क्या है?

- (a) उच्चावच, मृदा तथा अपवाह  
(b) वर्षा ऋतु, तापमान तथा कृषित क्षेत्र  
(c) वनस्पति, मृदा तथा भूमि उपयोग  
(d) उच्चावच, भूमि उपयोग तथा निवल बोया क्षेत्र

उत्तर-(b)

**व्याख्या** : योजना आयोग द्वारा प्रस्तावित भारत के कृषि जलवायु प्रदेशों का आधार वर्षा ऋतु, तापमान तथा कृषित क्षेत्र है। भारत के कृषि जलवायु प्रदेशों की संख्या 15 है। कृषि जलवायु प्रादेशिक नियोजन का मुख्य उद्देश्य कृषि एवं संबद्ध संसाधनों का वैज्ञानिक उपयोग कर कृषि आय बढ़ाना और रोजगार के अधिक अवसर उत्पन्न करना है।

37. महानगरीय क्षेत्र कौन से क्षेत्र में है?

- (a) आकारी (समांगी) क्षेत्र (b) कार्यात्मक क्षेत्र  
(c) एकल उद्देश्य क्षेत्र (d) प्राकृतिक क्षेत्र

उत्तर-(b)

**व्याख्या** : महानगरीय क्षेत्र कार्यात्मक क्षेत्र के अन्तर्गत आते हैं। प्रदेश, जिसके सम्पूर्ण भाग में एक विशेष प्रकार की प्राकृतिक दशाओं से एक विशेष प्रकार का आर्थिक जीवन विकसित होता है। जिन क्षेत्र में एक समान प्राकृतिक तत्व तथा प्राकृतिक कारक पाये जाते हैं, उन्हें प्राकृतिक प्रदेश कहते हैं। जैसे- भूमध्यरेखीय प्रदेश, भूमध्यसागरीय प्रदेश आदि।

38. निम्नलिखित में से किसने भारत को नियोजन प्रदेशों में विभाजित किया?

- (a) ओ.एच.के. स्पेट (b) एल.डी. स्टैम्प  
(c) आर.एल. सिंह (d) आर. पी. मिश्रा

उत्तर-(d)

**व्याख्या** : आर.पी. मिश्रा ने भारत को नियोजन प्रदेशों में विभाजित किया। नियोजन प्रदेश एक क्षेत्र का खंड होता है जिसमें आर्थिक निर्णयों को लागू किया जाता है। यह एक प्रशासनिक या राजनीतिक प्रदेश जैसे- राज्य, जिला हो सकता है।

39. निम्नलिखित में से किस पंचवर्षीय योजना में प्रादेशिक विषमता को पहली बार महत्त्व दिया गया?

- (a) प्रथम (b) द्वितीय (c) तृतीय (d) चतुर्थ

उत्तर-(c)

**व्याख्या** : तृतीय पंचवर्षीय योजना में प्रादेशिक विषमता को पहली बार महत्त्व दिया गया। इस पंचवर्षीय योजना में समानता के बेहतर अवसरों का विकास तथा आय एवं सम्पत्ति के सन्दर्भ में विषमताएँ कम करना, साथ ही धन के समान वितरण की उचित व्यवस्था करना आदि प्रमुख उद्देश्य शामिल थे।

40. निम्नलिखित में से कौन शाश्वत विकास का संघटक नहीं है?

- (a) अन्तःपीढ़ी स्थानान्तरणता  
(b) सामाजिक न्याय  
(c) अन्तः प्रादेशिक स्थानान्तरणता  
(d) अन्तः-इष्टतमेतर संसाधन उपयोग

उत्तर-(d)

**व्याख्या** : अन्तः-इष्टतमेतर संसाधन उपयोग शाश्वत विकास का संघटक नहीं है। शाश्वत विकास (Sustainable development), वह विकास है जो भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकताओं से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरतों की पूर्ति करता है। इसके प्रमुख संघटकों में अंतःपीढ़ी स्थानान्तरण, सामाजिक न्याय, अंतःप्रादेशिक स्थानान्तरण आदि को सम्मिलित किया जाता है।

41. 1600 मीटर और 3300 मीटर की ऊँचाई के बीच हिमालय के शंकुधारी वन की मुख्य स्पेसीज है :

- (a) सिडार, पाइन, साइन, सिल्वर फर, स्प्रूस  
(b) सागौन एवं साखु  
(c) सैंडलवुड तथा रोजवुड  
(d) ओक, चेस्टनट, चीर, चील

उत्तर-(a)

**व्याख्या** : 1600 मी. तथा 3300 मीटर की ऊँचाई के बीच हिमालय के शंकुधारी वन की मुख्य स्पेसीज है- सिडार, पाइन, साइन, सिल्वर फर, स्प्रूस। हिमरेखा के निकट पहुँचने पर इनका विकास रुक जाता है। इनका विस्तार असम से कश्मीर तक पाया जाता है। यातायात के साधनों के अभाव, दुर्गमता एवं पर्वतीय क्षेत्रों का अल्प विकास होने के कारण पर्वतीय वनों का उचित दोहन नहीं हो सका है।

42. बुन्देलखंड पठार के अंतर्गत किन दो राज्यों के हिस्से समाविष्ट है?

- (a) छत्तीसगढ़ एवं झारखंड  
(b) उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश  
(c) छत्तीसगढ़ एवं उत्तर प्रदेश  
(d) मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़

उत्तर-(b)

**व्याख्या** : बुन्देलखण्ड पठार के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश तथा मध्यप्रदेश राज्यों के हिस्से आते हैं। बुन्देलखण्ड पठार उत्तर में यमुना नदी, दक्षिण में विन्ध्य पठार, उत्तर-पश्चिम में चम्बल नदी तथा दक्षिण पूर्व में पन्ना-अजयगढ़ श्रेणियों द्वारा सीमांकित किया जाता है। यह उत्तर पश्चिम एवं उत्तर पूर्व में गंगा-यमुना के जलोढ़क तथा दक्षिण-पश्चिम में दक्कन ट्रेप से ढँका है।

43. भारत में निम्नलिखित में से कौन सा स्थान विश्व में सबसे ठण्डे आवासित स्थानों में द्वितीय श्रेणी में पड़ता है?

- (a) द्रास (b) इटानगर (c) मनाली (d) माना

उत्तर-(a)

**व्याख्या** : द्रास विश्व में सबसे ठण्डे आवासित स्थानों में द्वितीय श्रेणी में पड़ता है। द्रास भारत के लद्दाख केन्द्रशासित के अंतर्गत आता है। द्रास को लद्दाख का द्वार भी कहा जाता है।

44. निम्नलिखित में से किस राज्य में उसके कृषि क्षेत्र का अधिकतम प्रतिशत नहर सिंचाई के अंतर्गत आता है?

- (a) मध्य प्रदेश (b) जम्मू व कश्मीर  
(c) उत्तराखण्ड (d) उत्तर प्रदेश

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** दिये गये विकल्प में जम्मू व कश्मीर राज्य में कृषि क्षेत्र का अधिकतम प्रतिशत नहर सिंचाई के अंतर्गत आता है। भारत में नहरों से सिंचाई मुख्यतः पंजाब, हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश राज्य में होती है, परन्तु उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक सिंचाई नलकूप द्वारा किया जाता है।

उत्तर प्रदेश में शारदा नहर, ऊपरी गंगा नहर, निचली गंगा नहर, पूर्वी यमुना नहर, आगरा नहर इत्यादि प्रमुख नहरें हैं।

45. कश्मीर घाटी को सिन्धु नदी घाटी से कौन सी श्रेणियाँ पृथक करती हैं?

- (a) पीर पंजाल श्रेणी (b) धौलाधर श्रेणी  
(c) वृहद हिमालय श्रेणी (d) शिवालिक श्रेणी

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** कश्मीर घाटी को सिन्धु नदी घाटी से वृहद हिमालय श्रेणी पृथक करती है। यह श्रेणी गंगा पर्वत से लेकर नामचावरवा तक एक पर्वतीय दीवार के रूप में फैली है। कश्मीर घाटी जास्कर और पीरपंजाल (मध्य हिमालय) के बीच फैली हुयी है। कश्मीर घाटी में हिमनद उत्पत्ति के चीका मिट्टी के निक्षेप पाए जाते हैं जिन्हें करेवा कहा जाता है।

46. निम्नलिखित में से कौन सी विधि किसी क्षेत्र में विभिन्न भूमि उपयोगों के अनुपातों को निरूपित करने के उपयुक्त है

- (a) रेखा ग्राफ (b) पाई आरेख  
(c) हीदर ग्राफ (d) त्रिभुजीय आरेख

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** पाई आरेख किसी क्षेत्र में विभिन्न भूमि उपयोगों के अनुपातों को निरूपित करने के लिए उपयुक्त है। पाई आरेख में संख्या का कुल योग प्रकट करने वाले किसी वृत्त के क्षेत्रफल को उस संख्या के विभिन्न उपविभागों या घटकों के मूल्यों के अनुपात में बाँट देते हैं।

47. वितरण की बिन्दु पद्धति किसका संकेत करती है?

- (a) प्रतिमापरक मॉडल (b) सदृश मॉडल  
(c) प्रतीकात्मक मॉडल (d) ग्राफिकीय मॉडल

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** वितरण की बिन्दु पद्धति सदृश मॉडल का संकेत करती है। बिंदुकित मानचित्र तत्त्वों जैसे-जनसंख्या, जानवर, फसल के प्रकार के वितरण को दर्शाने हेतु बनाए जाते हैं। चुनी हुई मापनी के अनुसार एक ही आकार के बिंदु वितरण के प्रतिरूपों को दर्शाने के लिए दी हुई प्रशासनिक इकाइयों पर अंकित किए जाते हैं।

48. विसरण का तुलनात्मक माप निम्नलिखित में से क्या है?

- (a) मानक विचलन (b) चतुर्थक विचलन  
(c) विचलन गुणक (d) परिसरण

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** विसरण का तुलनात्मक माप विचलन गुणक है। मानक विचलन की गणना में किसी भी बीजगणितीय चिह्न की अवहेलना नहीं की जा सकती है। चूँकि मानक विचलन सदैव समान्तर माध्य, जो स्वयं एक आदर्श माध्य है, के आधार पर परिकलित किया जाता है। अतः दो या दो से अधिक समंके श्रेणियों के अपकरण की तुलना करने में मानक विचलन परम उपयोगी है। यह माप श्रेणी के सभी मूल्यों पर आधारित है।

49. यदि मानचित्र को RF 1/5500 पर बनाया जाता है और यदि मानचित्र को छोटा करके आधा किया जाता है तो निम्नलिखित में से कौन सा प्रतिनिधिक अंश सही होंगे?

- (a) 1/2750 (b) 1/11,000  
(c) 1/5,000 (d) 1/33,000

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** मानचित्र को उसके मूल आकार से बड़े आकार में बनाने हेतु मानचित्र का विवर्धन तथा छोटे आकार में बनाने हेतु लघुकरण किया जाता है। जैसे 1: 5000 निरूपक पर बने किसी मानचित्र को छोटा करके 1:10,000 निरूपक भिन्न पर बनाया जाए, तो यह क्रिया मापनी-लघुकरण कहलाएगी। अतः मापनी के लघुकरण की प्रक्रिया में हर में वृद्धि हो जाती है तथा विवर्धन में हर के मान में कमी हो जाती है।

प्रश्नानुसार, मानचित्र की मापनी 1/5500 है। इस मानचित्र को छोटा करके आधा करने पर नवीन मापनी-

$$\frac{1}{5500} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{11000}$$

50. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और नीचे दिए कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

- (1) नासा भारत में समस्त सेटेलाइट डेटा के लिये राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्ति एवं वितरण की एजेन्सी है।  
(2) नासा डि-कोडड डेटा एन.एन.आर. एम. एस. (NNRMS) को भेजती है जिसकी गतिविधियाँ विभिन्न स्थायी समितियों द्वारा मार्गदर्शित होती हैं।

कूट :

- (a) केवल (1) सही है  
(b) केवल (2) सही है  
(c) (1) और (2) दोनों सही हैं  
(d) न ही (1) और न ही (2) सही है।

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** नासा संयुक्त राज्य अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी है। यह भारत के लिए सेटेलाइट डेटा का राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्ति एवं वितरण की एजेंसी नहीं है। 'इसरो' के राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर (NRSC) को भारत में सभी उपग्रह रिमोट सेंसिंग डेटा प्राप्त करने और प्रसारित करने का अधिकार प्राप्त है। उपर्युक्त कोई भी कथन सही नहीं है, अतः सही उत्तर विकल्प (d) होगा।

# यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर- 2012

## भूगोल

### व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

1. वर्तमान स्थलाकृति का अधिकांश विस्तार सम्बन्धित है  
 (a) कैम्ब्रियन-पूर्व महाकल्प से (b) पुराजीव महाकल्प से  
 (c) मध्यजीव महाकल्प से (d) नवजीव महाकल्प से  
 उत्तर-(d)

**व्याख्या :** नवजीव महाकल्प से वर्तमान स्थलाकृति का अधिकांश विस्तार सम्बन्धित है। नवजीवी महाकल्प के पैलियोसीन कल्प में आल्पस, हिमालय तथा एटलस पर्वतों का निर्माण हुआ। इसी महाकल्प के पैलियोसीन में गंगा सिन्धु के बेसिन का निर्माण हुआ तथा हिमालय की तीसरी शृंखला शिवालिक की उत्पत्ति हुई।

2. यदि आप धूप वाली दोपहर को पुलिन पर समुद्र की ओर मुख करके बैठे हो, तो स्थानीय पवन  
 (a) समुद्र समीर प्रभाव के कारण आपकी पीठ से टकराते हुए समुद्र की ओर चलती रहेगी।  
 (b) समुद्र समीर प्रभाव के कारण समुद्र से आपकी ओर बहेगी।  
 (c) हास दर प्रभाव के कारण समुद्र से आपकी ओर बहेगी।  
 (d) भूमि समीर प्रभाव के कारण आपकी पीठ से टकराते हुए समुद्र की ओर चलती रहेगी।

उत्तर-(\* )

**व्याख्या :** यदि आप धूप वाली दोपहर को पुलिन पर समुद्र की ओर मुख करके बैठे हों तब आप अनुभव करेंगे की दिन के समय स्थलीय भाग जल की अपेक्षा शीघ्र गर्म हो जाता है। जिस कारण सागरवर्ती तटीय भाग पर निम्न दाब तथा सागरीय भाग पर उच्च दाब स्थापित हो जाते हैं इसलिए हवाएँ सागर से स्थल की ओर चलने लगती हैं। समुद्री प्रभाव के कारण हवा आपके सामने से टकराते हुए स्थल की ओर चलती रहेगी। साथ ही हास दर प्रभाव के कारण समुद्र का तापमान स्थल की अपेक्षा कम होती है। परिणामस्वरूप हवाएँ समुद्र से स्थल की ओर चलती है।

**नोट:-** इस प्रकार विकल्प (b एवं c) दोनों सही है। इसलिए आयोग ने इस प्रश्न को विलोपित करते हुए छात्रों को समान अंक प्रदान किया है।

3. जल कण जिस तापमान पर संघनित होते हैं, वो है  
 (a) तुलनात्मक आद्रता (b) संघनन बिन्दु  
 (c) ओस बिन्दु (d) वाष्पीकरण बिन्दु  
 उत्तर-(c)

**व्याख्या :** जल कण जिस तापमान पर संघनित होते हैं, वह है ओस बिन्दु। आर्द्रता युक्त वायु जब संवहन प्रक्रिया द्वारा ऊपर उठती है। तब शुष्क एडियाबेटिक लेप्स रेट द्वारा संतृप्त होती है, तब संतृप्त वायु संघनित होने लगती है। जब तापमान के 0°C से ऊपर होने पर संघनन प्रक्रिया होती है तब उस ताप बिन्दु को 'Dew Point' कहते हैं तथा 0°C से नीचे के तापमान पर संघनन प्रक्रिया होती है तब यह ताप बिन्दु को 'फ्रिजिंग प्वाइंट' कहलाता है।

4. निम्नलिखित कथनों की जाँच कीजिए और नीचे दिये कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिये:

- वायुमंडलीय पवन कभी पूर्णतया शुष्क नहीं होती है।
- जल कण वायुमंडलीय परिमाण का 4 प्रतिशत तक अधिग्रहण कर सकते हैं।
- वायुमंडल में जल के कण हमेशा अदृश्य रहते हैं।

**कूट:**

- (a) 1 और 2 सही हैं। (b) 2 और 3 सही हैं।  
 (c) 1 और 3 सही हैं। (d) 1, 2 और 3 सही हैं।

उत्तर-(a)

**व्याख्या :** वायुमण्डलीय पवन कभी पूर्णतया शुष्क नहीं होती है एवं जलकण वायुमण्डलीय परिमाण का 4% तक अधिग्रहण कर सकते हैं। वायुमंडल में जल के कण सदृश रहते हैं क्योंकि बादल जल के कण से ही बने होते हैं। इस तरह उपरोक्त कथन (1) एवं (2) सही है।

5. निम्नलिखित में यांत्रिक अपक्षय की तुलना में रासायनिक अपक्षय ज्यादा प्रभावपूर्ण होता है:

- (a) अर्द्ध-शुष्क क्षेत्र (b) शुष्क क्षेत्र  
 (c) तटीय क्षेत्र (d) शीत शीतोष्ण क्षेत्र

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** यांत्रिक अपक्षय की तुलना में रासायनिक अपक्षय ज्यादा शीत शीतोष्ण क्षेत्र में ज्यादा प्रभावपूर्ण होता है। सूर्यातप, तुषार तथा वायु द्वारा चट्टानों में विघटन होने की क्रिया को 'यांत्रिक अपक्षय' कहा जाता है। वायुमण्डल के निचले स्तर में ऑक्सीजन, कार्बन डाई ऑक्साइड गैसों तथा जलवाष्प की प्रधानता होती है, परन्तु जब तक इनका संयोग नमी या जल से नहीं होता है, (अर्थात् जब तक ये शुष्क होते हैं) तब तक अपक्षय की दृष्टि से ये तत्व क्रियाहीन होते हैं परन्तु जैसे ही इनका सहयोग जल से होता है, ये सक्रिय घोलक साधक हो जाते हैं। इनके संयोग से चट्टानों में रासायनिक परिवर्तन होने लगते हैं। यह रासायनिक अपक्षय के अन्तर्गत आते हैं।

6. अपवाह तंत्र जो उस क्षेत्र, जहाँ कि वो पाया जाता है, के ढाँचे से सम्बन्धित नहीं है क्या कहलाता है?

- (a) अरीय अपवाह पैटर्न (b) जालायित अपवाह पैटर्न  
 (c) अध्यारोपित अपवाह पैटर्न (d) द्रुमाकृतिक अपवाह पैटर्न  
 उत्तर-(\* )

**व्याख्या :** द्रुमाकृतिक अपवाह पैटर्न को पादपाकार अपवाह प्रतिरूप भी कहा जाता है। इस प्रकार के अपवाह का विकास सपाट तथा चौरस विस्तृत भागों में होता है। ग्रेनाइट शैल वाले भागों में इनका विकास सर्वाधिक होता है। इनका आकार देखने में वृक्ष के तने तथा उसकी शाखाओं के समान दिखाई पड़ता है। पादपाकार अपवाह प्रतिरूप में क्षेत्र की एक प्रमुख जलधारा होती है और उसकी सहायक तथा सहायक की सहायक, उपसहायक आदि शाखाएँ सभी दिशाओं से आकर मुख्य जलधारा से मिल जाती हैं।

आरीय अपवाह पैटर्न में जलधाराएँ एक वृत्त के आकार में फैली होती हैं। इस तरह के अपवाह प्रतिरूप मुख्य रूप से प्रौढ़ तथा घर्षित गुम्बदीय पर्वतों में विकसित होते हैं। इन गुम्बदों पर नदियों उनकी परिक्रमा करती हुई प्रवाहित होती हैं।

**नोट-** U.G.C. ने इस प्रश्न को विलोपित करते हुए छात्रों में समान रूप से अंक प्रदान किया।

### 7. निम्नलिखित सूत्र :

$$\text{दस } \alpha = \frac{\text{प्रतिमील समोच्च रेखा की संख्या} \times \text{समोच्च रेखा अंतराल}}{3361}$$

पर आधारित ढलान की परिगणना किसने की है?

- (a) वेंटवर्थ (b) रेंज  
(c) हेनरी (d) डेविस

**उत्तर-(a)**

**व्याख्या :**

$$\text{दस } \alpha = \frac{\text{प्रतिमील समोच्च रेखा की संख्या} \times \text{समोच्च रेखा अंतराल}}{3361}$$

पर आधारित ढलान की परिगणना वेंटवर्थ ने की थी।

- डेविस ने भौगोलिक अपरदन चक्र की व्याख्या की है।

### 8. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) का नाम दिया गया है।

**अभिकथन (A) :** तल संतुलन के एजेन्ट के रूप में वायु का कार्य उतना व्यापक नहीं है जितना कि जल का होता है।

**कारण (R) :** यह विश्व के केवल मरुस्थल क्षेत्रों में प्रभावी होती है जहाँ वर्षा बहुत कम होती है और मृदा के कण उन्मुक्त होते हैं।

**उपर्युक्त दो कथनों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा सही है:**

- (a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।  
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।  
(c) (A) सत्य है, लेकिन (R) असत्य है।  
(d) (A) असत्य है, लेकिन (R) सत्य है।

**उत्तर-(a)**

**व्याख्या :** तल संतुलन के एजेन्ट के रूप में वायु का कार्य उतना व्यापक नहीं है जितना कि जल का होता है क्योंकि अधिकांश भौगोलिक क्षेत्रों में जल, तल संतुलन के लिए प्रभावी कारक है। वायु को छोड़कर अन्य सभी अपरदन के कारकों में किसी न किसी रूप में जल सम्मिलित रहता है। वायु विश्व के केवल मरुस्थली क्षेत्रों में प्रभावी होती है जहाँ वर्षा बहुत कम होती है और मृदा के कण उन्मुक्त होते हैं। अतः स्पष्ट है कि कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं तथा कारण (R), कथन (A) की व्याख्या कर रहा है।

### 9. चूनापत्थर की कंदराओं के उद्भव का “दो-चक्रीय सिद्धांत” किसने प्रस्तावित किया था?

- (a) डेविस (b) स्विनर्टन  
(c) गार्डनर (d) मेलॉट

**उत्तर-(a)**

**व्याख्या :** चूना पत्थर की कंदराओं के उद्भव का दो चक्रीय सिद्धांत डेविस ने दिया। चूनापत्थर क्षेत्रों में भूमिगत जल के द्वारा सतह के ऊपर तथा नीचे विभिन्न प्रकार के स्थल रूपों का निर्माण घोलन क्रिया द्वारा होता है। स्विनर्टन (1929, 1932) का सिद्धांत

डेविस के सिद्धांत से मिलता है, इनके अनुसार कंदरा के निर्माण में भौमजलस्तर नियंत्रक कारक का कार्य करता है। इन्होंने कंदरा का निर्माण जल की घुलन क्रिया द्वारा ही बताया है परन्तु कंदरा का निर्माण भौमजलस्तर के ऊपर ही होता है। 1935 ई. में गार्डनर महोदय ने अपने “स्थैतिक जलमण्डल सिद्धांत” का प्रतिपादन करने की चट्टान वाले क्षेत्र में कंदरा के निर्माण की समस्या के निदान के लिए किया था।

### 10. वो सब प्रक्रियाएँ जो स्थलमण्डल की सतह को सर्वनिष्ठ स्तर तक ले आती हैं सामूहिक रूप से किस नाम से जानी जाती हैं?

- (a) तल संतुलन (b) तलावचन  
(c) तल्लोचन (d) वृहद् क्षरण

**उत्तर-(a)**

**व्याख्या :** वे सब प्रक्रियाएँ जो स्थलमण्डल की सतह को सर्वनिष्ठ स्तर तक ले आती हैं, सामूहिक रूप से ‘तल संतुलन’ के नाम से जानी जाती हैं। बहिर्जनिक बलों द्वारा उभरी हुई भू-आकृतियों का विघर्षण तथा बेसिन/निम्न क्षेत्रों/गर्तों का भराव (अधिवृद्धि/तल्लोचन) धरातल पर अपरदन एवं निक्षेपण के माध्यम से अनवरत संतुलन लाते रहते हैं। बृहद संचलन (Mass movement) के अन्तर्गत वे सभी संचलन आते हैं, जिनमें शैलों का वृहद मलवा गुरुत्वाकर्षण के सीधे प्रभाव के कारण ढाल के अनुरूप स्थानांतरित होता है।

### 11. वायुमंडलीय परतों में से कौन सी परत रेडियो तरंगों को परावर्तित करती है, जो कि पृथ्वी से प्रसारित होकर फिर से पृथ्वी की ओर प्रेषित होती है?

- (a) मेसोस्फियर (b) आयनमंडल  
(c) क्षोभमंडल (d) समतापमंडल

**उत्तर-(b)**

**व्याख्या :** आयनमण्डल रेडियो तरंगों को परावर्तित करती है, जो कि पृथ्वी से प्रसारित होकर फिर पृथ्वी की ओर प्रेषित होती है। 80 किमी. से 400 किमी. तक के ऊँचाई वाले भाग को आयनमण्डल के नाम से जाना जाता है। आयनमण्डल कोई स्वतंत्र मण्डल न होकर तापमण्डल का ही संरचनात्मक की उपमेखला है।

### 12. हेडली के द्वारा प्रस्तावित ‘सिंगल सेल सर्कुलेशन’ मॉडल के अनुसार, वैश्विक वायुमंडलीय परिसंचरण उत्पन्न करने वाला सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक है:

- (a) भूमध्यरेखा पर धंसाव  
(b) भूमध्यरेखा तथा ध्रुव के बीच तापमान अंतर  
(c) जेट धारा  
(d) पृथ्वी का घूर्णन

**उत्तर-(b)**

**व्याख्या :** हेडली के द्वारा प्रस्तावित ‘सिंगल सेल सर्कुलेशन’ मॉडल के अनुसार, वैश्विक वायुमण्डलीय परिसंचरण उत्पन्न करने वाला सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक भूमध्यरेखा तथा ध्रुव के बीच तापमान में अंतर है। जार्ज हेडली ने सर्वप्रथम 1735 में घूर्णन करती पृथ्वी पर वायुमण्डलीय परिसंचरण के एककोशिकीय मॉडल का प्रतिपादन किया। हेडली का वायुमण्डल का सामान्य परिसंचरण का मॉडल ‘एकांकी तापीय प्रत्यक्ष कोशिका’ पर आधारित है। इस मॉडल के अनुसार उष्ण कटिबन्धीय भागों में सर्वाधिक सौर्यिक ऊर्जा प्राप्त होती है तथा ध्रुवों की ओर निरंतर घटती जाती है। इस तरह हवाएँ सौर्यिक ऊर्जा के अक्षांशीय असंतुलन को दूर करने के लिए प्रवाहित होती हैं, ताकि निम्न अक्षांशों में न तो सौर्यिक ऊर्जा की अधिकता हो और न ही उच्च अक्षांशों में कमी।



13. निम्नतम एल्बिडो (श्विती) निम्नलिखित में से किसका हो सकता है?

- (a) शीशा/दर्पण (b) उत्तरध्रुवीय में ताजा बर्फ  
(c) जोती गई नम मिट्टी (d) घना बादल

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** दिये गए विकल्पों में से निम्नतम एल्बिडो जोती गई नम मिट्टी हो सकता है। किसी तल द्वारा परावर्तित विकिरण तथा उस तल द्वारा कुल प्राप्त किए विकिरण के अनुपात को सम्बन्धित तल का एल्बिडो कहते हैं। पृथ्वी का औसत एल्बिडो 35% है। यद्यपि इसकी मात्रा भूमध्यरेखीय क्षेत्रों की अपेक्षा ध्रुवीय क्षेत्रों में एल्बिडो अधिक होती है। एल्बिडो को प्रकाश किरणों के कोण तथा तल की प्रकृति निर्धारित करते हैं। सर्वाधिक एल्बिडो सफेद तथा चिकनी वस्तुओं का पाया जाता है। यही कारण है कि बर्फ, बादल तथा सफेद संगमरमर का एल्बिडो सर्वाधिक पाया जाता है।

14. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अधिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) का नाम दिया गया है।

**अधिकथन (A) :** भूमध्यरेखा के आसपास हरिकेन नहीं बन सकता है।

**कारण (R) :** कोरिओलिस बल भूमध्यरेखा पर अधिकतम होता है।

उपर्युक्त दो कथनों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा सही है:

- (a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।  
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।  
(c) (A) सत्य है, लेकिन (R) असत्य है।  
(d) (A) असत्य है, लेकिन (R) सत्य है।

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** भूमध्यरेखा के आस-पास हरिकेन नहीं बन सकता है, क्योंकि कोरिओलिस बल भूमध्य रेखा पर न्यूनतम होता है और पवनों समदाब रेखाओं के समकोण पर बहती हैं। कई घिरी समदाब रेखाओं वाले विस्तृत उष्ण कटिबन्धीय चक्रवात को हरिकेन कहते हैं। हरिकेन प्रति घण्टे में 120 किमी. की गति से चलते हैं। हरिकेन, आयनरेखाओं के मध्य केवल कुछ भागों में ही उत्पन्न होते हैं। हरिकेन की समदाब रेखाएँ अधिक सुडौल तथा वृत्ताकार होती हैं। केन्द्र से बाहर की ओर वायुदाब तेजी से बढ़ता है, जिस कारण दाब प्रवणता अधिक होती है। इसी कारण से हरिकेन प्रचण्ड गति से आगे बढ़ते हैं। हरिकेन में वर्षा मूसलाधार होती है। अतः कथन (A) सत्य है, लेकिन कारण (R) असत्य है।

15. जब सूर्य मकर रेखा के उदग्र चमकता है, तो

- (a) समस्त विश्व में दिन और रातें एक बराबर होते हैं।  
(b) दक्षिण गोलार्द्ध में रातें दिन की अपेक्षा लम्बी होती हैं।  
(c) आर्कटिक क्षेत्र में रातें 24 घंटे के बराबर होती हैं।  
(d) अंटार्कटिक क्षेत्र में दिन और रातें 12 घंटे की अवधि के होते हैं।

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** जब सूर्य मकर रेखा के उदग्र चमकता है तो दक्षिणी गोलार्द्ध में ग्रीष्म ऋतु तथा दिन बड़े होने की स्थिति होती है और आर्कटिक क्षेत्र में रातें 24 घंटे के बराबर होती हैं। उल्लेखनीय है कि जब सूर्य कर्क और मकर रेखा पर लम्बवत चमकता है तो उत्तरी अथवा दक्षिणी गोलार्द्ध में  $66\frac{1}{2}^{\circ}$  उ. अथवा  $66\frac{1}{2}^{\circ}$  द. अक्षांश पर

24 घंटे की रातें होती हैं।  $66\frac{1}{2}^{\circ}$  उ. अक्षांश का विस्तार आर्कटिक क्षेत्र के चारों ओर है, जबकि  $66\frac{1}{2}^{\circ}$  द. क्षेत्र का विस्तार अंटार्कटिक क्षेत्र के चारों ओर है।

16. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

- (a) वाष्पीकरण तापमान के सीधे आनुपातिक होता है।  
(b) वाष्पीकरण सागर की तुलना में भूमि पर ज्यादा होता है।  
(c) वाष्पीकरण शीत धरातल की तुलना में गर्म धरातल में अधिक होता है।  
(d) वायुमंडल में उपलब्ध ऊष्मा की मात्रा को कम करके वाष्पीकरण तापमान कम करता है।

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** वाष्पीकरण सागर की तुलना में भूमि पर ज्यादा होता है यह कथन असत्य है। वाष्पीकरण तापमान के सीधे आनुपातिक होता है। वाष्पीकरण शीत धरातल की तुलना में गर्म धरातल में अधिक होता है। वायुमंडल में उपलब्ध ऊष्मा की मात्रा को कम करके वाष्पीकरण तापमान कम करता है। सौर विकिरण द्वारा पृथ्वी के जल को जलवाष्प में परिवर्तित होने की क्रिया को वाष्पीकरण कहते हैं। जब वायु का तापमान अधिक होता है तथा उसमें उपस्थित आर्द्रता की मात्रा कम होती है तो वाष्पीकरण अधिक होता है। सामान्यतः उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्रों में वाष्पीकरण अधिक पाया जाता है क्योंकि इन क्षेत्रों में तापमान अधिक होता है तथा वर्षा की अधिकता के कारण धरातल पर जल की उपलब्धता भी रहती है जो वाष्पीकरण के लिए आवश्यक दशाएँ हैं।

17. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें :

सूची - I		सूची - II	
1	उर्ध्वपातन (सबलिमेशन)	i	अवशोषित ऊर्जा सतह से निकलने के लिये आवश्यक गति प्रदान करती है।
2	हिमीकरण	ii	ऊर्जा का निर्मुक्त होना।
3	वाष्पीकरण	iii	प्रति ग्राम 80 कैलोरी निर्मुक्त करती है।
4	संघनन	iv	स्थिति बदलने के लिये प्रति ग्राम 680 कैलोरी अवशोषित करती है।

कूट :

- |           |       |      |      |
|-----------|-------|------|------|
| (1)       | (2)   | (3)  | (4)  |
| (a) (ii)  | (iii) | (iv) | (i)  |
| (b) (i)   | (iii) | (ii) | (iv) |
| (c) (iv)  | (iii) | (i)  | (ii) |
| (d) (iii) | (ii)  | (iv) | (i)  |

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार है-

सूची - I	सूची - II
उर्ध्वपातन (सबलिमेशन)	स्थिति बदलने के लिये प्रति ग्राम 680 कैलोरी अवशोषित करती है।
हिमीकरण	प्रति ग्राम 80 कैलोरी निर्मुक्त करती है।
वाष्पीकरण	अवशोषित ऊर्जा सतह से निकलने के लिये आवश्यक गति प्रदान करती है।
संघनन	ऊर्जा का निर्मुक्त होना।
अतः विकल्प (c) सही सुमेलित है।	

18. वेलापपर्वी निक्षेपों में शैवाल (या कार्ई) से निकाले पदार्थ होते हैं और अधिकांशतः तरल पंक के रूप में होते हैं जिसे कहते हैं

- (a) नीला पंक (b) ऊज (सिंधु पंक)  
(c) लाल पंक (d) प्रवाल पंक

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** वेलापपर्वी निक्षेपों में शैवाल (या कार्ई) से निकाले गए पदार्थ होते हैं जो अधिकांशतः तरल पंक के रूप में होते हैं उन्हें ऊज (सिंधु पंक) कहते हैं। ये अधिकांश निक्षेप महीन कणों के पंक होते हैं। स्थलीय निक्षेपों के पदार्थ मुख्य रूप से धरातलीय चट्टानों के विघटन या वियोजन से प्राप्त होते हैं जिन्हें पवन, नदियाँ आदि परिवहन करके महासागरों में लाती है। इन पदार्थों में बजरी, रेत, पंक ज्वालामुखी आदि कुछ जीवों के अवशेष सम्मिलित किये जाते हैं। तट से सागर की ओर इस जमाव में पूर्ण श्रेणीकरण पाया जाता है अर्थात् तट के पास बड़े व मोटे कण पाये जाते हैं तथा सागर की ओर इनका क्रम क्रमशः बजरी, रेत, सिल्ट, मृत्तिका तथा पंक के रूप में होता है। इनका रंग नीला, पीला तथा लाल होता है।

19. सागर के सतही जल का औसत तापमान होता है

- (a) 22°C (b) 15°C  
(c) 26.7°C (d) 18.6°C

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** सागर के सतही जल का औसत तापमान 18.6° सेल्सियस होता है। महासागरीय भागों में तापमान का वितरण सभी जगह समान देखने को नहीं मिलता है। भूमध्य रेखा पर औसत तापमान 26° सेल्सियस तथा 60° अक्षांश पर 1° सेल्सियस देखने को मिलता है। सभी महासागरों का औसत वार्षिक तापमान 63° फारेनहाइट या 18.6° होता है।

20. पारिस्थितिकीय तंत्र के दो संघटक होते हैं जो हैं

- (a) पशु एवं पादप (b) वृक्ष तथा खरपतवार  
(c) मेंढक तथा मानव (d) अजीव तथा जीव

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** सामान्यतः पारिस्थितिक तंत्र की रचना दो मुख्य संघटकों से होती है ये दो संघटक जैविक तथा अजैविक होते हैं। कुछ विद्वान ऊर्जा को, जो कि पारिस्थितिक तंत्र के संचालन के लिए महत्वपूर्ण होती है, पारिस्थितिक तंत्र का अलग संघटक मानते हैं।

21. भौगोलिक क्षेत्र में सभी पारिस्थितिकीय तंत्र इकट्ठे ज्यादा बड़ी इकाई बनाते हैं जिसे कहते हैं

- (a) समुदाय (b) भूभाग (टेरिट्रि)  
(c) बायोम (d) जीवमण्डल

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** जब किसी पारिस्थितिक तंत्र के समस्त पादपों तथा प्राणियों का सम्मिलित रूप से अध्ययन किया जाता है उसे बायोम कहते हैं। बायोम के अन्तर्गत प्रायः स्थलीय भाग के समग्र पादप तथा प्राणी समुदायों को ही सम्मिलित किया जाता है, क्योंकि सागरीय बायोम का निर्धारण कठिन कार्य होता है।

22. निम्नलिखित में से कौन सी सामुद्रिक जल धाराएँ भारतीय सागर की हैं?

- (a) कनारी जलधारा (b) एंटिल्स जलधारा  
(c) लेबरोडोर जलधारा (d) अगुलहास जलधारा

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** कनारी जलधारा, एंटिल्स तथा लेबरोडोर जल धारा अटलांटिक महासागर में प्रवाहित होती है। हिन्द महासागर में दक्षिण विषुवत रेखीय धारा जो पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है के पश्चिम में दो भाग हो जाते हैं। एक भाग अफ्रीका और मेडागास्कर के बीच से होकर गुजरती है जिसे मोजाम्बिक धारा कहते हैं। दूसरा भाग मेडागास्कर के पूर्व में बहती है जिसे मेडागास्कर धारा कहते हैं। मेडागास्कर के दक्षिण से ये धाराएँ परस्पर मिलकर अगुलहास धारा कहलाती है। दक्षिण में यह धारा पूर्व की ओर मुड़कर पछुआ पवन प्रवाह से मिल जाती है।

23. ऑस्ट्रेलिया का पश्चिमी तट किस कारण से अधिक लवणता सूचित करता है?

- (a) सामुद्रिक जलधाराएँ (b) वायु की दिशा  
(c) शुष्क मौसम की स्थिति (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** ऑस्ट्रेलिया के पश्चिमी तट पर शीत जल धारा प्रवाहित होती है। जिसके कारण यहाँ शुष्क मौसम की दशाएँ उत्पन्न हो जाती हैं। अपेक्षाकृत शुष्क मौसम के कारण वाष्पीकरण अधिक होता है जिसके कारण ऑस्ट्रेलिया के पश्चिमी तट के पास अधिकतम लवणता पाई जाती है।

24. अधिकतम लवणता कहाँ पाई जाती है?

- (a) बाल्टिक समुद्र (b) ओखोट्स्क समुद्र  
(c) मध्यसागर (d) लाल सागर

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** लाल सागर में लवणता की मात्रा 37‰ से 41‰ पाया जाता है यह अधिक लवणता वाले सागर के अन्तर्गत आता है। इसके अतिरिक्त फारस की खाड़ी (37‰ से 38‰) तथा भूमध्य सागर (37‰ से 39‰) अधिक लवणता वाले क्षेत्र हैं। इन क्षेत्रों में अधिक लवणता का कारण ग्रीष्म ऋतु में शुष्क वायु के प्रभाव से अधिक वाष्पीकरण का होना है। इसके अतिरिक्त इन भागों में किसी बड़ी नदियों द्वारा शुद्ध जल भी इन सागरों में नहीं गिराया जाता है।

25. संपारिस्थितिकी के बारे में कौन सा कथन सही है?

- (a) यह वैयक्तिक जातियों का उनके वातावरण के सम्बन्ध में अध्ययन है।  
(b) यह जीव समुदाय के जटिल अंतः सम्बन्ध का अध्ययन है।  
(c) यह अनिवार्यतः आवास पारिस्थितिकी है।  
(d) यह मुख्यतः सामाजिक पारिस्थितिकी है।

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** संपारिस्थितिकी जीव समुदाय के जटिल अंतः सम्बन्ध का अध्ययन है। फ्रेसर डार्लिंग के अनुसार “पारिस्थितिकी समस्त पर्यावरण के संदर्भ में जीवों का तथा उनके अन्तर्जातीय एवं अपासी अन्तर्सम्बन्धों का विज्ञान है।” स्वपारिस्थितिकी (Autecology), जिसके अन्तर्गत किसी निश्चित पारिस्थितिक तंत्र में एकाकी प्रजाति के पारिस्थितिक सम्बन्धों का अध्ययन किया जाता है। समुदाय पारिस्थितिकी (Synecology), जिसके अन्तर्गत किसी खास पारिस्थितिक तंत्र में वनस्पति समुदाय वन उनके आवास के संदर्भ में अध्ययन किया जाता है।

26. जीवित अथवा मृत जीवों द्वारा निर्मित जैव निक्षेप जो कटक के समान चट्टानी उत्थान बनाते हैं किस नाम से जाने जाते हैं?

- (a) प्रवाल (b) गंभीर खड्ड  
(c) भित्ति (d) निमग्न द्वीप (गाइऑट)

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** जीवित अथवा मृत जीवों द्वारा निर्मित जैव निक्षेप जो कटक के समान चट्टानी उत्थान बनाते हैं, भित्ति के नाम से जाने जाते हैं। जैसे-एक स्थान पर असंख्य मूँगे एक साथ समूह में रहते हैं तथा अपने चारों ओर चूने का घोल बनाते हैं। मूँगा मर जाता है तो उसके ऊपर दूसरा मूँगा अपना खोल बनाने लगता है इस क्रिया के कारण एक लम्बे समय के अन्दर एक विस्तृत भित्ति का निर्माण होता है। महासागरों में गुयाँट या निमग्न द्वीप पर्वत शिखरों की भाँति होते हैं। गुयाँट का शिखर सपाट होता है। गुयाँट के ऊपर अधिकांशतः प्रवाल का विकास होता है।

27. किस विचारधारा सम्प्रदाय ने सर्वप्रथम संभववाद विकसित किया?

- (a) भूगोल का जर्मन सम्प्रदाय  
(b) भूगोल का रशियन सम्प्रदाय  
(c) भूगोल का फ्रांसिसी सम्प्रदाय  
(d) भूगोल का ब्रिटिश सम्प्रदाय

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** भूगोल के फ्रांसिसी सम्प्रदाय ने सर्वप्रथम 'सम्भववाद' विकसित किया। 'लुसियन फ्रेबे' ने सर्वप्रथम 'सम्भववाद' शब्द दिया। सम्भववादियों के लिए पृथ्वी और उसका प्रभाव नहीं वरन् मानव का कार्य आरम्भ बिन्दु है, जिसमें सबसे अधिक महत्वपूर्ण है मानव के चयन करने की स्वतंत्रता। ब्लाश को सम्भववाद को विकसित करने का श्रेय दिया जाता है। फ्रांस में जीन ब्रूस सम्भववाद के कट्टर समर्थक थे।

28. निम्नलिखित में से कौन निश्चयवाद के सिद्धांत के समर्थक नहीं हैं?

- (a) वोल्फगैंग हार्टेक (b) आर. हार्टशोर्न  
(c) ओ. एच. के. स्पैट (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** वोल्फगैंग हार्टेक, आर. हार्टशोर्न, ओ.एच.के.स्पैट निश्चयवाद के समर्थक नहीं थे। निश्चयवाद के अनुसार इतिहास, सभ्यता, जीवन शैली और समाज के समूह, राष्ट्र की विकास की अवस्थाएँ पूर्ण रूप से अथवा अधिकांश में पर्यावरण के भौतिक तत्वों से नियन्त्रित होती हैं। निश्चयवाद का समर्थन करने वाले प्रमुख भूगोलवेत्ता निम्नलिखित हैं- स्ट्रेबो, इमेन्युअल काण्ट, वॉन हम्बोल्ट, कार्ल रिटर, रेटजेल, कुमारी एलेन सेम्पुल, हटिंग्टन आदि।

29. नगरों के आकार और उनकी श्रेणी के बीच नियमितता पर सर्वप्रथम किसने गौर किया?

- (a) जिफ (b) जैफरसन  
(c) औरबाश (d) क्रिस्टॉलर

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** नगरों के आकार और उनकी श्रेणी के बीच नियमितता पर सर्वप्रथम औरबाश ने गौर किया। श्रेणी, आकार, नियम किसी प्रदेश में नगरीय बस्तियों का उनके आकार के अनुसार वितरण के प्रतिरूप का सही चित्रण प्रस्तुत करता है। औरबाश ने अपना विचार 1913 में प्रस्तुत किया। मार्क जैफरसन प्राइमेट सिटी (1939) की संकल्पना के प्रतिपादक है। क्रिस्टॉलर ने (1933) में केन्द्र स्थल सिद्धांत का प्रतिपादन किया।

30. भूगोल में आदर्शवाद के समर्थक निम्नलिखित में से कौन हैं?

- (a) गुएल्के (b) गिलबर्ट (c) सैम्युल्स (d) पोकोक

उत्तर-(a)

**व्याख्या :** भूगोल में आदर्शवाद के समर्थक गुएल्के हैं। गुएल्के ने भूगोल में आदर्शवादी उपागम का विकास तथा मानवतावादी भूगोल का विकास किया। उन्होंने कहा कि हमने मानव के मस्तिष्क में प्रवेश करने की पद्धति विकसित कर ली। उनके अनुसार मात्रात्मक विधियाँ प्रत्यक्षवाद को समझने के लिए तो उपर्युक्त है परन्तु आदर्शवादी विधि के लिए खतरनाक हो सकती है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक भूगोलवेत्ताओं को अपनी तकनीक नहीं बल्कि अपने दर्शन के बारे में सोचने की आवश्यकता है। गुएल्के के अनुसार आदर्शवादी दर्शन की दो स्थितियाँ हैं-

तात्विक (Motaphysical)

दृश्यमान विधि (Phonomonal Approach)

31. यह कथन कि वो पद्धति जिसके द्वारा व्यक्ति उन लोगों जिनकी क्रियाओं को वह स्पष्ट करना चाहता है, उनकी सोच के बारे में पुनः विचार कर सकता है। मानव भूगोल में किसके दर्शन का संकेत करता है?

- (a) परिघटनावाद (b) आदर्शवाद  
(c) अस्तित्ववाद (d) प्रत्यक्षवाद

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** आदर्शवाद संवृत्तिशास्त्र (घटना क्रिया विज्ञान) की शृंखला की एक दार्शनिक विचारधारा है जिसकी मान्यता है कि वो पद्धति जिसके द्वारा व्यक्ति उन लोगों जिनकी क्रियाओं को वह स्पष्ट करना चाहता है, उनकी सोच के बारे में पुनः विचार कर सकता है। अस्तित्ववाद एक दार्शनिक विचार है जो यह मानता है कि मानव स्वयं अपनी प्रकृति का निर्माता है। यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता, वैयक्तिक निर्णय और वैयक्तिक वचनबद्धता पर बल देता है। अस्तित्ववाद की केन्द्रीय संकल्पना, स्थान का अस्तित्व है।

32. भूगोल की आत्मा एवं उद्देश्य के आमूलचूल रूपान्तरण के लिये निम्नलिखित में से क्या उत्तरदायी है?

- (a) उत्तर-आधुनिकवाद (b) मानवतावाद  
(c) संरचनावाद (d) मात्रीकरण (अथवा परिमाणन)

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** भूगोल की आत्मा एवं उद्देश्य के आमूलचूल रूपान्तरण के लिए मात्रीकरण (अथवा परिमाणन) उत्तरदायी है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भूगोलवेत्ताओं ने विशेषकर विकसित देशों में साहित्यिक भाषा की अपेक्षा गणितीय भाषा को महत्व दिया। इस प्रकार भूगोल में अधिकाधिक गणितीय आँकड़ों, सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग होने लगा जिसे मात्रात्मक क्रांति कहा गया। मात्रात्मक क्रांति के प्रमुख समर्थक पीटर हैगेट, रिचर्ड शोर्ले तथा डेविड हार्वे थे।

33. वेगनर के अनुसार, महाद्वीपीय विस्थापन के लिये निम्नांकित में से कौन सा बल/शक्ति उत्तरदायी है?

- (a) ज्वारीय बल (b) संवहन धाराएँ  
(c) तनाव-मूलक बल (d) दबाव-मूलक बल

उत्तर-(a)

**व्याख्या :** वेगनर के अनुसार, महाद्वीपीय विस्थापन के लिए ज्वारीय बल उत्तरदायी है। वेगनर महोदय ने बताया कि महाद्वीपों का प्रवाह पश्चिम की ओर हुआ था। इसका प्रमुख कारण वेगनर ने सूर्य तथा चन्द्रमा के ज्वारीय बल को बताया है। जब चन्द्रमा की भ्रमण गति

तीव्र रही होगी, उस समय यह बल और प्रबल रहा होगा। पृथ्वी पश्चिम से पूर्व की ओर घूमती है, ज्वारीय घर्षण पृथ्वी के भ्रमण पर रोक का काम करती है। फलस्वरूप महाद्वीपीय भाग परिभ्रमण में पृथ्वी का साथ नहीं दे पाते हैं तथा पीछे छूट जाते हैं। इस कारण स्थल भाग पश्चिम की तरफ प्रवाहित होने लगते हैं।

**34. जनगणना 2011 के अनुसार जनसंख्या का उच्चतम घनत्व किस राज्य/संघ राज्य क्षेत्र ने सूचित किया है?**

- (a) चण्डीगढ़ (b) पश्चिमी बंगाल (c) केरल (d) महाराष्ट्र  
**उत्तर-(a)**

**व्याख्या :** 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या का उच्चतम घनत्व चण्डीगढ़ राज्य का है। चण्डीगढ़ का घनत्व 9258 है। जबकि पश्चिम बंगाल का 1028, केरल का 860 एवं महाराष्ट्र का 365 जनसंख्या घनत्व है। जनगणना 2011 के अनुसार शीर्ष पाँच जनघनत्व वाले राज्य निम्नलिखित हैं-

(राज्य)	(जनघनत्व/वर्ग किमी.)
1. बिहार	1106
2. पश्चिम बंगाल	1028
3. केरल	860
4. उत्तर प्रदेश	829
5. हरियाणा	573

**35. यदि किसी क्षेत्र का आर्थिक भूदृश्य अपने सबसे बड़े शहर की 4.0 लाख की जनसंख्या के साथ केन्द्रीय स्थान तंत्र के 'परिवहन सिद्धांत' पर आश्रित है तो, अगले क्रम के छोटे शहर की जनसंख्या का आकार निम्नलिखित में से क्या होगा?**

- (a) 3.0 लाख (b) 2.0 लाख  
(c) 1.0 लाख (d) 0.5 लाख

**उत्तर-(c)**

**व्याख्या :** यदि किसी क्षेत्र का आर्थिक भूदृश्य अपने सबसे बड़े शहर की 4.0 लाख की जनसंख्या के साथ केन्द्रीय स्थान तंत्र के 'परिवहन सिद्धांत' पर आश्रित है तो, अगले क्रम के छोटे शहर की जनसंख्या का आकार 1.0 लाख होगा। जी.के.जिफ द्वारा प्रतिपादित कोटि आकार नियम (1941) नगरीय भूगोल में प्रयुक्त एक महत्वपूर्ण नियम है। जिनके अनुसार किसी प्रदेश या देश के नगर की कोटि और उसके जनसंख्या आकार में निश्चित अनुपात पाया जाता है। कोटि के नगरों की संभावित या प्रत्याशित जनसंख्या का आकलन निम्नांकित सूत्र द्वारा किया जाता है।

$$P_n = P_1(n)^{-1} = \frac{P_1}{n}$$

$P_n = n$ वें कोटि वाले नगर की प्रत्याशित जनसंख्या  
 $P_1 =$  प्रथम कोटि के (बृहत्तम) नगर की वास्तविक जनसंख्या  
 $n =$  कोटि की मान.

**36. क्षेत्रीय व्यवस्था, आवास गृहों के प्रकार तथा अधिवास पैटर्न की अवधारणा को सर्वप्रथम सम्मिलित करते हुए अधिवास भूगोल को किसने परिभाषित किया?**

- (a) मेटजन (b) स्टोन (c) हंटिंगटन (d) ट्रेवार्थ

**उत्तर-(a)**

**व्याख्या :** क्षेत्रीय व्यवस्था, आवास गृहों के प्रकार तथा अधिवास पैटर्न की अवधारणा को सर्वप्रथम सम्मिलित करते हुये अधिवास भूगोल को मेटजन ने परिभाषित किया।

हंटिंगटन की प्रमुख पुस्तकें निम्नलिखित हैं-

- दि पल्स आफ एशिया (1907)
- पैलेस्टाइन एण्ड इट्स ट्रांसफारमेशन (1911)
- सभ्यता और जलवायु (1915)
- मानव भूगोल के सिद्धांत (1920)

**37. छितरेपन (विरलता) से बसे देशों में उद्योगों का विकास धीमा होता है क्योंकि**

- (a) कुशल श्रम की कमी  
(b) कम जनसंख्या उपयुक्त बाजार नहीं प्रदान करती है।  
(c) (a) और (b) दोनों।  
(d) उद्योगों की तुलना में कृषि ज्यादा विकसित होती है।

**उत्तर-(c)**

**व्याख्या :** छितरेपन (विरलता) से बसे देशों में उद्योगों का विकास धीमा होता है क्योंकि वहाँ मानव बसाव कम होने के कारण कुशल श्रम की उपलब्धता नहीं हो पाती है तथा कम जनसंख्या के कारण उत्पाद की मांग भी कम रहती है तथा उपयुक्त बाजार प्रदान नहीं हो पाता है। भारत के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र पहाड़ी क्षेत्र एवं विरल जनसंख्या उद्योगों के विकास के लिए अनुकूल दशाएँ नहीं पायी जाती हैं।

**38. निम्नलिखित देशों में से किसमें जनसंख्या का घनत्व सबसे अधिक है?**

- (a) बांग्लादेश (b) पाकिस्तान (c) श्रीलंका (d) भारत  
**उत्तर-(a)**

**व्याख्या :** प्रश्नगत विकल्पों में बांग्लादेश का जनसंख्या घनत्व सर्वाधिक है

देश	जनघनत्व (व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.)
बांग्लादेश	1115
श्रीलंका	333
पाकिस्तान	312
भारत	382

**39. निम्न आयु समूह में जनसंख्या का आकार उन देशों में बड़ा होता है जहाँ :**

- (a) जन्मदर उच्च है। (b) जन्मदर निम्न है।  
(c) मृत्यु दर उच्च है। (d) मृत्युदर निम्न है।

**उत्तर-(a)**

**व्याख्या :** निम्न आयु समूह में जनसंख्या का आकार उन देशों में बड़ा होता है जहाँ जन्म दर उच्च होती है। मुख्य रूप से जन्म दर को किसी जनसंख्या के विभिन्न आयु वर्गों में लोगों के अनुपात को प्रभावित करती है। अधिकांशतः जन्म दर उच्च उन देशों में पायी जाती है, जहाँ शिक्षा की कमी, रोजगार के साधनों की कमी इत्यादि समस्याएँ हैं। विकासशील देशों में ही यह स्थिति प्रधान रूप से पायी जाती है।

**40. किन देशों में आयु-लिंग पिरामिड का आधार विस्तृत और शिखर संकीर्ण होता है?**

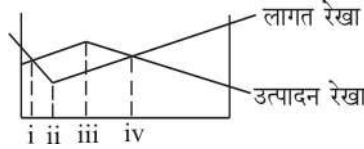
- (a) विकसित देश (b) विकासशील देश  
(c) अल्प विकसित देश (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

**उत्तर-(b)**

**व्याख्या :** विकासशील देशों में आयु-लिंग पिरामिड का आधार विस्तृत और शिखर संकीर्ण होता है। इसका अर्थ यह है कि किशोरों की संख्या सबसे अधिक, युवकों की संख्या उससे कम तथा वृद्धों की संख्या सबसे कम है। इससे यह भी संकेत मिलता है निकट

भविष्य में विकासशील देशों जैसे भारत, चीन, इत्यादि में जनसंख्या में तीव्र वृद्धि होगी क्योंकि जब 0 - 14 वर्ष की आयु वर्ग के किशोर एवं किशोरियाँ बड़े होकर प्रजनन की अवस्था में प्रवेश करेंगे तो जनसंख्या में प्राकृतिक रूप से वृद्धि होगी। 'आयु पिरामिड जनसंख्या' आयु संरचना के विश्लेषण की एक लोकप्रिय तथा सर्वाधिक प्रचलित विधि है। यह एक आरेखीय विधि है जो स्त्री जनसंख्या और पुरुष जनसंख्या की आयु संरचना को प्रदर्शित करती है, अतः इसे आयु एवं लिंग पिरामिड के नाम से भी जाना जाता है।

41. औद्योगिक दृश्यभूमि के दिये आरेख में बाजार की कौन सी अवस्थिति इष्टतम है?



- (a) iii (b) ii (c) iv (d) i  
उत्तर-(b)

**व्याख्या :** औद्योगिक दृश्यभूमि में दिए गए आरेख में बाजार की ii स्थिति इष्टतम होगी। उपर्युक्त चित्र में स्मिथ ने उद्योग की उपयुक्त स्थिति के निर्धारण हेतु स्थानिक सीमाओं का उपयोग होता है, अतः इनके सिद्धांत को स्थानिक सीमा का सिद्धांत के नाम से जाना जाता है। स्थानिक सीमा की संकल्पना का प्रतिपादन सर्वप्रथम रास्ट्रोन ने 1958 में किया था। यह किसी भूगोलवेत्ता द्वारा प्रतिपादित मौलिक स्थानिक-आर्थिक संकल्पनाओं में से एक है। वर्तमान समय में स्थानिक सीमा औद्योगिक अवस्थिति सिद्धांत का अभिन्न तथ्य बन गयी हैं।

42. स्थानांतरी खेती के सम्बन्ध में निम्नलिखित सुमेलित युग्मों में से कौन सा सही नहीं है?

- (a) लाडांग : इंडोनेशिया  
(b) रे : वियतनाम  
(c) मिल्पा : मैक्सिको  
(d) तामराई : ब्राजील

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** स्थानांतरित खेती के संबंध में सही सुमेलित युग्म इस प्रकार हैं-

(स्थानान्तरित कृषि)(देश)

झूम	भारत
कोनूको	वेनेजुएला
तुग्या	म्यांमार
कैगिन	फिलीपीन्स
चेन्ना	श्रीलंका
तमराई	थाइलैण्ड
चैतगिनी	युगांडा
मेसोले	जायरे
तावी	मैडागास्कर, मालगासी
लादांग	इण्डोनेशिया

43. ध्रुवीय क्षेत्र छितरेपन से बसे होते हैं क्योंकि

- (a) निम्न तापमान के कारण उपज तैयार होने का समय कम होता है।  
(b) कोई खनिज संसाधन नहीं होते हैं।  
(c) क्षेत्रों को वन बना दिया जाता है।  
(d) (b) और (c) दोनों।

उत्तर-(a)

**व्याख्या :** ध्रुवीय क्षेत्र छितरेपन से बसे होते हैं क्योंकि निम्न तापमान के कारण उपज तैयार होने का समय कम होता है। ध्रुवीय क्षेत्र में मानव बसाव न होने का प्रमुख कारण, वहाँ की जलवायु का मानव के लिए उपर्युक्त न होना है।

44. अभ्रक का मुख्य उत्पादक कौन सा देश है?

- (a) भारत (b) यू. एस. ए. (c) ब्राजील (d) चीन  
उत्तर-(d)

**व्याख्या :** अभ्रक का मुख्य उत्पादक देश चीन है। अभ्रक आग्नेय और कायान्तरित शैलों में कई रंगों (सफेद, गुलाबी, हरा, काला) में पाया जाता है। यह पारदर्शक, लचीला और ताप विद्युत निरोधक है। भारत में अभ्रक के मुख्य उत्पादक राज्य हैं- आन्ध्रप्रदेश, राजस्थान, झारखण्ड। अतः भारत का अभ्रक (प्राकृतिक सीट) के भण्डार में प्रथम स्थान है। वर्तमान समय में शीर्ष अभ्रक उत्पादक देश क्रमशः चीन, मेडागास्कर, अमेरिका, कोरिया रिपब्लिक तथा फ्रांस है।

45. सूची - I को सूची - II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें:

	सूची - I (क्षेत्र)		सूची - II (आर्थिक गतिविधि)
1	प्राथमिक क्षेत्र	i	कारोबारी संगठन
2	गौण या द्वितीयक क्षेत्र	ii	खेती
3	तृतीय क्षेत्र	iii	हस्तकरघा वस्त्र
4	चतुर्थ महाकल्प	iv	परिवहन सेवाएँ

कूट:

- |          |       |       |      |
|----------|-------|-------|------|
| (1)      | (2)   | (3)   | (4)  |
| (a) (i)  | (ii)  | (iii) | (iv) |
| (b) (ii) | (iii) | (iv)  | (i)  |
| (c) (ii) | (iii) | (i)   | (iv) |
| (d) (iv) | (iii) | (ii)  | (i)  |

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार हैं-

सूची - I (क्षेत्र)	सूची - II (आर्थिक गतिविधियाँ)
प्राथमिक क्षेत्र	खेती
गौण या द्वितीयक क्षेत्र	हस्तकरघा वस्त्र
तृतीय क्षेत्र	परिवहन सेवाएँ
चतुर्थ महाकल्प	कारोबारी संगठन

अतः विकल्प (b) सही सुमेलित हैं।

46. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें :

	सूची - I (औद्योगिक गतिविधियाँ)		सूची - II (स्पष्टीकरण)
1	प्रक्रमण (प्रोसेसिंग गतिविधियाँ)	i	इनपुट्स (आगतें) प्रक्रमित वस्तुएँ हैं।
2	विरचनाकारी गतिविधियाँ	ii	मुख्य आगतें कच्चा माल है।
3	समाकलनात्मक गतिविधियाँ	iii	न तो इनपुट्स न आऊटपुट्स से जुड़ी है।
4	प्रशासनिक गतिविधियाँ	iv	इनपुट्स प्रक्रमित वस्तुएँ हैं जिनमें थोड़ा बदलाव आ रहा है।

कूटः

	(1)	(2)	(3)	(4)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(d)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार हैं-

सूची-I (औद्योगिक गतिविधियाँ)	सूची-II (स्पष्टीकरण)
प्रक्रमण (प्रोसेसिंग) गतिविधियाँ	- मुख्य आगते कच्चा माल है
विरचनाकारी गतिविधियाँ	- इनपुट्स (आगते) प्रक्रमित वस्तुएँ हैं।
समाकलनात्मक गतिविधियाँ	- इनपुट्स प्रक्रमित वस्तुएँ हैं जिनमें थोड़ा बदलाव आ रहा है।
प्रशासनिक गतिविधियाँ	- न तो इनपुट्स और न ही आउटपुट्स से जुड़ी होती है

अतः विकल्प (b) सही सुमेलित है।

47. प्रति इकाई कृषि भूमि के सन्दर्भ में व्यक्त व्यक्तियों की संख्या कहलाती है

- (a) आर्थिक घनत्व (b) कायिक घनत्व  
(c) गणितीय घनत्व (d) कृषिक घनत्व

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** प्रति इकाई कृषि भूमि के संदर्भ में व्यक्त व्यक्तियों की संख्या कायिक घनत्व कहलाती है।

$$\text{कृषिक घनत्व} = \frac{\text{कृषि संलग्न या कृषि पर आधारित जनसंख्या}}{\text{कुल कृषि योग्य भूमि}}$$

$$\text{कायिक घनत्व} = \frac{\text{प्रदेश की कुल जनसंख्या}}{\text{प्रदेश की कुल कृषि योग्य भूमि}}$$

$$\text{आर्थिक घनत्व} = \frac{\text{देश की कुल जनसंख्या}}{\text{देश के सम्पूर्ण संसाधनों का मूल्य (एकल इकाई में)}}$$

$$\text{गणितीय घनत्व} = \frac{\text{प्रदेश की कुल जनसंख्या}}{\text{प्रदेश का कुल क्षेत्र}}$$

48. पादप तथा पशु जीवन के भौतिक निर्धारकों को मिलाकर वैश्विक पैमाने पर प्राकृतिक क्षेत्रों की शानदार योजना किसने प्रस्तावित की?

- (a) अनस्टेड (b) हरबर्टसन  
(c) विट्टलसे (d) डिकिंसन

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** पादप तथा पशु जीवन के भौतिक निर्धारकों को मिलाकर वैश्विक पैमाने पर प्राकृतिक क्षेत्रों की शानदार योजना हरबर्टसन ने प्रस्तावित की। हरबर्टसन ने सर्वप्रथम विश्व को 15 प्राकृतिक प्रदेशों में विभाजित किया। 1911 में प्रकाशित 'मानव और उसका कार्य' नामक पुस्तक में हरबर्टसन ने प्राकृतिक प्रदेशों और मानव के बीच सम्बंधों की व्याख्या की है। इसमें उन्होंने अपना स्पष्ट विचार व्यक्त किया है कि प्राकृतिक दशाएँ मानव को इस सीमा तक प्रभावित करती हैं कि वे मानवीय कार्यों में प्रकट होने लगती हैं।

49. ब्रुंश ने मानव भूगोल के अनिवार्य तथ्य के रूप में किसका जिक्र नहीं किया है?

- (a) मृदा के अनुत्पादक उपयोग के तथ्य  
(b) पादप तथा पशु विजय के तथ्य  
(c) विनाशकारी शोषण के तथ्य  
(d) विनिर्माण के तथ्य

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** ब्रुंश ने मानव भूगोल के अनिवार्य तथ्य के रूप में विनिर्माण के तथ्य का जिक्र नहीं किया है जबकि मृदा के अनुत्पादक उपयोग के तथ्य, पादप तथा पशु विजय के तथ्य एवं विनाशकारी शोषण के तथ्य को मानव भूगोल के अनिवार्य तथ्य में शामिल किया। ब्रुंश के अनुसार गृहों और सड़कों के अन्तर्गत प्रयुक्त भूमि से कोई आर्थिक उत्पादन नहीं प्राप्त होता है। अतः उन्होंने इसे अनुत्पादक व्यवसाय की संज्ञा दी है। ब्रुंश ने कृषि और पशुपालन को क्रमशः प्राकृतिक वनस्पतियों तथा जंगली पशुओं पर मनुष्य की विजय का प्रतीक माना है। ब्रुंश ने विनाशकारी आर्थिक क्रियाओं को आर्थिक लूट और इस प्रकार की अर्थव्यवस्था को लुटेरी अर्थव्यवस्था की संज्ञा प्रदान की है।

50. निम्नलिखित कारकों में से मतदान व्यवहार को कौन सा कारक प्रभावित नहीं कर रहा है?

- (a) धर्म (b) जाति  
(c) साक्षरता का उच्च स्तर (d) भू-जोत का आकार

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** मतदान व्यवहार को धर्म, जाति, शिक्षा, विकास आदि प्रभावित करते हैं, जबकि भूजोत का आकार मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं करता। भारत एक लोकतंत्रात्मक गणराज्य है यहाँ पर सार्वभौमिक मताधिकार की व्यवस्था है। अनुच्छेद 326 के तहत लोकसभा तथा विधानसभा के सदस्यों का चुनाव वयस्क मताधिकार के माध्यम से होता है। पहले मत देने की आयु 21 वर्ष थी। 61वें संवैधानिक संशोधन द्वारा 1989 ई. में घटाकर 18 वर्ष कर दी गयी।

51. सामाजिक-कल्याण का श्रेष्ठ सूचक निम्नलिखित में से कौन सा है?

- (a) जनसंख्या संवृद्धि दर (b) साक्षरता दर  
(c) जीवन प्रत्याशा (d) प्रति-व्यक्ति आय

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** सामाजिक कल्याण का श्रेष्ठ सूचक जीवन प्रत्याशा है। विकास के आर्थिक कारक विकास की सही तस्वीर प्रस्तुत नहीं करते हैं। उदाहरण के लिए मध्य पूर्व के देशों में खनिज तेल से हुई आमदनी से प्रति व्यक्ति आय अधिक है परन्तु ये देश समाजिक रूप से पिछड़े हुये हैं। अतः आर्थिक संकेतकों के साथ विकास के सामाजिक संकेतक भी महत्वपूर्ण हैं।

52. 'रिमलैंड सिद्धांत' की अवधारणा निम्नलिखित में से किसने प्रस्तुत की थी?

- (a) ए. रैटजल (b) ओ. एच. के. स्पैट  
(c) स्पाइकमैन (d) ग्रिफिथ टेलर

उत्तर-(c)

**व्याख्या:** 'रिमलैण्ड सिद्धांत' की अवधारणा स्पाइकमैन ने प्रस्तुत की। स्पाइकमैन ने 1944 में 'शान्ति का भूगोल' नामक पुस्तक लिखी जिसमें उन्होंने 'रिमलैण्ड के सिद्धांत' को प्रस्तुत किया। उन्होंने मैकिण्डर के विचारों के विपरीत विचार प्रकट किया तथा बताया कि हृदयस्थल तथा रिमलैण्ड का सापेक्षिक महत्व है। हृदयस्थल के इर्द-गिर्द रिमलैण्ड है जो अंशतः महाद्वीपीय तथा अंशतः महासागरीय है। स्पाइकमैन की मान्यता है कि हृदयस्थल की तुलना में रिमलैण्ड अधिक महत्वपूर्ण है।

**53. राजनीतिक भूगोल में 'हार्टलैण्ड' का सिद्धांत किसने प्रतिपादित किया?**

- (a) मैकिण्डर (b) स्पाइकमैन (c) स्मिथ (d) रैज  
उत्तर-(a)

**व्याख्या :** राजनीतिक भूगोल में 'हार्टलैण्ड' का सिद्धांत मैकिण्डर ने प्रतिपादित किया। मैकिण्डर ने सर्वप्रथम 1904 में अपने निबंध 'इतिहास की भौगोलिक धुरी' में इसे प्रस्तुत किया। मैकिण्डर ने एशिया, यूरोप और अफ्रीका में केवल उत्तरी भाग को मिलाकर विश्व द्वीप की संज्ञा दी। विश्व द्वीप के आन्तरिक आर्कटिक जल प्रवाह के क्षेत्र जो तीन ओर से पर्वतीय शृंखलाओं तथा उत्तर की ओर हमेशा बर्फ से ढके रहने वाले आर्कटिक सागर से घिरे हैं, को मैकिण्डर ने धुरी क्षेत्र नाम दिया। बाद में उन्होंने धुरी का नाम बदलकर हृदय क्षेत्र रख दिया।

**54. कार्यात्मक क्षेत्र किसके आधार पर निरूपित किया जाता है?**

- (a) प्रशासनिक परिसीमाएँ (b) अंतःक्रियाओं का क्षेत्र  
(c) सममान रेखाएँ (d) भौतिक प्रभाग  
उत्तर-(b)

**व्याख्या :** कार्यात्मक क्षेत्र अंतःक्रियाओं के आधार पर निरूपित किए जाते हैं। क्षेत्रीय स्वरूप में विभिन्नता होते हुये भी जब कोई क्षेत्र या प्रदेश किसी एक केन्द्र से कार्यात्मक अन्तर्सम्बन्धों में घनिष्ठ रूप से जुड़ा होता है तो उसे कार्यात्मक प्रदेश कहते हैं। एक कार्यात्मक क्षेत्र एक क्षेत्रीय इकाई है जो सामाजिक या आर्थिक रूप से एक-दूसरे से बातचीत करने वाली कई उप-इकाइयों से बनी होती है।

**55. भारत में शहरों के कार्यात्मक वर्गीकरण के लिये जनगणना में त्रिआधारी आरेख किसने प्रस्तुत किया?**

- (a) पी. पद्मानाभा (b) ए. आर. नंदा  
(c) अशोक मित्रा (d) चन्द्रशेखर  
उत्तर-(c)

**व्याख्या :** भारत में शहरों के कार्यात्मक वर्गीकरण के लिए जनगणना में त्रिआधारी आरेख अशोक मित्रा ने प्रस्तुत किया। अशोक मित्रा ने 1991 में भारत की जनगणना (1971) में औद्योगिक श्रेणियों के आधार पर शहर का कार्यात्मक वर्गीकरण दिया। हैरिस और नेल्सन की तरह उन्होंने भी भारत के कस्बों और शहरों को आर्थिक कार्य के आधार पर वर्गीकृत किया। अशोक मित्रा का शहरों का कार्यात्मक वर्गीकरण अपने लचीले दृष्टिकोण के कारण भारतीय संदर्भ में सबसे उपयुक्त है। सी.एस.चन्द्रशेखर ने भारत को 13 स्थल प्रदेशों में विभक्त किया, उनका प्रादेशीकरण द्वि-स्तरीय था। दूसरे स्तर पर 35 मध्य स्तरीय प्रदेश थे। ऐसे प्रदेशों को उन्होंने नियोजन प्रदेशों की संज्ञा दी।

**56. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें:**

	सूची - I (लेखक)		सूची - II (पुस्तक)
1	डब्ल्यू. क्रिस्टॉलर	i	रूरल सैट्टलमेंट एण्ड लैण्ड यूज
2	वी. एल. एस. प्रकाश राँय	ii	मेट्रोपोलिटन हैदराबाद एण्ड इट्स रीजन
3	मंजूर आलम एवं डब्ल्यू. खान	iii	रीजनल प्लैनिंग
4	एम. चिशोल्म	iv	सेन्ट्रल प्लेसिस इन साऊथर्न जर्मनी

**कूट :**

- (1) (2) (3) (4) (1) (2) (3) (4)  
(a) (i) (iii) (iv) (ii) (b) (ii) (i) (iii) (iv)  
(c) (iv) (iii) (ii) (i) (d) (i) (ii) (iii) (iv)  
उत्तर-(c)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार है-

सूची - I (लेखक)	सूची - II (पुस्तक)
डब्ल्यू. क्रिस्टॉलर	सेन्ट्रल प्लेसिस इन साऊथर्न जर्मनी
वी. एल. एस. प्रकाश राँय	रीजनल प्लैनिंग
मंजूर आलम एवं डब्ल्यू. खान	मेट्रोपोलिटन हैदराबाद एण्ड इट्स रीजन
एम. चिशोल्म	रूरल सैट्टलमेंट एण्ड लैण्ड यूज

अतः विकल्प (c) सही सुमेलित है।

**57. 'ग्रोथ पोल एण्ड ग्रोथ सेंटरस् फोर रीजनल इकोनोमिक डेवलपमेंट इन इंडिया' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?**

- (a) सेन एवं वनमाली (b) सदास्युक एण्ड सेनगुप्ता  
(c) मिश्रा, राव एवं सुन्दरम् (d) राव एवं सुन्दम्  
उत्तर-(\* )

**व्याख्या :** 'ग्रोथ पोल एण्ड ग्रोथ सेंटरस् फोर रीजनल इकोनोमिक डेवलपमेंट इन इंडिया' नामक पुस्तक के लेखक मिश्रा, राव एवं सुन्दरम् हैं। अतः विकल्प (c) एवं (d) दोनों सही हैं।

**नोट:-** अतः आयोग ने इस प्रश्न को विलोपित करते हुए छात्रों में समान अंक प्रदान किया है।

**58. जनगणना के रिकॉर्ड के अनुसार, वर्ष 2001 और वर्ष 2011 के बीच के काल के दौरान जनसंख्या की उच्चतम दशकीय वृद्धि किस राज्य में सूचित की गई?**

- (a) बिहार (b) उत्तर प्रदेश  
(c) राजस्थान (d) अरुणाचल प्रदेश  
उत्तर-(d)

**व्याख्या :** जनगणना के रिकॉर्ड के अनुसार वर्ष 2001 और वर्ष 2011 के बीच के काल के दौरान जनसंख्या की उच्चतम दशकीय वृद्धि अरुणाचल प्रदेश की है।

(राज्य)	(दशकी वृद्धि दर %)
अरुणाचल प्रदेश	26.03%
बिहार	25.42%
राजस्थान	21.31%
उत्तर प्रदेश	20.23%

59. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें:

सूची-I (जलवायु का प्रकार)		सूची - II (क्षेत्र)	
1	Aw	i	कर्नाटक का वर्षा छायांकित मंडल
2	Amw	ii	थार मरुस्थल
3	BShw	iii	प. बंगाल एवं बिहार
4	BWhw	iv	मालाबार तट

कूट:

(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर-(a)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार है-

सूची - I (जलवायु का प्रकार)	सूची - II (क्षेत्र)
Aw	पं. बंगाल एवं बिहार
Amw	मालाबार तट
BShw	कर्नाटक का वर्षा छायांकित मंडल
BWhw	थार मरुस्थल

अतः विकल्प (a) सही सुमेलित है।

60. निम्नलिखित नदियों में से कौन सी नदी डेल्टा नहीं बनाती है?

- (a) महानदी (b) गोदावरी (c) ताप्ती (d) गंगा

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** महानदी, गंगा तथा गोदावरी डेल्टा का निर्माण करती हैं जबकि ताप्ती नदी डेल्टा का निर्माण नहीं करती है यह भ्रंश घाटी से होकर प्रवाहित होती है। भ्रंश घाटी से प्रवाहित होने के कारण इसमें मलवा का अभाव पाया जाता है। पश्चिम की ओर प्रवाहित होने वाली ताप्ती नदी का उद्भव बेटुल जनपद में मुल्ताई के पास सतपुड़ा श्रेणी से होता है। यह 724 किमी. लम्बी है। ताप्ती नदी महाराष्ट्र, गुजरात तथा मध्यप्रदेश राज्यों से होकर गुजरती है। काकरापारा और उकाई परियोजनाओं द्वारा इसके जल का उपयोग किया जाता है।

61. कौन सी नदी हिमाचल प्रदेश के रास्ते से होकर नहीं बहती है?

- (a) झेलम (b) व्यास  
(c) चेनाब (d) रावी

उत्तर-(a)

**व्याख्या :** झेलम हिमाचल प्रदेश के रास्ते से होकर नहीं बहती है जबकि व्यास, रावी तथा चेनाब हिमाचल प्रदेश के रास्ते से होकर बहती है। झेलम सिन्धु की प्रमुख सहायक नदी है यह शोषनाग झील से निकलकर वूलर झील से होती हुई पाकिस्तान सीमा के पास वासमंगल के निकट एक गहरा महाखड्ड बनाती है। कश्मीर में यह परिवहन तथा व्यापार के लिए अति उपयोगी है।

62. सूची - I को सूची - II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिये:

	सूची - I (नदी)		सूची - II (उनकी सहायक नदियाँ)
1	कृष्णा	i	चम्बल
2	ब्रह्मपुत्र	ii	इन्द्रावती
3	गोदावरी	iii	तीस्ता
4	यमुना	iv	भीमा

कूट:

(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर-(a)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार है-

सूची - I (नदी)	सूची - II (उनकी सहायक नदियाँ)
कृष्णा	भीमा
ब्रह्मपुत्र	तीस्ता
गोदावरी	इन्द्रावती
यमुना	चम्बल

अतः विकल्प (a) सही सुमेलित है।

63. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें:

	सूची - I (मृदा)		सूची - II (राज्य)
1	जलोढ़	i	राजस्थान
2	काली मिट्टी (रेगर)	ii	उत्तर प्रदेश
3	मरुस्थल	iii	महाराष्ट्र
4	लाल	iv	मेघालय

कूट:

(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार है-

सूची - I (मृदा)	सूची - II (राज्य)
जलोढ़	उत्तर प्रदेश
काली मिट्टी	महाराष्ट्र
मरुस्थल	राजस्थान
लाल	मेघालय

अतः विकल्प (c) सही सुमेलित है।



64. कौन से राज्य में जनवरी के महीने में निम्नतम सामान्य तापमान दर्ज किया जाता है?

- (a) बीकानेर (b) बंगलौर  
(c) जैसलमेर (d) फिरोजपुर

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** फिरोजपुर (पंजाब) में जनवरी के महीने में निम्नतम सामान्य तापमान दर्ज किया जाता है। फिरोजपुर में वर्ष का सबसे ठंडा महीना जनवरी का होता है जबकि सबसे गर्म महीना जून का है इस समय मौसम साफ होता है। कुछ अन्य महत्वपूर्ण निम्नतम तापमान वाले स्थान इस प्रकार हैं।

स्थान	तापमान (C°)
शिलांग	3.6
कोलकाता	13.6
जयपुर	8.2
जोधपुर	9.5

65. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिये:

	सूची-I (दर्जा)		सूची-II (राज्य)
1	शिपकिला	i	अरूणाचल प्रदेश
2	नीति दर्जा	ii	हिमाचल प्रदेश
3	नाथुला	iii	उत्तराखण्ड
4	बोमडिला	iv	सिक्किम

कूट:

(1)	(2)	(3)	(4)
(a) (ii)	(iii)	(iv)	(i)
(b) (ii)	(iii)	(i)	(iv)
(c) (iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d) (iv)	(ii)	(iii)	(i)

उत्तर-(a)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार है-

सूची-I (दर्जा)	सूची-II (राज्य)
शिपकिला	हिमाचल प्रदेश
नीति दर्जा	उत्तराखण्ड
नाथुला	सिक्किम
बोमडिला	अरूणाचल

अतः विकल्प (a) सही सुमेलित है।

66. अनुसूचित जनजातियों का निम्नतम प्रतिशत निम्नलिखित में से किस राज्य में है?

- (a) अरूणाचल प्रदेश (b) मणिपुर  
(c) मिजोरम (d) नागालैंड

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** अनुसूचित जनजातियाँ का निम्नतम प्रतिशत मणिपुर राज्य में है। जबकि अनुसूचित जाति की सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश उत्तर प्रदेश है।

शीर्ष पाँच अनुसूचित जनजाति वाले राज्य/के.शा.प्र. इस प्रकार हैं-

1. लक्षद्वीप	94.8 प्रतिशत
2. मिजोरम	94.4 प्रतिशत

3. नागालैंड	86.5 प्रतिशत
4. मेघालय	86.1 प्रतिशत
5. अरूणाचल प्रदेश	68.8 प्रतिशत

67. छोटानागपुर पठार का उत्तर पूर्वी छोर कौन सी पहाड़ियों से बना है?

- (a) राजमहल पहाड़ियाँ (b) मिकिर पहाड़ियाँ  
(c) पारसनाथ पहाड़ियाँ (d) जावादी पहाड़ियाँ

उत्तर-(a)

**व्याख्या :** छोटानागपुर पठार का उत्तर-पूर्वी छोर राजमहल की पहाड़ियों से बना है। यह पठार झारखण्ड के पलामू, धनबाद, गया, हजारीबाग व राँची जिला में विस्तृत है। महानदी, सोन, स्वर्णरेखा व दामोदर नदी पठार की प्रमुख नदी है महानदी इसकी दक्षिणी सीमा बनाते हुए दक्षिण पूर्व दिशा में प्रवाहित होती है। दामोदर नदी के उत्तर में हजारीबाग तथा कोडरमा का पठार तथा दक्षिण में राँची का पठार विस्तृत है। यह पठार भारत का खनिज भण्डार कहलाता है। इसे भारत का रूर प्रदेश भी कहते हैं।

68. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें:

1. प्रतिनिधि भिन्न में अंश हमेशा एक होता है।
2. प्रतिनिधि भिन्न के पैमाने में, हर की इकाई हमेशा अंश की इकाई के समान होती है।
3. मानचित्र पर पैमाना दर्शाने के लिये R.F. उपयुक्त तकनीक नहीं है।
4. स्टेटमेंट स्केल, उदाहरण के लिये, 1 सेमी से 1 किमी, मानचित्र पर उपयुक्त पैमाना है।

कूट:

- (a) 1, 2 और 3 सही है। (b) 1, 3 और 4 सही है।  
(c) 2, 3 और 4 सही है। (d) 1, 2 और 4 सही है।

उत्तर-(d)

**व्याख्या :** प्रतिनिधि भिन्न में अंश हमेशा 1 होते हैं तथा प्रतिनिधि भिन्न के पैमाने में हर की इकाई हमेशा अंश के इकाई के समान होती है और स्टेटमेंट स्केल उदाहरण के लिए 1 से.मी. से 1 कि.मी. मानचित्र पर उपयुक्त पैमाना है और मानचित्र पर पैमाना दर्शाने के लिए R.F. उपयुक्त तकनीक है। मानचित्रों पर मापनी प्रदर्शित करने की तीन विधियाँ होती हैं-

1. साधारण कथन विधि
2. निरूपक भिन्न विधि
3. आलेखी विधि

69. यदि मानचित्र का प्रतिनिधि प्रभाग (रिप्रेसेंटेटिव फ्रैक्शन)  $1/5000$  है जिसे तीन गुना कम किया गया है, तो छोटे किये गये मानचित्र के लिये कौन सा R.F. सही है?

- (a)  $1/2,500$  (b)  $1/1,000$   
(c)  $1/15,000$  (d)  $1/25,000$

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** मापक को जितना गुना कम करना होता है उस संख्या से मापक के हर में गुणा कर देते हैं।

$1/5000$  का 3 गुना कम =  $5000 \times 3 = 15000$

70. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें:

1. भारत में नेशनल नेचुरल रिसोर्सिस मैनेजमेंट सिस्टम (एन. एन. आर. एम. एस.) का आधार आई. आर. एस. है।
2. भारत में पृथ्वी ऑब्जर्वेशन की विकासात्मक तथा परिचालनात्मक जिम्मेदारियों का नेशनल रिमोट सेसिंग एजेंसी (एन.आर.एस.ए.) के द्वारा निरीक्षण किया जाता है।

- (a) सिर्फ 1 सही है। (b) सिर्फ 2 सही है।  
(c) 1 और 2 दोनों सही हैं। (d) न 1 और न ही 2 सही हैं।

उत्तर-(a)

**व्याख्या :** भारत में नेशनल नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम (एन.एन.आर.एम.एस.) का आधार आई.आर.एस. है। ध्यातव्य है कि राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधन प्रणाली की स्थापना 1983 में योजना आयोग भारत सरकार के संरक्षण में की गई थी। भारत में पृथ्वी ऑब्जर्वेशन की विकासात्मक तथा परिचालनात्मक जिम्मेदारियों का भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान (ISRO) के द्वारा निरीक्षण किया जाता है। अतः विकल्प (a) सही है।

71. जनसंख्या वितरण दर्शाने के लिये उपयोग किये जाने वाली स्टेन-डे-गियर की पद्धति के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

- (a) ग्रामीण जनसंख्या पिंड विधि द्वारा दर्शाई जाती है।  
(b) नगरीय जनसंख्या बिन्दु पद्धति द्वारा दर्शाई जाती है।  
(c) स्फेयरस् (क्षेत्र) दर्शाने के लिये पैमाने के घन वर्गों का उपयोग किया जाता है।  
(d) स्फेयरस् मानचित्र पर ज्यादा बड़ा स्थान घेरते हैं।

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** जनसंख्या वितरण दर्शाने के लिए उपयोग किए जाने वाली स्टेन-डे-गियर पद्धति के संदर्भ में स्फेयरस (क्षेत्र) दर्शाने के लिए पैमाने के घन वर्गों का उपयोग किया जाता है। स्टेन डी गीर विधि, स्टिलजेनबोअर की विधि से मिलती-जुलती है केवल इतना अन्तर है कि इसमें नगरीय जनसंख्या को वृत्तों के बजाय गोलों (spheres) के द्वारा प्रदर्शित करते हैं। किसी नगर की जनसंख्या को प्रदर्शित करने के लिए वृत्त की तुलना में गोला कम स्थान घेरता है और यही इस विधि का सबसे बड़ा गुण है।

72. किसानों की जोत के आकार के आधार पर उनकी आय के असमान वितरण के मापन के लिये कौन सी माप विधि का उपयोग किया जाता है?

- (a) मानक विचलन (b) विचरण गुणांक  
(c) गिनी सूचकांक (d) सहसम्बन्ध गुणांक

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** किसानों की जोत के आकार के आधार पर उनकी आय के असमान वितरण के मापन के लिए गिनी सूचकांक विधि का उपयोग किया जाता है। गिनी गुणांक को वर्ष 1912 में इटैलियन सांख्यिकीविद् कोरेडो गिनी ने विकसित किया। यह गुणांक आय के वितरण की विषमता की माप की सबसे प्रचलित विधि है, जो आय के प्रत्येक युग्म के बीच आय अंतर की माप करती है।

गिनी गुणांक =  $\frac{\text{छायांकित क्षेत्रफल}}{\text{समता रेखा के नीचे का सम्पूर्ण क्षेत्रफल}}$

73. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें:

- यादृच्छिक प्रतिचयन को संभाव्यता प्रतिचयन भी कहा जाता है।
- यादृच्छिक प्रतिचयन यादृच्छिक सारिणी की सहायता से किया जाता है।
- भूदृश्य तत्व सामान्य तौर पर यो ही बिखरा दिये जाते हैं।

- (a) 1 और 2 सही हैं। (b) 2 और 3 सही हैं।  
(c) 1 और 3 सही हैं। (d) 1, 2 और 3 सही हैं।

उत्तर-(a)

**व्याख्या :** भूदृश्य तत्व सामान्य तौर पर यों ही बिखरा दिये जाते। यह कथन असत्य है। सोदेश्य प्रतिचयन की तुलना में यादृच्छिक प्रतिचयन विधि अधिक उपयुक्त एवं वैज्ञानिक मानी जाती है क्योंकि इसमें प्रतिदर्शों की छाँट पर अनुसंधानकर्ता की व्यक्तिगत राय या पक्षपात का कोई प्रभाव नहीं होता। यादृच्छिक प्रतिचयन में किसी इकाई विशेष की छाँट अनुसंधानकर्ता की स्वेच्छा पर निर्भर नहीं होती अपितु पूर्णतया दैवयोग के अनुसार होती है। अतः समग्र की प्रत्येक इकाई को प्रतिदर्श में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होता है।

74. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें:

	सूची-I (मानचित्रण विधि)		सूची-II (मानचित्र)
1	कोरोक्रोमैटिक	i	समोच्च रेखा
2	वर्णप्रतीकी	ii	प्रशासनिक मानचित्र
3	सममान रेखा	iii	अक्षरों का उपयोग जैसे आर = राइस, डब्ल्यू = व्हीट
4	वर्णमात्री	iv	जनसंख्या का घनत्व

कूट:

- |           |       |      |      |
|-----------|-------|------|------|
| (1)       | (2)   | (3)  | (4)  |
| (a) (ii)  | (iii) | (iv) | (i)  |
| (b) (ii)  | (iii) | (i)  | (iv) |
| (c) (iii) | (ii)  | (iv) | (i)  |
| (d) (iii) | (ii)  | (i)  | (iv) |

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार है-

सूची-I (मानचित्रण विधि)	सूची-II (मानचित्र)
कोरोक्रोमैटिक	प्रशासनिक मानचित्र
वर्णप्रतीकी	अक्षरों का उपयोग जैसे आर = राइस, डब्ल्यू = व्हीट
सममान रेखा	समोच्च रेखा
वर्णमात्री	जनसंख्या का घनत्व

अतः विकल्प (b) सही सुमेलित है।

75. समीपतम पड़ोस सूचकांक के अनुसार, पूर्ण एकरूप अधिवास वितरण के लिये अधिकतम मान क्या होगा?

- (a) 0.00 (b) 2.15  
(c) 1.55 (d) 2.89

उत्तर-(b)

**व्याख्या :** समीपतम पड़ोस सूचकांक के अनुसार पूर्ण एकरूप अधिवास वितरण के लिए अधिकतम मान 2.15 होगा। Rn का मान 0 (पूर्ण गुच्छित) से 2.14 (पूर्ण नियमित) के बीच पाया जाता है। अधिवासों का वितरण पूर्ण यादृच्छिक (Random) होने पर Rn मान 1.00 होना चाहिए और यदि यह मान 1.00 से अधिक है तो यादृच्छिकता की मात्रा अधिक होगी और 1.00 से कम होने पर यादृच्छिकता की मात्रा कम होगी। इस प्रकार Rn मान 0 और 1.00 के बीच होने पर गुच्छित (Clutered) वितरण और 1 तथा 2.15 के बीच होने पर नियमित (Regular) वितरण माना जाता है।

# यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून- 2013

## भूगोल

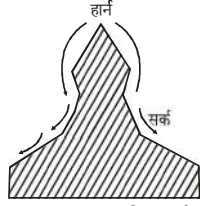
### व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. निम्नलिखित में से कौन-सा हिमजलीय निक्षेपण का भूरूप नहीं है?

- (a) एस्कर (हिमनद मृद कटक) (b) ड्रमलिन  
(c) केम (d) हार्न

उत्तर (d)

**व्याख्या :** एस्कर, केम तथा ड्रमलिन हिमजलीय निक्षेपण (निक्षेपात्मक) भूरूप हैं जबकि हार्न हिमजलीय अपरदनात्मक का भूरूप है। जब किसी पहाड़ी के पार्श्वों पर पर कई सर्क बन जाते हैं तथा जब निरन्तर अपघर्षण द्वारा ये पीछे हटते जाते हैं तो उनके मिल जाने पर एक पिरामिड के आकार की चोटी का निर्माण हो जाता है। इस तरह की नुकीली चोटी की 'हार्न या गिरिशृंग' कहते हैं। स्विट्जरलैण्ड में आल्पस पर्वत पर स्थित 'मैटर हार्न' इसका प्रमुख उदाहरण है।



**नोट-** आयोग ने इस प्रश्न का सही उत्तर विकल्प (b) माना है जबकि सही उत्तर (d) है।

2. अत्यंत नूतन हिम युग के हिमनदीय कालों के निम्नलिखित व्यवस्थाओं में से किसका सही कालानुक्रमिक क्रम है?

- (a) वुर्म - मिंडेल - गुंज - रिस  
(b) रिस - मिंडेल - वुर्म - गुंज  
(c) मिंडेल - वुर्म - गुंज - मिंडेल  
(d) गुंज - मिंडेल - रिस - वुर्म

उत्तर (d)

**व्याख्या :** अत्यन्त नूतन हिमयुग के हिमनदीय कालों की व्यवस्थाओं का सही कालानुक्रमिक क्रम है:-

गुंज → मिंडेल → रिस → वुर्म।

उत्तरी अमेरिका में हिमचादर का फैलाव चार विभिन्न समयों से हुआ। क्रम से इनके नाम इस प्रकार हैं- नेब्रास्कन, कन्सान, इलीनोइन तथा आयोवा एवं विस्कान्सिन। प्रति दो हिम युगों के बीच एक हिम रहित युग था जिसे आवान्तर हिमयुग कहा गया है। इस प्रकार नेब्रास्कन तथा कन्सान के बीच अप्टोनियन आवान्तर हिमयुग, कन्सान तथा इलीनोइन के बीच यारमाउथ तथा इलीनोइन एवं विस्कान्सिन के बीच संगमन का आवान्तर हिम युग था। इसी प्रकार पेंक तथा ब्रुकनर ने यूरोप में गुंज, मिंडेल, रिस तथा वुर्म चार हिमयुगों का निर्धारण किया गया।

3. भू-अभिनति को चारों ओर से घेरने वाले दृढ़ भूखंड को कोबर द्वारा क्या नाम दिया गया है?

- (a) ओरोजेन (b) क्रैटोजेन  
(c) प्राइमरम्फ (d) अंतः पर्वतीय भूखंड (स्विशोनगिबर्गे)

उत्तर (b)

**व्याख्या:** भू- अभिनति को चारों ओर से घेरने वाले दृढ़ भूखंड को कोबर द्वारा क्रैटोजेन नाम दिया गया। प्रसिद्ध जर्मन विद्वान 'कोबर' ने वलित पर्वतों की उत्पत्ति की व्याख्या के लिए भू-सन्नति सिद्धांत का प्रतिपादन किया। वास्तव में उनका प्रमुख उद्देश्य प्राचीन दृढ़ भूखण्डों तथा भूसन्नतियों में सम्बन्ध स्थापित करना था। इनका सिद्धांत संकुचन शक्ति पर आधारित था। पृथ्वी से संकुचन होने से उत्पन्न बल से अग्र देशों में गति उत्पन्न होती है जिससे प्रेरित होकर सम्पीडनात्मक बल के कारण भूसन्नति का मलवा वलित होकर पर्वत का रूप धारण करता है। जिन्हें 'वलित पर्वत' कहा जाता है।

4. नीचे दो कथन दिये गये हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) नाम दिया गया है नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें:

**अभिकथन (A) :** हवाई द्वीपों पर ज्वालामुखी उद्गार निस्सरण (अपेक्षाकृत शान्त) प्रकार के हैं।

**कारण (R) :** कम सान्द्र (श्यान) लावा का उद्गार शान्त होता है।

- (a) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है  
(b) A और R दोनों सही हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है  
(c) A सही हैं, परन्तु R असत्य है  
(d) A असत्य है, परन्तु R सही है

उत्तर (a)

**व्याख्या :** हवाई द्वीपों पर शान्त प्रकार के ज्वालामुखी का उद्गार पाया जाता है। हवाई तुल्य ज्वालामुखी लावा पतला होता है जिस कारण गैसों की तीव्रता में कमी होती है। इस कारण गैसों धीरे से लावा से अलग होकर भू-पटल पर प्रकट हो जाती हैं। निकलने वाले विखण्डित पदार्थ नगण्य होते हैं। उद्गार के समय लावा के छोटे-छोटे लाल पिण्ड गैसों के साथ उछाल दिये जाते हैं। प्रशान्त महासागर में हवाई द्वीपों का उद्भेदन इसी प्रकार का होता है। हवाई द्वीपों पर होने वाले ज्वालामुखी को हवाई तुल्य ज्वालामुखी की संज्ञा दी जाती है। (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) (A) की सही व्याख्या है।

5. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची-I

(नदी)

- A. मिसिसिपी  
B. गंगा  
C. नर्मदा  
D. पीली

सूची-II

(डेल्टा का प्रकार)

1. चापाकार डेल्टा  
2. पक्षी पंजा डेल्टा  
3. परित्यक्त

नदी (नदी का पुरान मार्ग) 4. ज्वारनदमुखी

	A	B	C	D
(a)	1	2	4	3
(b)	2	1	3	4
(c)	2	1	4	3
(d)	4	2	1	3

उत्तर (c)

**व्याख्या:** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार हैं-

सूची-I (नदी)	सूची-II (डेल्टा का प्रकार)
मिसिसिपी	पक्षी पंजा डेल्टा
गंगा	चापाकार डेल्टा
नर्मदा	ज्वारनदमुख
पीली (नदी का पुराना मार्ग)	परित्यक्त

अतः विकल्प (c) सही सुमेलित है।

6. टैगा वनों के बारे में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है?

- वन आच्छादन पर शंकुवृक्ष वृक्षों की प्रमुखता है
- वन तल काफी साफ होते हैं
- वृक्षों की वृद्धि बहुत तेज होती है
- वृक्षों की व्यास बहुधा 2 सेमी और 60 सेमी के बीच रहता है

उत्तर (c)

**व्याख्या :** टैगा वनों में निम्न तापमान तथा कम वर्षा के कारण वृक्षों की वृद्धि बहुत धीमी होती है इसी कारण से कम उपजाऊ भूमि में भी अपने आप को बनाये रखने में सफल होते हैं। पचास वर्ष ये वन आयु वाले पेड़ का तना भी कुछ सेंटीमीटर ही होता है। और एक मीटर से अधिक कदाचित ही होता है। टैगा वन उत्तरी गोलार्द्ध में 50° उत्तरी अक्षांश के उत्तर में स्थित है। इसका विस्तार उत्तरी अमेरिका महाद्वीप में अलास्का से लेकर लेब्रेडोर तक तथा यूरेशिया में फिनलैण्ड से लेकर उत्तरी पूर्वी साइबेरिया तक पाया जाता है। टैगा वन शंक्वाकार होते हैं। ये सदैव हरे-भरे होते हैं। इनकी लकड़ी मुलायम होती है।

7. सतही महासागरीय धाराएँ अपनी ऊर्जा कहाँ से प्राप्त करती हैं?

- लवणता से
- विवर्तन से
- पवन से
- सुनामी से

उत्तर (c)

**व्याख्या :** सतही महासागरीय धाराएँ अपनी ऊर्जा पवन से प्राप्त करती हैं। महासागरों में एक निश्चित दिशा में जल की बड़ी मात्रा में प्रवाहित होने के गतिशील स्वरूप को धाराएँ कहते हैं। धारा के अन्तर्गत जल का विस्थापन होता है। महासागरीय जल सतह के प्रवाह का प्रभावी कारण प्रवाही पवनों हैं। वायुमण्डल समुद्र जल स्तर पर 'गुरुत्वाकर्षण बल' के कारण एक निश्चित दाब एवं भार उत्पन्न करता है जब वायु गतिशील होती है (क्षैतिज) तब अपनी इसी स्थिति के कारण यह महासागरीय जल सतह पर घर्षण बल उत्पन्न करता है। पवन द्वारा इस प्रक्रिया में सतह के ऊपरी जल को गतिज ऊर्जा प्राप्त होती है। चूँकि महासागरीय जल की भौतिक अवस्था तरल है और इसके प्रत्येक जलीय अणु परस्पर संसजित होते हैं इसलिए वायु द्वारा प्राप्त गतिज ऊर्जा से जल के ऊपर स्थित परतों में गतिशील होने की प्रवृत्ति उत्पन्न हो जाती है।

8. विशेष रूप से अमावस्या और पूर्णमासी के समय के आसपास होने वाले उच्च और निम्न ज्वार क्या कहलाते हैं?

- वृहत ज्वार
- लघुतम ज्वार
- महा ज्वार
- अवपाती ज्वार

उत्तर (a)

**व्याख्या :** विशेष रूप से अमावस्या और पूर्णमासी के समय के आसपास होने वाले उच्च और निम्न ज्वार को 'वृहत ज्वार' कहते हैं। सूर्य तथा चन्द्रमा की सापेक्ष स्थितियों में परिवर्तन होते रहते हैं। जब सूर्य पृथ्वी तथा चन्द्रमा एक सरल रेखा में होते हैं तो इस स्थिति को युति-वियुति या सिजगी कहते हैं। इनमें से जब सूर्य, चन्द्रमा तथा पृथ्वी क्रम में एक सीध में होते हैं अर्थात् जब सूर्य तथा चन्द्रमा दोनों पृथ्वी के एक ओर होते हैं, तो उसे 'युति' कहते हैं, यह स्थिति सूर्य ग्रहण की होती है। जब सूर्य तथा चन्द्रमा के बीच पृथ्वी की स्थिति होती है, तो उसे 'वियुति' कहते हैं। यह स्थिति चन्द्र ग्रहण की होती है। 'युति' की स्थिति अमावस्या तथा 'वियुति' की स्थिति पूर्णमासी को होती है। इन दो स्थितियों में सूर्य, पृथ्वी तथा चन्द्रमा एक सीधी रेखा में स्थित होने के कारण, चन्द्रमा तथा सूर्य का आकर्षण बल परस्पर साथ मिलकर कार्य करता है। जिस कारण 'वृहत ज्वार' का अनुभव किया जाता है। इस ज्वार की ऊँचाई सामान्य ज्वार से 20% अधिक होती है।

9. नीचे दो कथन दिये गये हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) नाम दिया गया है नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें:

**अभिकथन (A) :** उत्तरी ध्रुवीय पारिस्थितिकीय व्यवस्था में, यदि लाइकेन (काई) उत्पादन या तो क्षीण हो जाते हैं या नष्ट हो जाते हैं, तो पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है क्योंकि सर्वभक्षी और मांसभक्षी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाइकेन पर निर्भर करते हैं।

**कारण (R) :** उत्तरी ध्रुवीय पारिस्थितिकीय व्यवस्था की बहुत जटिल पोषण संरचना होती है।

- A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
- A और R दोनों सही हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है
- A सही हैं, परन्तु R गलत है
- A गलत है, परन्तु R सही है

उत्तर-(c)

**व्याख्या :** उत्तरी ध्रुवीय पारिस्थितिकीय व्यवस्था में, यदि लाइकेन (काई) उत्पादन या तो क्षीण हो जाते हैं या नष्ट हो जाते हैं, तो पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है क्योंकि सर्वभक्षी और मांसभक्षी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाइकेन पर निर्भर करते हैं। जबकि उत्तरी ध्रुवीय पारिस्थितिकीय व्यवस्था की बहुत जटिल पोषण संरचना ना होकर सरल पोषण संरचना है क्योंकि यहाँ वनस्पतियाँ नाम मात्र की या विरल होती हैं। अतः कथन (A) सही है, परन्तु कारण (R) असत्य है।

10. वृष्टिमय उष्णकटिबन्धों के मूल पशु जीवन के बारे में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है?

- विविध तथा प्रचुर मात्रा में कीट
- वृक्षीय जीव-जंतुओं की अल्पता
- अल्प चराई वाले और मांसाहारी पशुओं की अल्पता
- प्रचुर जलचर जीवन

उत्तर (b)

**व्याख्या :** वृष्टिमय उष्णकटिबन्धों के मूल पशु जीवन में वृक्षीय जीव-जंतुओं की अधिकता पायी जाती है। इन वृष्टिमय उष्णकटिबन्धों में पादपों की सर्वाधिक प्रजातियाँ पायी जाती हैं। इन क्षेत्रों में पादपों की प्रजातियों के असंख्य प्रकार पाये जाते हैं। इन

क्षेत्रों में वन के लम्बवत् स्तरीकरण ने विभिन्न स्तरों में रहने वाले प्राणियों के जीवन रूप को बड़े पैमाने पर प्रभावित किया है वनों के लम्बवत् स्तरीकरण के कारण अधिकांश जीव वृक्षवासी होते हैं।

11. कौन-सी वायुमंडलीय गैस सूर्य प्रकाश (धूप) में अधिकतम पराबैंगनी किरणें फिल्टर करती (छानती) हैं?

- (a) आर्गन (b) कार्बन डाइऑक्साइड  
(c) ओजोन (d) हीलियम

उत्तर (c)

**व्याख्या :** ओजोन वायुमंडलीय गैस सूर्य प्रकाश में अधिकतम पराबैंगनी किरणें फिल्टर करती है। ओजोन जीवन के सुरक्षा के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण गैसों में से एक है। यह ऑक्सीजन के 3 परमाणुओं के संयोग से निर्मित गैस है तथा सूर्य की पराबैंगनी (UV) किरणों के प्रति रासायनिक दृष्टि से अतिसंवेदनशील है। इसके कारण सूर्य से आने वाली पराबैंगनी (UV) किरणों को समतापमण्डल में यह अवशोषित कर पृथ्वी पर जीवन की रक्षा करती है।

12. निम्नलिखित में से कौन उत्तरी गोलार्द्ध प्रति चक्रवात में धरातलीय वायु संचरण का अच्छा वर्णन करता है?

- (a) अपसारी-दक्षिणावर्त  
(b) अभिसारी-प्रति दक्षिणावर्त  
(c) स्थिर  
(d) आन्तरिक-दक्षिणावर्त

उत्तर (a)

**व्याख्या :** प्रति चक्रवात उत्तरी गोलार्द्ध में धरातलीय अपसारी दक्षिणावर्त वायु संचरण का अच्छा वर्णन करता है। ध्यातव्य है कि उत्तरी गोलार्द्ध में प्रतिचक्रवात की दिशा घड़ी की सूइयों के अनुकूल तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में प्रतिकूल होती है। प्रतिचक्रवात की उत्पत्ति किसी स्थान पर किसी कारणवश उच्चभार की स्थिति उत्पन्न होने से होती है। इसके केन्द्र पर वायु ऊपर से नीचे की ओर चलती है। मौसम प्रायः साफ रहता है। कभी-कभी थोड़ी बहुत बूँदा-बाँदी होती है। इनका मार्ग निश्चित नहीं होता। अतः ये किसी भी दिशा में चल सकते हैं।

13. किस प्रकार के वाताग्र की अतिप्रवण ढाल होती है?

- (a) उष्ण वाताग्र (b) शीत वाताग्र  
(c) स्थिर वाताग्र (d) संरोधित वाताग्र

उत्तर (b)

**व्याख्या :** शीत वाताग्र की अतिप्रवण ढाल होती है। जब ठण्डी तथा भारी वायु आक्रामक होती है तथा गर्म एवं हल्की वायु को ऊपर उठा देती है तो शीतल वाताग्र का निर्माण होता है। इसका ढाल 1: 25 से 1 : 100 होता है।

तापमान, गति, दिशा, आर्द्रता, घनत्व आदि के सन्दर्भ में दो विपरीत गुणों वाली वायुराशियों के बीच ढलुआ सतह को सामान्य तौर पर वाताग्र कहते हैं।

14. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

- (a) वाष्पीकरण : द्रव्य को गैस में बदलने की प्रक्रिया  
(b) संघनन : गैस से द्रव्य में बदलने की अवस्था  
(c) तत्व : ऐसा पदार्थ जो साधारण रासायनिक या भौतिक साधनों के द्वारा सरल पदार्थों में वियोजित नहीं किए जा सकते हैं।  
(d) चालन : विविक्त पदार्थ के छोटे टुकड़े जो सतह का कार्य करते हैं जिन पर जल कण संघनित होते हैं।

उत्तर (d)

**व्याख्या :** चालन- किसी भी वस्तु में पदार्थों के अणुओं द्वारा उष्मा के स्थानान्तरण एवं गमन को चालन कहते हैं। चालन की क्रिया के अन्तर्गत एक अणु स्पर्श द्वारा दूसरे अणु को उष्मा प्रदान करता है। चालन की प्रक्रिया द्वारा उष्मा प्रदान करता है। चालन की प्रक्रिया द्वारा उष्मा का गमन एवं स्थानान्तरण दो रूपों में होता है।

(1). एक ही वस्तु के एक भाग से दूसरे भाग में

(2). किसी एक वस्तु से उसके सम्पर्क में स्थित दूसरी वस्तु में चालन की प्रक्रिया तभी प्रभावी हो सकती है जबकि दो वस्तुओं के तापमान या एक ही वस्तु के विभिन्न भागों में तापमान समान न हो जाए। स्पष्ट है कि चालन की प्रक्रिया में उष्मा का गर्म वस्तु से अपेक्षाकृत ठण्डी वस्तु में अणुओं द्वारा गमन होता है।

अतः विकल्प (d) युग्म सही सुमेलित नहीं है। जबकि अन्य युग्म सुमेलित हैं।

15. निम्नलिखित में से किसने विश्व के जलवायु-वर्गीकरण के आधार के रूप में वर्षण प्रभावता और तापीय क्षमता का उपयोग किया है?

- (a) टिवाथार्थ (b) थार्नथ्वेट  
(c) कोपेन (d) केंडू

उत्तर (b)

**व्याख्या :** थार्नथ्वेट ने जलवायु वर्गीकरण के आधार के रूप में वर्षण प्रभावता और तापीय क्षमता का उपयोग किया है। अमेरिकी जलवायु विज्ञानी सी. डब्ल्यू. थार्नथ्वेट ने सर्वप्रथम अपना वर्गीकरण 1931 में प्रस्तुत किया तत्पश्चात् उसमें कुछ और परिमार्जन करके 1933 में उसे प्रस्तुत किया। पुनः 1948 में अपने वर्गीकरण का संशोधित रूप प्रस्तुत किया। कोपेन की ही भाँति थार्नथ्वेट ने भी यह स्वीकार किया कि वनस्पति जलवायु की सूचक होती है तथा वनस्पति पर वर्षा की मात्रा तथा तापमान का पर्याप्त प्रभाव होता है, परंतु वाष्पीकरण को भी ध्यान में रखा। इसी आधार पर उन्होंने वर्षण प्रभावता तथा तापीय दक्षता को अपने जलवायु वर्गीकरण में पर्याप्त स्थान दिया।

16. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

- (a) स्ट्रैबो - ज्योग्राफी नामक 17 खंडों की कृति प्रकाशित की।  
(b) टॉलमी - अलमाजैस्ट या ज्योग्राफिक सिन्टेक्सिस नामक प्रसिद्ध कृति प्रकाशित की।  
(c) हिप्पार्कस - लंबकोणीय तथा त्रिविम प्रक्षेप डिजाइन किए।  
(d) हिकैटियस - अक्षांशों और देशांशों का निर्धारण करने के लिए एस्ट्रोलेब नामक उपकरण का आविष्कार किया।

उत्तर (d)

**व्याख्या :** अक्षांश एवं देशान्तर निश्चित करने के लिए हिप्पार्कस ने एस्ट्रोलेब नामक उपकरण का आविष्कार किया था न कि हिकैटियस ने। एस्ट्रोलेब की सहायता से ध्रुव तारे के कोण का अवलोकन कर समुद्रों में अक्षांशों का नापा जाना सम्भव हो सका। हिकैटियस की प्रमुख पुस्तक 'जस पीरियोडस' है। स्ट्रैबो ज्योग्राफिया नामक 17 खंडों की कृति प्रकाशित की। टॉलमी अल्मागैस्ट या ज्योग्राफीक सिन्टेक्सिस नामक प्रसिद्ध कृति प्रकाशित की तथा हिप्पार्कस ने लंबकोणीय तथा त्रिविम प्रक्षेप डिजाइन किया।

17. निम्नलिखित में से किस भूगोवेत्ता ने सामान्य बनाम विशेष भूगोल के द्विभाजन की नींव रखी?

- (a) वेर्नहार्ड वेरेनियस (b) इमैनुअल कांट  
(c) पीटर एपियन (d) सेबेस्टियन मुंस्टर

उत्तर (a)

**व्याख्या :** वेर्नहार्ड वेरेनियस की महत्वपूर्ण कृति “ज्योग्राफिया जेनेरलिस” है वेरेनियस ने ज्योग्राफिया जेनेरलिस को दो भागों में विभाजित किया-

- (1). जनरल ज्योग्राफी (सामान्य भूगोल)- इसमें भौतिक तत्वों का क्रमबद्ध अध्ययन किया गया है।  
(2). स्पेशल ज्योग्राफी (विशिष्ट भूगोल)- इसमें पृथ्वी के प्रदेशों का अध्ययन किया गया।  
वेरेनियस ने भूगोल में द्वैधता की नींव डाली।

18. टेलियोलॉजी (उद्देश्यवाद) की अवधारणा किसने प्रतिपादित की है?

- (a) अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट ने  
(b) कार्ल रिटर ने  
(c) ऑस्कर पेशल ने  
(d) विडाल डि ला ब्लॉश ने

उत्तर (b)

**व्याख्या :** टेलियोलॉजी (उद्देश्यवाद) की अवधारणा कार्ल रिटर ने प्रतिपादित किया।

कार्ल रिटर (1779-1859) को आधुनिक भौगोलिक विचारों का संस्थापक माना जाता है। रिटर ने व्यवस्थित और एक समान सृष्टि की कल्पना की थी। इस प्रकार उनकी पद्धति उद्देश्यवादी थी। रिटर की प्रसिद्ध पुस्तक ‘अर्डकुण्डे’ है। ‘अर्डकुण्डे’ में उन्होंने यूरोप में सभ्यता के उत्तर-पश्चिम की ओर संचलन के सिद्धांत को प्रस्तुत किया था। अर्डकुण्डे का प्रकाशन (1817-59) तक 19 खण्डों में हुआ। अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट को आधुनिक भूगोल का संस्थापक माना जाता है। उनकी महत्वपूर्ण कृति ‘कांसमॉस’ 1845 ई. में प्रकाशित हुई, जिसमें उनकी यात्राओं का विस्तृत वर्णन है।

19. निम्नलिखित भूगोलवेत्ताओं में से किसने जलवायु निश्चयतावाद पर विशेष रूप से बल दिया है?

- (a) ग्रिफिथ टेलर (b) फ्रडरिक रेटजेल  
(c) एल्सवर्थ हंटिंगटन (d) एलेन चर्चिल सेंपल

उत्तर (c)

**व्याख्या :** हंटिंगटन ने जलवायु निश्चयतावाद पर विशेष रूप से बल दिया है। एल्सवर्थ हंटिंगटन ने 29 पुस्तक लिखी जिनमें से प्रमुख इस प्रकार हैं-

- (1). दि पल्स ऑफ एशिया  
(2). पैलेस्टाइन एण्ड इट्स ट्रांसफारमेशन  
(3). सभ्यता और जलवायु  
(4). मानव भूगोल के सिद्धांत  
(5). जलवायु परिवर्तन उसकी प्रकृति और कारण  
(6). केरेक्टर ऑफ रेसेज  
(7). आर्थिक और सामाजिक भूगोल  
(8). मेनस्प्रिंगस ऑफ सिविलाइजेशन

20. ‘क्षेत्रीय विभेदन’ की अवधारणा को निम्नलिखित भी कहा जाता है-

- (a) अपवादवाद (b) क्षेत्रीय अध्ययन  
(c) क्रमबद्ध भूगोल (d) प्रादेशिकतावाद

उत्तर (b)

**व्याख्या :** क्षेत्रीय विभेदन की अवधारणा को क्षेत्रीय अध्ययन भी कहा जाता है। हार्टशॉर्न ने भूगोल को परिभाषित करते समय बताया कि भूगोल पृथ्वी पर क्षेत्रीय भिन्नता का अध्ययन करता है। यह भिन्नता ऐसे तत्वों जैसे- जलवायु, उच्चावच, मिट्टी, वनस्पति, जनसंख्या, भूमि उपयोग, उद्योग-धन्धे, राज्यों तथा कई तत्वों के समिश्र रूपों के गुण, क्रम अन्तरसम्बन्धों द्वारा व्यक्त होती है।

21. ग्रीक भूगोल के विकास में योगदानकर्ताओं का सही अनुक्रम कौन सा है?

- (a) अनेक्सीमैंडर, हेरोडोटस, हिप्पार्कस, इरेटोस्थनीज  
(b) हेरोडोटस, इरेटोस्थनीज, हिप्पार्कस, अनेक्सीमैंडर  
(c) अनेक्सीमैंडर, इरेटोस्थनीज, हेराडोटस, हिप्पार्कस  
(d) अनेक्सीमैंडर, हेरोडोटस, इरेटोस्थनीज, हिप्पार्कस

उत्तर (d)

**व्याख्या :** ग्रीक भूगोल के विकास में योगदानकर्ताओं का सही अनुक्रम -अनेक्सीमैंडर, हेरोडोटस, इरेटोस्थनीज, हिप्पार्कस। अनेक्सीमैंडर, मिलेट्स नगर में थेल्स के शिष्य थे। उन्होंने नोमोन नामक यन्त्र का आविष्कार किया। अनेक्सीमैंडर प्रथम व्यक्ति था जिसने विश्व का मानचित्र मापक पर बनाया।

हेरोडोटस को इतिहास का पिता माना जाता है। इन्होंने विश्व को तीन महाद्वीपों में विभाजित किया था- यूरोप, एशिया तथा लीबिया (अफ्रीका)। हेरोडोटस ने डेन्यूब नदी को विश्व की सबसे बड़ी नदी माना। सर्वप्रथम ‘डेल्टा’ शब्द का प्रयोग इन्होंने किया। इरेटोस्थनीज (276 ई. पू - 194 ई. पू.) ने “ज्योग्राफिका” नामक ग्रन्थ की रचना की। इन्होंने सर्वप्रथम ‘ज्योग्राफी’ नामक शब्द का प्रयोग किया।

हिप्पार्कस ने एस्ट्रोलेब नामक यन्त्र का आविष्कार किया।

22. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची-I  
(विद्वान)

- A. ब्रायन बेरी  
B. कार्ल सॉवर  
C. डोर्ट्रीन मासे  
D. ओ.एच.के. स्पेट

सूची-II  
(विशेषज्ञता का क्षेत्र)

1. क्षेत्रीय भूगोल  
2. आमूल परिवर्तनवादी  
3. सामाजिक भूगोल  
4. नगरीय भूगोल

	A	B	C	D
(a)	4	3	2	1
(b)	1	2	4	3
(c)	3	4	1	2
(d)	2	1	3	4

उत्तर (a)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार हैं-

सूची-I  
(विद्वान)

- ब्रायन बेरी  
कार्ल सॉवर  
डोर्ट्रीन मासे  
ओ. एच. के. स्पेट

सूची-II

(विशेषज्ञता का क्षेत्र)

- नगरीय भूगोल  
सामाजिक भूगोल  
आमूल परिवर्तनवादी भूगोल  
क्षेत्रीय भूगोल

अतः विकल्प (a) सही सुमेलित है।



**व्याख्या:** विश्व की कृषि का द्विटलसी के वर्गीकरण के अति महत्वपूर्ण आधारों में से एक - कृषि का प्रकार्यात्मक रूप है। द्विटलसी ने कृषि प्रदेशों के निर्धारण में निम्नलिखित तत्त्वों को आधार माना है-

- फसल तथा पशुओं का संयोजन
  - फसलों के उत्पादन तथा पशुपालन की विधियाँ
  - कृषि भूमि में श्रम, पूँजी, संगठन आदि के विनियोग की मात्रा।
  - उत्पादित पदार्थों के उपयोग का ढंग
  - कृषि कार्य के लिए यन्त्रों, उपकरणों तथा आवागमन के साधनों आदि का प्रयोग।
- सर्वप्रथम 1936 ई. में डी. द्विटलसी महोदय ने विश्व के कृषि प्रदेशों का सीमांकन किया था। इन्होंने विश्व को 13 कृषि प्रदेशों में विभाजित किया है।

30. निम्नलिखित में से किसने सबसे पहले कृषि उत्पादकता के कोटि क्रमिक गुणांक विधि का उपयोग किया है?

- एल.डी. स्ट्रैप
- मोहम्मद शफी
- एम.जी. केंडाल
- जी. एनयेदी

उत्तर (c)

**व्याख्या :** कोटि क्रमिक गुणांक विधि प्रति हेक्टेअर कृषि उपज के आँकड़ों पर आधारित है। इस विधि को एम.जी. केंडाल ने 1939 में विकसित किया था। केंडाल ने इंग्लैण्ड की 48 कांडटियों की 10 महत्वपूर्ण फसलों के चार वर्ष के आँकड़ों का प्रयोग करके कोटि गुणांक का मापन किया।

31. गिब्स-मार्टिन सूचकांक का उपयोग निम्नलिखित के मापन के लिए किया जाता है-

- फसल विशेषीकरण
- फसल विविधिकरण
- फसल संकेंद्रण
- फसल संयोजन

उत्तर (b)

**व्याख्या :** गिब्स-मार्टिन सूचकांक का प्रयोग फसल विविधीकरण के मापन के लिए किया जाता है। गिब्स मार्टिन ने वैविध्य सूचकांक के परिकलन हेतु निम्न सूत्र का प्रयोग किया

वैविध्य सूचकांक =  $1 - \frac{\epsilon x^2}{(\epsilon x)^2}$  जहाँ  $x^2$  प्रत्येक फसल के अन्तर्गत कुल कृषि क्षेत्र का प्रतिशत है।

32. मंगोलायड प्रजातियों में अधिकांश प्रमुख रक्त समूह है-

- ए
- बी
- ए बी
- ओ

उत्तर (b)

**व्याख्या :** मंगोलायड प्रजातियों में अधिकांश 'बी' रक्त समूह पाया जाता है। मंगोलायड प्रजाति को एशियाई-अमेरिका प्रजाति के नाम से भी जाना जाता है। ग्रिफिथ टेलर के अनुसार यह सबसे नवीन तथा बाद की अल्पाइन प्रजाति है, जो इतिहास के आरम्भिक काल में एशिया के विशाल केन्द्रीय भाग में रहती थी। बाद में यह पश्चिम में तुर्किस्तान और पूर्व में महाद्वीपीय तटों तक फैल गयी। मंगोलायड प्रजाति के अन्तर्गत संपूर्ण मानव जाति का एक तिहाई से अधिक (लगभग 51%) भाग सम्मिलित है। जिनमें से लगभग आधे लोग चीन में हैं। मंगोलायड प्रजाति के प्रतिनिधि अधिकांशतः एशिया के उत्तरी मध्यवर्ती, पूर्वी क्षेत्रों में पाये जाते हैं। दोनों अमेरिकाओं तथा आस्ट्रेलिया में भी इसके अल्प प्रतिनिधि मिलते हैं। इनकी त्वचा का रंग पीले से भूरा होता है।

33. नीचे दो कथन दिये गये हैं, जिनमें से एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है।

**अभिकथन (A) :** 'समाज सूचक आंदोलन' संयुक्त राज्य अमेरिका (यू.एस.ए.) में 1960 के दशक में तेजी से बढ़ा।

**तर्क (R) :** अमेरिका समाज में विविध सामाजिक समस्याओं के पैदा होने से बढ़ा।

- A और R दोनों सही हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है
- A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
- A सही हैं, परन्तु R गलत है
- A गलत है, परन्तु R सही है

उत्तर (b)

**व्याख्या :** अमेरिकी समाज में बहुत सारी समस्याओं के पैदा हो जाने के कारण 1960 के दशक में 'समाज सूचक आन्दोलन' बहुत तेजी से बढ़ा। इस आन्दोलन से समाज सुधार का व्यापक कार्यक्रम चलाया गया। यह युग नागरिक अधिकार आंदोलन, वियतनाम युद्ध, प्रति-सांस्कृतिक आंदोलन तथा राजनीतिक हत्याओं और उभरते पीढ़ी के अन्तर द्वारा चिह्नित किया गया था। अतः कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या भी कर रहा है।

34. निम्नलिखित में से कौन-सी उप-प्रजाति काकेशायड प्रजाति से संबंधित नहीं है?

- एस्कीमो
- सेल्टिक
- नोर्डिक
- ईस्ट बाल्टिक

उत्तर (a)

**व्याख्या :** काकेशायड प्रजाति को यूरोपीय महाप्रजाति के नाम से जाना जाता है। इस प्रजाति का मूल निवास क्षेत्र यूरोप दक्षिण एवं दक्षिण पश्चिम एशिया तथा उत्तरी अफ्रीका है। नयी दुनिया (अमेरिका) की खोज के बाद इस प्रजाति के लोग उत्तरी तथा दक्षिणी अमेरिका और बाद में ऑस्ट्रेलिया में फैल गए। काकेशायड प्रजाति का रंग हल्के गुलाबी से भूरे रंग का होता है। प्रमुख काकेशायड प्रजातियाँ निम्नलिखित हैं- पूर्वी बाल्टिक प्रजाति, दिनारिक प्रजाति, पोलीनेशियन, नार्डिक, अल्पाइन, सेल्टिक आदि।

35. "क्षेत्र अच्छे सेवक लेकिन बुरे स्वामी होते हैं" यह कथन किस विद्वान का है?

- सी.सी. कार्टर
- ए.जे. हर्बर्टसन
- ओ.एच.के. स्पेट
- विडाल डि ला ब्लांश

उत्तर (a)

**व्याख्या :** "क्षेत्र अच्छे सेवक लेकिन बुरे स्वामी होते हैं" यह कथन सी. सी. कार्टर का है।

एन्ड्रू जॉन हर्बर्टसन की प्रमुख कृतियाँ निम्नलिखित हैं -

- मानव तथा उसके कार्य
- मानव भूगोल का परिचय
- सीनियर ज्योग्राफी

हर्बर्टसन ने सर्वप्रथम विश्व के प्राकृतिक प्रदेशों का सीमांकन किया। इन्होंने विश्व को 15 प्राकृतिक प्रदेशों में विभाजित किया।

36. परिवहन लाइनों या सिंचाई वाहिकाओं के साथ-साथ विकसित क्षेत्रों को कहा जाता है-

- परिवहन क्षेत्र
- अक्षीय क्षेत्र
- नदी-घाटी क्षेत्र
- संक्रमण क्षेत्र

उत्तर (b)



**व्याख्या:** परिवहन लाइनों या सिंचाई वाहिकाओं के साथ-साथ विकसित क्षेत्र को अक्षीय क्षेत्र कहा जाता है। परिवहन चार प्रकार के होते हैं - (1) जल परिवहन (2) थल परिवहन (3) हवाई मार्ग परिवहन (4) भूमिगत मार्ग परिवहन।

37. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

- प्रदेश किसी सूक्ष्मक्रम में धरातलीय लक्षणों को सुव्यवस्थित करने हेतु प्रतिपादित की गयी मस्तिष्कजन्य संकल्पनाएँ हैं
- प्रदेश परिमित अथवा अपरिमित त्रिआयामी भूसीमाओं के पार विस्तारित होते हैं
- प्रादेशिक संकल्पना धरातल पर समानताओं तथा विषमताओं का बोध कराने का साधन है
- प्रदेश में किसी न किसी प्रकार की एकरूपता पायी जाती है, जो उसे आसपास के क्षेत्रों में भिन्नता प्रदान करती है

उत्तर (b)

**व्याख्या :** प्रदेश एक क्षेत्रीय विस्तार वाला क्षेत्रीय इकाई है, जिसमें विभिन्न तत्वों के मध्य एकरूपता एवं अर्न्तसम्बन्ध पाया जाता है। भौतिक, सामाजिक आर्थिक, सांस्कृतिक एवं प्रशासनिक गुणों एवं स्वरूपों के आधार पर एक प्रदेश को दूसरे प्रदेश से अलग किया जाता है। प्रदेश किसी सूक्ष्मक्रम में धरातलीय लक्षणों को सुव्यवस्थित करने हेतु प्रतिपादित की गयी मस्तिष्कजन्य संकल्पनाएँ हैं। प्रादेशिक संकल्पना धरातल पर समानताओं तथा विषमताओं का बोध कराने का साधन है। प्रदेश में किसी न किसी प्रकार की एकरूपता पायी जाती है, जो उसे आस-पास के क्षेत्रों से भिन्नता प्रदान करती है। इस तरह प्रदेश परिमिति और अपरिमिति त्रिआयामी भूसीमाओं के पार विस्तारित होता है यह कथन असत्य है।

38. प्रादेशिक नियोजन के निम्नलिखित उद्देश्य में से कौन अत्यधिक महत्वपूर्ण है?

- निवास्यता-संवर्धन और समुदाय निर्माण
- वन संरक्षण
- जनसंख्या वितरण का युक्तीकरण
- श्रेष्ठ क्षेत्रीय गतिशीलता प्रणाली

उत्तर (a)

**व्याख्या :** प्रादेशिक नियोजन में निवास्यता संवर्धन और समुदाय निर्माण अधिक महत्वपूर्ण है। ध्यातव्य है कि मानव सभ्यता के विकास के साथ सांस्कृतिक प्रदेश भी प्रादेशिक भिन्नता के साथ-साथ विकसित होते गये। अन्ततः विकास की प्रक्रियाओं को अपने के क्रम में खंडीय नियोजन के साथ ही प्रदेश आधारित नियोजन की प्रक्रिया तीव्र होती गयी जिसका प्रमुख उद्देश्य विकास में समन्वय एवं प्रादेशिक संतुलन बनाये रखना है।

39. प्रदेशवाद अभिव्यक्ति है—

- अन्य प्रदेशों के प्रति अनभिज्ञता का
- संकीर्ण प्रांतीयता का
- वर्गवादिता का
- स्थानीय व्यक्तिवादिता, स्थानीय निष्ठा और सांस्कृतिक विशेषताओं का

उत्तर (d)

**व्याख्या :** प्रदेशवाद स्थानीय व्यक्तिवादिता, स्थानीय निष्ठा और सांस्कृतिक विशेषताओं की अभिव्यक्ति है। ध्यातव्य है कि प्रदेशवाद पृथ्वी की भौतिक एवं जैविक इकाई है जिसके अन्तर्गत प्रत्येक प्रदेश में गुणों एवं लक्षणों में विशिष्टता एवं सुस्पष्टता पायी जाती है और इसके विभिन्न तत्वों के मध्य अर्न्तसम्बन्ध पाये जाते हैं।

40. भारत की इस्पात संयंत्रों के पूर्व से पश्चिम के निम्नलिखित क्रमों में से कौन-सा सही है?

- जमशेदपुर, राउरकेला, दुर्गापुर, भिलाई
- भिलाई, राउरकेला, दुर्गापुर, जमशेदपुर
- दुर्गापुर, जमशेदपुर, राउरकेला, भिलाई
- दुर्गापुर, राउरकेला, भिलाई, जमशेदपुर

उत्तर (c)

**व्याख्या :** इस्पात संयंत्रों में पूर्व से पश्चिम क्रम निम्नलिखित हैं- दुर्गापुर, जमशेदपुर, राउरकेला, भिलाई। दुर्गापुर इस्पात संयंत्र दामोदर नदी के किनारे पश्चिम बंगाल के वर्तमान जिले दुर्गापुर नामक स्थान पर द्वितीय योजना काल में ब्रिटेन के सहयोग से स्थापित किया गया है। जमशेदपुर इस्पात संयंत्र स्वर्ण रेखा व खारकोई पर स्थित है। यह इस्पात संयंत्र 1907 में जमशेदजी द्वारा आरंभ किया गया। राउरकेला ओडिशा के सुन्दरगढ़ जिले में द्वितीय योजनाकाल में स्थापित किया गया था। भिलाई इस्पात संयंत्र छत्तीसगढ़ में पूर्व सोवियत संघ की सहायता से स्थापित किया गया है।

41. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

सूची-I (नगर और शहर)	सूची-II (राष्ट्रीय राजमार्ग)		
A. मदुरै-रामेश्वरम्	1. रा.रा. - 1		
B. वाराणसी-कन्याकुमारी	2. रा.रा. - 2		
C. दिल्ली-कोलकाता	3. रा.रा. - 7		
D. नई दिल्ली-अमृतसर	4. रा.रा. - 87		
A	B	C	D
(a) 4	2	3	1
(b) 2	1	4	3
(c) 4	3	2	1
(d) 1	2	3	4

उत्तर (c)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार हैं -

(नगर और शहर)	(राष्ट्रीय राजमार्ग)
मदुरै - रामेश्वरम्	रा. रा. - 87
वाराणसी - कन्याकुमारी	रा. रा. - 7
दिल्ली - कोलकाता	रा. रा. - 2
नई दिल्ली - अमृतसर	रा. रा. - 1

अतः विकल्प (c) सही सुमेलित है।

42. निम्नलिखित राज्यों में से किस राज्य में वर्ष 2011 में सबसे कम जनसंख्या घनत्व दर्ज किया गया?

- सिक्किम
- अरुणाचल प्रदेश
- नागालैंड
- मिजोरम

उत्तर (b)

**व्याख्या :** वर्ष 2011 में सबसे कम जनसंख्या घनत्व अरुणाचल प्रदेश में दर्ज किया गया।

(राज्य)	जनसंख्या घनत्व (प्रति किमी <sup>2</sup> में)
सिक्किम	86
अरुणाचल प्रदेश	17
नागालैण्ड	119
मिजोरम	52

43. 'कश्मीर घाटी' निम्नलिखित के बीच है—

- (a) पीर पंजाल और कराकोरम श्रेणियाँ  
 (b) पीर पंजाल और जास्कर श्रेणियाँ  
 (c) जास्कर और लद्दाख श्रेणियाँ  
 (d) शिवालिक और लद्दाख श्रेणियाँ

उत्तर (b)

**व्याख्या :** मध्य और महान हिमालय के बीच दो खुली घाटियाँ पायी जाती हैं- पश्चिम में कश्मीर घाटी तथा पूर्व में काठमाण्डू घाटी। कश्मीर घाटी पीरपंजाल तथा जास्कर श्रेणी (महान हिमालय) के बीच फैली हुई है। कश्मीर घाटी में हिमनद उत्पत्ति के चीका मिट्टी के निक्षेप पाए जाते हैं। जिन्हें 'करेवा' कहा जाता है। करेवा मिट्टी बहुत उपजाऊ होती है, यह केसर की खेती के लिए प्रसिद्ध है।

44. निम्नलिखित प्रवास प्रकारों में से कौन भारत में अधिकांश जनसंख्या स्थानान्तरण में योगदान प्रदान करता है?

- (a) गाँव से गाँव (b) शहर से गाँव  
 (c) गाँव से शहर (d) शहर से शहर

उत्तर (c)

**व्याख्या :** प्रवास प्रकारों में भारत में गाँव से शहर अधिकांश जनसंख्या स्थानान्तरण में योगदान प्रदान करता है। ध्यातव्य है कि इस प्रकार का प्रवास रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा के लिए किया जाता है।

45. निम्नलिखित में से कौन-सी जनजाति को सही अर्थों में 'जंगली खानाबदोशी' के रूप में जाना जाता है?

- (a) पिग्मीज (b) सेमांग  
 (c) मसाई (d) खिरगीज

उत्तर (b)

**व्याख्या :** सेमांग को सही अर्थों में 'जंगली खानाबदोशी' के रूप में जाना जाता है। विषुवत रेखीय पेटी में, दक्षिणी थाइलैण्ड और मलाया की पहाड़ियों में सेमांग जाति के लोग रहते हैं। ये लोग नीग्रिटो प्रजाति के होते हैं। सेमांग जाति के लोग न तो कृषि करते हैं न ही पशु पालते हैं। ये वनों से प्राप्त पदार्थों पर निर्भर रहते हैं। यहाँ पर प्राकृतिक वनस्पति की अधिकता है क्योंकि तेज गर्मी तथा उपजाऊ मिट्टी होने के कारण एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार के वृक्ष उग जाते हैं इसी कारण सेमांग लोग लगातार स्थान परिवर्तन करते रहते हैं। वनों में संग्रहण का काम करते हैं।

46. मध्य पूर्व का प्राचीनतम धर्म है—

- (a) इस्लाम (b) यहूदी  
 (c) ईसाई (d) पारसी धर्म

उत्तर (b)

**व्याख्या :** मध्य पूर्व का प्राचीनतम धर्म यहूदी है। यहूदी धर्म का उद्भव ईसा पूर्व तैरहवीं शताब्दी में जेरुसलेम में हुआ था। यहूदी जेरुसलेम को पवित्र भूमि मानते हैं।

47. निम्नलिखित में से कौन-सी विधि किसी क्षेत्र के अलग-अलग आकार के ग्रामों और नगरों वाली जनसंख्या के वितरण को दर्शाने हेतु सर्वोत्तम विधि है?

- (a) एकसमान-बिन्दु  
 (b) बहु-बिन्दु  
 (c) एकसमान बिंदु और वृत्त  
 (d) बिंदु और गोला

उत्तर (d)

**व्याख्या :** बिन्दु और गोला विधि किसी क्षेत्र के अलग-अलग आकार के ग्रामों और नगरों वाली जनसंख्या के वितरण को दर्शाने हेतु सर्वोत्तम विधि है।

48. निम्नलिखित उपग्रहों को उनकी ऊँचाइयों के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए—

उपग्रह	ऊँचाई (किलोमीटर)
A. लैंड सेट V	i. 832
B. आई आर एस	ii. 705
C. स्पार्ट	iii. 904
D. इकोनोस	iv. 681

कूट -

	A	B	C	D
(a)	ii	iv	i	iii
(b)	iv	i	ii	iii
(c)	iv	ii	iii	i
(d)	ii	iii	i	iv

उत्तर (d)

**व्याख्या :** सही सुमेलित युग्म इस प्रकार हैं -

उपग्रह	ऊँचाई (किलोमीटर)
लैंड सेट	705
आई. आर. एस.	904
स्पार्ट	832
इकोनोस	681

अतः विकल्प (d) सही सुमेलित है।

49. निकटतम पड़ोसी विश्लेषण प्रस्तुत किया गया—

- (a) हेनरी और रेज द्वारा (b) क्लार्क और इवान्स द्वारा  
 (c) जिफ द्वारा (d) कार्ल पियर्सन द्वारा

उत्तर (b)

**व्याख्या :** निकटतम पड़ोसी विश्लेषण क्लार्क और इवान्स द्वारा प्रस्तुत किया गया। निकटतम पड़ोसी विश्लेषण का प्रतिपादन दो अमेरिकी पारिस्थिति विज्ञानियों क्लार्क और इवान्स ने 1954 ई. में किया था। नगर अंतरण के परिकलन की यह लोकप्रिय विधि है। नगर पड़ोसी अनुपात से यह ज्ञात किया जाता है कि किसी प्रदेश में अधिवासों या नगरों का वितरण प्रतिरूप गुच्छित या पुंजित या नियमित में से किस प्रकार का है।

• कार्ल पियर्सन ने सह-सम्बन्ध गुणांक प्रस्तुत किया।

50. लिस (LISS) IV सेंसर का स्थानिक पृथग्दर्शन है—

- (a) 5.8 मीटर (b) 2.0 मीटर  
 (c) 23.5 मीटर (d) 10.0 मीटर

उत्तर (a)

**व्याख्या :** 5.8 मी. लिस (LISS) IV सेंसर का स्थानिक पृथग्दर्शन है।